सच, सिर्फ सच **

वॉयस ऑफ लखनऊ

बुधवार, 26 अगस्त, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 49, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 287 अंकों की उछाल

शेयर बाजार में हुई लिवाली व कच्चे तेल के दाम में तेज गिरावट से सेंसेक्स 287 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 115 अंक के लाभ में रहा। } 10

नवाचार के जरिये बदलाव की राह पर भारत

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को तेज और सुरक्षित माध्यम करार देते हुए कहा कि नवाचार के जरिए भारत बदलाव की राह पर आगे बढ़ रहा है। } 12

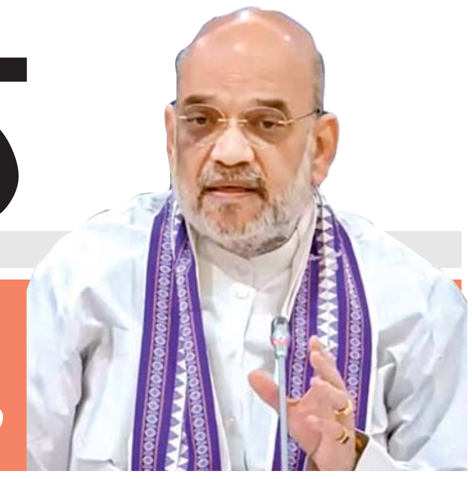

डिजिटल भारत में यूपीआई की अहम भूमिका

भारत की डिजिटल भुगतान यात्रा में आया बड़ा बदलाव : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के मंगलवार को एक दशक पूरा होने पर इसे भारत की डिजिटल भुगतान यात्रा में बड़ा बदलाव लाने का माध्यम करार दिया और कहा कि इसका व्यापक स्तर एवं पहुंच हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नियामकीय निगरानी में 25 अगस्त, 2016 को यूपीआई की शुरुआत की थी। यूपीआई भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली की रीढ़ और वित्तीय समावेश का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा एक दशक पहले यूपीआई की शुरुआत हुई थी, जिसने भारत की डिजिटल भुगतान यात्रा में बड़ा बदलाव लाया। यूपीआई का व्यापक स्तर और पहुंच हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

प्रधानमंत्री ने लोगों से यूपीआई के साथ अपने अनुभव और इससे उनके जीवन पर पड़े प्रभाव को साझा करने को भी कहा। यूपीआई ने एक दशक के परिचालन में देश में व्यापक पहुंच एवं तेज गति हासिल की है। वार्षिक लेनदेन की संख्या 2016-17 में 1.78 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में 24,162 करोड़ से अधिक हो गई। यह लेनदेन की संख्या में करीब 13,000 गुना वृद्धि दर्शाता है। इसी अवधि में लेनदेन का मूल्य 2016-17 में 0.07 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में करीब 314 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी लेनदेन के मूल्य में 4,000 गुना से अधिक वृद्धि दर्ज हुई। सोमवार को जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यूपीआई भारत ...शेष पृष्ठ 10 पर

छह महीने में एक लाख युवाओं को देंगे सरकारी नौकरी : सीएम

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने 9 साल में 9.30 लाख से अधिक युवाओं को पारदर्शी ढंग से बिना भेदभाव सरकारी नौकरियां दी हैं। यूपी में कभी एक लाख नौकरियां कल्पना होती थी, लेकिन हम छह महीने के भीतर एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र देने जा रहे हैं। रिजल्ट की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मिशन रोजगार के तहत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कृषि विभाग में नवचयनित 3446 प्राविधिक सहायकों (ग्रुप-सी) व 126 मंडी सचिवों को नियुक्ति पत्र सौंपने के उपरांत युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नवचयनितों से कहा कि सरकार ने पारदर्शी नियुक्ति दी है तो आप भी इसका लाभ प्रदेश, भावी पीढ़ी और देश को दें। कर्तव्य का ईमानदारी से निर्वहन ही ह्यनेशन फर्स्टह्ण की थ्योरी है।

सीएम ने कहा कि हमारे आयोग व बोर्ड पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया से बिना भेदभाव, आरक्षण नियमों का पालन करते हुए योग्य अभ्यर्थियों को मेरिट के अनुसार सफलतापूर्वक नियुक्ति पत्र दिला रहे हैं। यह प्रशंसनीय है। योग्यतम अभ्यर्थियों के चयन से उनकी ऊर्जा का लाभ पूरे प्रदेश को मिलता है। सीएम ने आयोग व बोर्डों के अधिकारियों से कहा कि आपके कार्यों में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है। यदि हमने स्वतंत्रता दी है तो समय से परिणाम लाइए। अधियाचन जाने के बाद परिणाम आने में छह महीने से अधिक नहीं लगना चाहिए। एक महीने के अंदर विज्ञापन और अगले दो महीने के अंदर परीक्षा कराएं। प्रक्रिया को सहज-सरल बनाएं, जिससे युवा अपनी ऊर्जा का लाभ दे सके। जब हम युवा ऊर्जा को साथ लेकर चलते हैं तो परिणाम आते हैं। सीएम ने 9 साल में पारदर्शी नियुक्तियों को डबल इंजन सरकार की उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस दौरान सरकार ने 9.30 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराई है। किसी भी नियुक्ति पर कोई प्रश्न नहीं खड़ा कर सकता। 2017 से पहले तो विज्ञापन निकलते ही चाचा-भतीजे की जोड़ी और महाभारत का खानदान वसूली करने निकल पड़ता था। युवा भटकता था, लेकिन परिणाम नहीं आता था। अंततः माननीय न्यायालय को स्टे करना पड़ता था। युवाओं का समय और उम्र खराब होती थी। नौकरी न पाने वाले युवाओं को लोग किसी काम का नहीं मानते थे, लेकिन गलती युवा की नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र में बैठे राजनेताओं, आयोगों व बोर्डों में बैठे बेईमान लोगों की होती थी। हमारी सरकार ने कहा था कि नकल माफिया की कमर तोड़ेंगे और उनके ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

35 रुपये किलो मिलेगी प्याज

नयी दिल्ली। सरकार आम लोगों को प्याज की ऊंची कीमतों से राहत देने के लिए राजधानी में 35 रुपये प्रति किलो के भाव पर इसकी बिक्री करेगी। यह मौजूदा औसत खुदरा कीमतों से लगभग 36 प्रतिशत कम है। केंद्र सरकार प्याज का स्टॉक मुख्य उत्पादक राज्य महाराष्ट्र से मंगा रही है, जहां केंद्र ने कीमतों में किसी भी तरह की बढ़ोतरी से निपटने के लिए बफर स्टॉक बनाए रखा है। 800 टन प्याज की पहली खेप बुधवार को कांदा एक्सप्रेस से राजधानी पहुंचेगी। मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा, कांदा एक्सप्रेस दिल्ली में लगभग 800 टन प्याज ला रही है, जिसे नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार के स्टोर पर 35 रुपये प्रति किलो के भाव पर बेचा जाएगा। उन्होंने कहा कि बड़ी मात्रा में प्याज को खास रेलवे रैक के जरिये चार अन्य केंद्रों - चेन्नई, एर्नाकुलम, मदुरै और गुवाहाटी - तक भी पहुंचाया जा रहा है।

चीनी के दाम पर टिप्पणी करने वाला लेखपाल सस्पेंड

जौनपुर। जिले की शाहगंज तहसील में तैनात एक लेखपाल को चीनी की बढ़ती कीमतों को लेकर सोशल मीडिया पर टिप्पणी करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाहगंज तहसील में तैनात लेखपाल अशोक कुमार यादव ने फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा था कि चाय खतरे में है मित्तर, चीनी पहुंच गई सत्तर। पोस्ट के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद तहसील प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लेखपाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। शाहगंज उपजिलाधिकारी अंकुर वर्मा ने बताया कि अशोक कुमार यादव ने रविवार को चीनी की बढ़ती कीमत पर कटाक्ष करते हुए यह पोस्ट किया था, जिसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को मिली।

बुजुर्ग महिलाओं की बस यात्रा आजीवन फ्री

❍ युवाओं के लिए 25 लाख टैबलेट खरीदने का प्रस्ताव पास ❍ 7,968.30 करोड़ की झांसी लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना मंजूर

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में 24 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र की महिलाओं को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की सभी बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा देने, वरिष्ठ नागरिकों को देखभाल न करने वाली संतान को संपत्ति से बेदखल करने का अधिकार देने तथा युवाओं के लिए 25 लाख टैबलेट खरीदने के साथ ही कैबिनेट ने गंगा एक्सप्रेसवे को हरिद्वार तक विस्तारित करने समेत कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। कैबिनेट की बैठक में बुंदेलखंड के इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने 7,968.30 करोड़ रुपये की लागत से झांसी लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना के विकास को मंजूरी प्रदान कर दी है। कैबिनेट ने लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाएं रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। योजना का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड अथवा मतदाता पहचान पत्र से उम्र और पहचान ...शेष पृष्ठ 10 पर

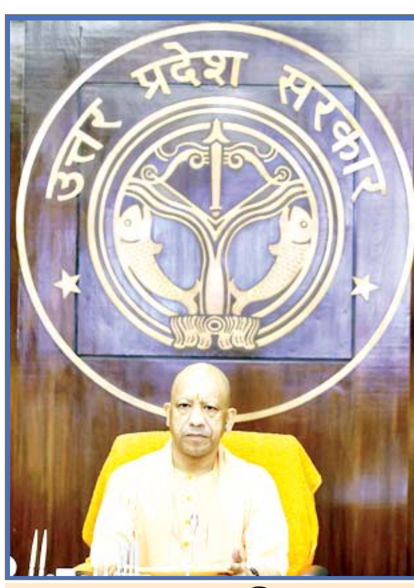

- ❍ युवाओं के लिए 25 लाख टैबलेट खरीदने का प्रस्ताव मंजूर
- ❍ 7,968.30 करोड़ की झांसी लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना को मंजूरी
- ❍ यूपी में होगा 2,606 करोड़ रुपये का नया औद्योगिक निवेश
- ❍ 8 मेगा औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन देने की मंजूरी
- ❍ रोडवेज के बेड़े में शामिल होंगी 250 नई इलेक्ट्रिक बसें
- ❍ मैनपुरी में विकसित होगा मयंक ऋषि पक्षी विहार
- ❍ एमबीबीएस-बीडीएस इंटर्नशिप भत्ता 12 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपये
- ❍ कोर्ट मैनेजर्स के लिए नई नियमावली को कैबिनेट मंजूरी
- ❍ सुल्तानपुर में 272 करोड़ से बनेगा इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर
- ❍ भरण-पोषण न करने या दुर्व्यवहार पर बुजुर्गों को मिला कानूनी अधिकार

जेपीएनआईसी को हरी झंडी दो साल में शुरू होगा संचालन

लखनऊ। नौ साल से जांच से घिरे सपा सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) के संचालन का रास्ता साफ हो गया है इसके सम्बंध में लखनऊ विकास प्राधिकरण की ओर से तैयार कराये गये प्रस्ताव पर मंगलवार को कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। इसके तहत जेपीएनआईसी को संचालन के लिए निजी कंपनी/कंसोर्टियम को 35 वर्षों की लीज पर दिया जाएगा। इसके लिए ओपन बिड के माध्यम से वृंदावन बॉटलर्स एंड रॉकवुड होटल्स के कंसोर्टियम का चयन किया गया है। जेपीएनआईसी में वर्तमान में इंटीरियर, इलेक्ट्रिकल एवं फायर उपकरण सहित विभिन्न अवशेष कार्यों को पूर्ण कराने में 200 से 250 करोड़ रुपये की लागत अनुमानित है। अनुबंध के अनुसार चयनित कंसोर्टियम को अपने खर्च से 02 वर्ष के अंदर सभी अवशेष कार्य पूर्ण कराकर जेपीएनआईसी का संचालन शुरू करना होगा। इतना ही नहीं, कंसोर्टियम को अनुबंध की शर्तों के तहत 25 करोड़ रुपये की परफॉर्मेंस गारंटी प्राधिकरण में जमा करनी होगी। वहीं, स्वीकृति पत्र प्राप्त ...शेष पृष्ठ 10 पर

वृद्ध माता-पिता की अनदेखी की तो संपत्ति से होंगे बेदखल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब वृद्ध माता-पिता की देखभाल नहीं करने या उनके साथ दुर्व्यवहार करने वाली संतान और आश्रित रिश्तेदारों को बुजुर्ग अपनी संपत्ति से बेदखल कर सकेंगे। योगी कैबिनेट ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए ह्यउत्तर प्रदेश माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण नियमावली-2014 में संशोधन को मंजूरी दे दी है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि नियमावली के नियम 22 में 22क, 22ख और 22ग जोड़े जाएंगे। नए प्रावधानों के तहत यदि कोई वरिष्ठ नागरिक अपनी ...शेष पृष्ठ 10 पर

हरिद्वार तक विस्तारित होगा गंगा एक्सप्रेसवे

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क के विस्तार और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने गंगा एक्सप्रेसवे को हरिद्वार तक विस्तारित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण 6 लेन में किया जाएगा, जिसे भविष्य में 8 लेन तक विस्तारित किया जा सकेगा।

हरिद्वार तक गंगा एक्सप्रेसवे के विस्तार के लिए राज्य सरकार पर संभावित 10,761 करोड़ रुपये का व्यय-भार आएगा। परियोजना में केंद्र सरकार की किसी प्रकार की वित्तीय भागीदारी अपेक्षित अथवा प्रस्तावित नहीं है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद परियोजना की डीपीआर तैयार करने सहित आगे की आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उत्तराखंड सीमा से लगे बिजनौर जिले से हरिद्वार जाने के लिए वर्तमान में प्रमुख रूप से एनएच-34 (मेरठ-बिजनौर-हरिद्वार राष्ट्रीय मार्ग) की सुविधा उपलब्ध है। गंगा एक्सप्रेसवे के हरिद्वार तक विस्तार से बिजनौर को हरिद्वार से बेहतर और तेज कनेक्टिविटी ...शेष पृष्ठ 10 पर

हिजाब इस्लामिक आस्था का आवश्यक हिस्सा नहीं : कोर्ट

छात्रा को स्कूल में हिजाब पहनने की नहीं मिली अनुमति

विशेष संवाददाता

लखनऊ/प्रयागराज। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती देने की तैयारी में है, जिसमें एक छात्रा को स्कूल की निर्धारित वर्दी के साथ हिजाब या सिर पर स्कार्फ पहनने की अनुमति देने की अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी गई थी।

याचिकाकर्ता प्रयागराज के अतरसुइया स्थित एक निजी स्कूल की छात्रा है और इसी विद्यालय में वह 11 वीं कक्षा में नामांकन ले रही है। टैगोर पब्लिक स्कूल की यह नाबालिग छात्रा सुकैना रिजवी ने अपनी मां के जरिये यह याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर एवं न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की दो सदस्यीय पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता यह साबित नहीं कर सकी कि सिर ढकना इस्लाम की ऐसी आवश्यक धार्मिक प्रथा है, जिसके पालन के बिना उसकी आस्था खतरे में पड़ जाएगी। पीठ ने कहा हमने याचिकाकर्ता से जुड़ी विभिन्न कक्षाओं की तस्वीरें देखी हैं और केवल उसे छोड़कर किसी भी छात्रा ने हिजाब नहीं पहना है। यहां तक कि जिस धार्मिक समुदाय से वह ...शेष पृष्ठ 10 पर

हाईकोर्ट ने 50 सहायक प्रबंधकों की सेवा समाप्ति का आदेश किया रद्द

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंड पीठ ने उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव बैंक में वर्ष 2016 में नियुक्त 50 सहायक प्रबंधकों की सेवा समाप्ति के आदेश रद्द कर दिए हैं।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने मनीष कुमार व 47 अन्य की ओर से दाखिल अलग अलग रिट याचिकाएं स्वीकार करते हुए किया। कोर्ट ने 7 जून 2019 समेत सेवा समाप्ति से जुड़े आदेशों को निरस्त कर दिया तथा याचिकाकर्ताओं को पूर्व पदों पर फिर से कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति देने का निर्देश दिया। हालांकि, सेवा समाप्ति की तारीख से फैसले तक की अवधि को नो वर्क, नो पे माना जाएगा। मामला 2015 में शुरू हुई सहायक प्रबंधकों की भर्ती प्रक्रिया से जुड़ा था। भर्ती ...शेष पृष्ठ 10 पर

धामी कैबिनेट ने 17 प्रस्तावों को दी मंजूरी

अग्निवीरों के पुनर्वास और कर्मचारी हितों पर बड़ा कदम

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने युवाओं, कर्मचारियों, ऊर्जा और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े कई अहम मुद्दों महत्वपूर्ण निर्णय लिये। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 17 प्रस्तावों पर मुहर लगी। बैठक में सैन्य सेवा पूरी कर प्रदेश लौटने वाले अग्निवीरों के लिए विशेष तंत्र विकसित करने, 1320 मेगावाट की विद्युत परियोजना, नई सहकारिता नीति और उपनल कर्मियों के वेतन से संबंधित प्रस्ताव प्रमुख रहे।

कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने बताया कि अग्निवीरों को सेवा समाप्त होने के बाद रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार अलग प्रकोष्ठ स्थापित करेगी। अग्निवीर प्रकोष्ठ में एक उपनिदेशक समेत छह पद होंगे। यह प्रकोष्ठ पूर्व अग्निवीरों की सैन्य सेवा के दौरान अर्जित कौशल और योग्यता को ध्यान में रखते हुए रोजगार, स्वरोजगार तथा अन्य अवसरों से जोड़ने में सहयोग करेगा। ऊर्जा क्षेत्र में कैबिनेट ने दीर्घकालिक बिजली आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 1320 मेगावाट क्षमता के ...शेष पृष्ठ 10 पर

आज का मौसम

अधिकतम	:	32.06 डिसे.
न्यूनतम	:	26.04 डिसे.

भीतर पढ़ें

- ❍ मैनपुरी में विकसित होगा मयंक ऋषि पक्षी विहार (पृष्ठ-02)
- ❍ रोडवेज में शामिल होंगी 250 नयी इलेक्ट्रिक बसें (पृष्ठ-02)
- ❍ रुपया 24 पैसे की बढ़त के साथ 95.46 प्रति डॉलर (पृष्ठ-10)
- ❍ सोने की कीमतों में लगातार चौथे दिन तेज़ी (पृष्ठ-10)
- ❍ भारत ने एलपीजी, एलएनजी की खरीद बढ़ाई (पृष्ठ-10)

विशेष खबर — बाढ़ प्रभावित 16 जिलों में राहत, 14,628 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

प्रदेश में बाढ़-बारिश का कहर, बचाव कार्य जारी

विशेष संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बाढ़ की स्थिति के बीच योगी सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। प्रदेश के 16 जिले वर्तमान में बाढ़ से प्रभावित हैं। सरकार के मुताबिक अब तक 14,628 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और बाढ़ से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

राहत आयुक्त कार्यालय की मंगलवार की रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में करीब 1.44 लाख आबादी प्रभावित है, जबकि अब तक कुल प्रभावित आबादी का आंकड़ा 2.19 लाख से अधिक रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य के लिए 1,618 बाढ़ चौकियां सक्रिय हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 810 मेडिकल टीमें गठित की गई हैं, जिनमें से 127 टीमें मंगलवार को प्रभावित क्षेत्रों में काम कर रही हैं। प्रशासन ने

प्रदेश में अब तक 1,281 बाढ़ शरणालय स्थापित किए हैं। इनमें से 75 शरणालय वर्तमान में संचालित हैं और 2,240 लोग इन आश्रय स्थलों में रह रहे हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ उनके लिए भोजन और जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था भी की जा रही है। मंगलवार को 4,819 खाद्य पैकेट और 14,962 लंच पैकेट वितरित किए गए। अब तक 39,321 खाद्य पैकेट और 2.04 लाख से अधिक लंच पैकेट बांटे जा चुके हैं। बाढ़ के दौरान जलजनित बीमारियों की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। मंगलवार को 7,882 क्लोरीन टैबलेट और 2,270 ओआरएस वितरित किए गए। अब तक 1,07,347 क्लोरीन टैबलेट और 45,338 ओआरएस उपलब्ध कराए जा चुके हैं। प्रभावित परिवारों के पशुओं के लिए भी राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। मंगलवार को 1,282.15 क्विंटल भूसा वितरित किया गया। अब तक 2,345 क्विंटल से अधिक भूसा पशुओं के लिए उपलब्ध कराया जा चुका है। जलभराव वाले क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य के लिए 536 नाव एवं मोटरबोट वर्तमान में इस्तेमाल की जा रही हैं। अब तक कुल 1,028 ...शेष पृष्ठ 10 पर

लखनऊ के अधिवक्ताओं को सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं

चैम्बर तोड़ने के फैसले में कोई बदलाव नहीं

विशेष संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ जिला न्यायालय के आसपास बने वकीलों के 12 अवैध चैंबरों को हटाने का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि वकील या बार एसोसिएशन का पदाधिकारी होने के आधार पर किसी अवैध निर्माण को संरक्षण नहीं दिया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि न्यायालय परिसर और सार्वजनिक रास्ते अतिक्रमण से मुक्त होने चाहिए। हाईकोर्ट ने पहले करीब 72 कब्जेदारों को नोटिस देकर अपना पक्ष रखने का मौका देने का आदेश दिया था। मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि आखिर ये निर्माण कहां स्थित हैं और मुख्य सड़क पर ऐसे ढांचे कैसे खड़े कर दिए गए? उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण को इस आधार पर सही नहीं ठहराया जा सकता कि संबंधित व्यक्ति बार एसोसिएशन का अध्यक्ष या पदाधिकारी है। कोर्ट ने स्पष्ट टिप्पणी की कि पहले ...शेष पृष्ठ 10 पर

यूपी में होगा 2,606 करोड़ रुपये का नया औद्योगिक निवेश

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश में बड़े औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने तीन प्रमुख औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है। इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में कुल 2,606.04 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।

कैबिनेट की मंजूरी पाने वाली परियोजनाओं में मेसर्स एग्रिस्टो मासा प्राइवेट लिमिटेड की बिजनौर में, मेसर्स कैनपैक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की उन्नाव में और मेसर्स सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड की कानपुर देहात में परियोजना शामिल है। इन परियोजनाओं में एफडीआई/एफसीआई तथा अन्य पात्र श्रेणियों के अंतर्गत नीति आधारित प्रोत्साहन के रूप में लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किया जाएगा। कैनपैक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा उन्नाव में एल्युमिनियम बेवरेज कैन के विनिर्माण की इकाई स्थापित की जाएगी। परियोजना के लिए 1,573.62 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। यह इकाई यूपीडा के आईएमएलसी इंडस्ट्रियल कॉरिडोर क्षेत्र में करीब 26 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित की जाएगी। परियोजना की अनुमानित वार्षिक उत्पादन क्षमता 130 करोड़ यूनिट होगी। एग्रिस्टो मासा प्राइवेट लिमिटेड अपनी मौजूदा आलू फ्लेक्स उत्पादन गतिविधियों का विस्तार करते हुए फ्रेंच फ्राइज के उत्पादन में प्रवेश करेगी। कंपनी की वर्तमान उत्पादन क्षमता लगभग 7,332 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष है, जबकि प्रस्तावित फ्रेंच फ्राइज इकाई की अधिकतम स्थापित क्षमता 75,000 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष होगी।

इस परियोजना में 794.27 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा कानपुर देहात में 238.15 करोड़ रुपये के निवेश से वैल्यू एडेड प्लास्टिक बिल्डिंग सॉल्यूशन उत्पादों का विनिर्माण किया जाएगा। वर्ष 1942 में स्थापित सुप्रीम इंडस्ट्रीज भारत के प्रमुख प्लास्टिक प्रोसेसिंग समूहों में शामिल है। कंपनी देशभर में आधुनिक तकनीक और उन्नत विनिर्माण सुविधाओं से युक्त 28 संयंत्र संचालित करती है। तीनों परियोजनाओं के धरातल पर उतरने से प्रदेश में विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती मिलने के साथ निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। बिजनौर, उन्नाव और कानपुर देहात में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। इस निर्णय से उत्तर प्रदेश में एफडीआई, विनिर्माण और वैल्यू एडेड इंडस्ट्री को बढ़ावा देने तथा प्रदेश को एक प्रमुख औद्योगिक निवेश गंतव्य के रूप में और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कैबिनेट निर्णय

युवाओं के लिए 25 लाख टैबलेट खरीदने का प्रस्ताव मंजूर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट बैठक में प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत 25 लाख टैबलेट की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। योगी सरकार ने टेंडर प्रक्रिया में चयनित संस्थाओं को क्रय आदेश जारी किए जाने की मंजूरी देकर प्रदेश के युवाओं को डिजिटल संसाधनों से जोड़ने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ये टैबलेट पात्र युवाओं को निशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। गौरतलब है कि स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना 5 वर्ष के लिए लागू है। योजना के तहत प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए आधुनिक टैबलेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इसके लिए 2,374.60 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। खास बात यह है कि इस योजना से केंद्र सरकार पर कोई अतिरिक्त व्यय भार नहीं पड़ेगा। योजना के तहत स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, कौशल विकास समेत विभिन्न शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अध्ययनरत पात्र युवाओं को निशुल्क टैबलेट उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे विद्यार्थी अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम को डिजिटल माध्यम से बेहतर ढंग से पूरा कर सकेंगे और तकनीक आधारित अध्ययन की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। टैबलेट मिलने से युवाओं को सरकारी और गैर-सरकारी योजनाओं, ऑनलाइन प्रशिक्षण, रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ी सेवाओं तक पहुंच बनाने में भी मदद मिलेगी। योगी सरकार का उद्देश्य केवल युवाओं को उपकरण उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम बनाकर शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसरों से जोड़ना है।

झांसी लिंक एक्सप्रेसवे से बीडा व डिफेंस कॉरिडोर को मिलेगी कनेक्टिविटी

झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण से बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) क्षेत्र, डिफेंस कॉरिडोर और जनपद झांसी के आसपास के महत्वपूर्ण स्थलों तक बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। एक्सप्रेसवे के माध्यम से प्रदेश एवं देश के अन्य क्षेत्रों से इन स्थानों तक सुरक्षित और द्रुतगति यातायात आवागमन की सुविधा मिलेगी। परियोजना के निर्माण की अनुमानित लागत 7,968.30 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। निर्माण कार्य के लिए होने वाला संभावित पूरा व्यय भार राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से इस परियोजना में किसी प्रकार की वित्तीय भागीदारी अपेक्षित अथवा प्रस्तावित नहीं है। परियोजना को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद यथाशीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने की कार्यवाही की जाएगी। सरकार का लक्ष्य परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करना है, जिससे क्षेत्र को जल्द बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ मिल सके। झांसी लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण बीडा और डिफेंस कॉरिडोर के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से औद्योगिक गतिविधियों, निवेश और कारोबार को बढ़ावा मिलने की संभावना है। परियोजना के निर्माण और इसके बाद बढ़ने वाली आर्थिक गतिविधियों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी सृजित होने की उम्मीद है।

8 मेगा औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन देने की मंजूरी

औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के तहत आठ मेगा श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी किए जाने की संस्तुति को मंजूरी प्रदान कर दी है। इन इकाइयों को नीति के तहत नेट एसजीएसटी और पूंजीगत सब्सिडी जैसे प्रोत्साहनों का लाभ मिलेगा। उच्च स्तरीय प्राधिकृत समिति (एचएलईसी) की 4 मई 2026 को हुई बैठक में इन औद्योगिक इकाइयों के प्रस्तावों पर विचार कर कैबिनेट से अनुमोदन की संस्तुति की गई थी। इन इकाइयों को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किए जाने की मंजूरी दे दी है। मंजूरी पाने वाली औद्योगिक इकाइयों में सूर्या ग्लोबल सुपर फ्लैक्सीफिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा गौतमबुद्ध नगर में 605.37 करोड़ रुपये, शाल्विस स्पेशियलिटीज लिमिटेड द्वारा हमीरपुर में 297.30 करोड़ रुपये और साउंड कास्टिंग्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा हाथरस में 225 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं को उनकी पात्रता के अनुसार नेट एसजीएसटी और पूंजीगत सब्सिडी जैसे प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इस निर्णय से गौतमबुद्ध नगर, लखीमपुर खीरी, मथुरा और उन्नाव जैसे जिलों में औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर आर्थिक अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

रोडवेज के बेड़े में शामिल होंगी 250 नयी इलेक्ट्रिक बसें

प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के बेड़े में 250 नई वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इन बसों की खरीद के लिए सरकार ने 400 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत करने का निर्णय लिया है। प्रस्ताव के अनुसार 50 सीटर 100 बसें और 41 सीटर 150 बसें खरीदी जाएंगी। इन 250 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद पर करीब 425.50 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। सरकार की ओर से दिए जाने वाले 400 करोड़ रुपये के अलावा करीब 25.50 करोड़ रुपये का खर्च उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम अपने संसाधनों से वहन करेगा। ई-बसों के बेड़े के विस्तार से दिल्ली-एनसीआर में सार्वजनिक परिवहन को पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप बनाने में मदद मिलेगी। सीपीक्यूएम के निदेशों के अनुसार 1 नवंबर 2026 से दिल्ली में सीएनजी, इलेक्ट्रिक और बीएस-6 वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। ऐसे में उत्तर प्रदेश से दिल्ली आने-जाने वाली रोडवेज बसों के लिए इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नई इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के बीच सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं को मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

सुल्तानपुर में होगा आईएमएलसी का विकास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। कैबिनेट ने औद्योगिक कॉरिडोर योजना के अंतर्गत जनपद सुल्तानपुर में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर्स (आईएमएलसी) की स्थापना के लिए अवस्थापना विकास के निर्माण कार्यों से संबंधित परियोजना प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के सन्निकट विकसित किए जाने वाले इस औद्योगिक क्लस्टर के लिए 27225.33 लाख रुपये यानी लगभग 272.25 करोड़ रुपये की लागत अनुमोदित की गई है। निर्माण कार्य में होने वाला संभावित व्यय-भार राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। परियोजना में केंद्र सरकार की किसी प्रकार की वित्तीय भागीदारी अपेक्षित अथवा प्रस्तावित नहीं है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद परियोजना के निर्माण एजेंसी के चयन के लिए ग्लोबल बिड आमंत्रित की जाएगी। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा और परियोजना को समयबद्ध रूप से पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। आईएमएलसी के विकास से सुल्तानपुर में उद्योगों की स्थापना, निवेश और विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के समीप होने के कारण क्लस्टर को बेहतर कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

60 साल की महिलाओं को रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा

उत्तर प्रदेश में 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए योगी सरकार ने बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की सामान्य बसों में 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को निशुल्क यात्रा सुविधा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सरकार के इस फैसले से प्रतिदिन करीब 88,438 महिला यात्रियों को लाभ मिलने का अनुमान है। इससे वरिष्ठ महिलाओं को सार्वजनिक परिवहन में यात्रा के दौरान आर्थिक राहत मिलेगी और उन्हें आवागमन के लिए अधिक सुविधा एवं स्वतंत्रता भी मिलेगी। निशुल्क यात्रा सुविधा को व्यवस्थित ढंग से लागू करने के लिए परिवहन निगम पात्र महिलाओं को विशेष स्मार्ट कार्ड जारी करेगा। स्मार्ट कार्ड के माध्यम से महिला यात्रियों की पात्रता की पहचान और निशुल्क यात्रा की व्यवस्था को सुगम बनाया जाएगा। इस योजना के लागू होने से प्रदेश सरकार पर हर महीने करीब 22.55 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा।

एमबीबीएस-बीडीएस इंटर्नशिप भत्ता 25 हजार रुपये

प्रदेश के राजकीय मेडिकल कालेजों, संस्थानों और चिकित्सा विश्वविद्यालयों से एमबीबीएस व बीडीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर रोटेटिंग इंटर्नशिप करने वाले छात्रों को अब हर माह 12 हजार के बजाय 25 हजार रुपये इंटर्नशिप भत्ता मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में भत्ता बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। गौरतलब है कि योगी सरकार ने इससे पहले भी 2021 में यह भत्ता 7500 हजार से बढ़ाकर 12 हजार रुपये किया था। अभी इंटर्नशिप के दौरान मेडिकल छात्रों को 12 हजार रुपये प्रतिमाह बतौर भत्ता मिलता है। कैबिनेट ने यह राशि दोगुने से ज्यादा बढ़ाकर 25 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी देकर इन छात्रों को आर्थिक राहत दी है। इससे प्रदेश के सरकारी चिकित्सा संस्थानों में प्रशिक्षण लेने वाले एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न को प्रोत्साहन मिलेगा।

मैनपुरी में विकसित होगा मयंक ऋषि पक्षी विहार

योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट बैठक में प्राकृतिक और पर्यावरणीय स्थलों को पर्यटन की नई पहचान देने की दिशा में समान पक्षी विहार के निकट पर्यटन विकास के लिए 6 हेक्टेयर ग्रामसभा भूमि पर्यटन विभाग के पक्ष में निःशुल्क हस्तांतरित किए जाने को मंजूरी मिली है, यह स्थल मयंक ऋषि पक्षी विहार के नाम से जाना जाएगा। इस फैसले से पर्यटन सुविधाओं से जोड़ने और देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करने का रास्ता साफ होगा। मैनपुरी स्थित समान पक्षी विहार उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण वेटलैंड और रामसर साइट है। यह बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षियों का प्रमुख आश्रय स्थल है। विशेष रूप से गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित यह मौसमी झील पक्षी प्रेमियों, प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि समान पक्षी विहार में देश के विभिन्न हिस्सों के साथ ही विदेश से भी अनेक प्रजातियों के पक्षी प्रवास के दौरान पहुंचते हैं। उत्तर प्रदेश में चंद्रशेखर आजाद पक्षी विहार, सैंडी पक्षी विहार, हरदोई, बखिरा पक्षी विहार, संत कबीरनगर, विजय सागर पक्षी विहार, महोबा, लाख बहोसी पक्षी विहार, हमीरपुर, समसरोवर पक्षी विहार, आगरा सहित कई महत्वपूर्ण पक्षी विहार हैं। इन स्थलों पर बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी विशेष रूप से शरद ऋतु में पहुंचते हैं। समान पक्षी विहार की प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता इसे बर्ड वॉचिंग, फोटोग्राफी और प्रकृति पर्यटन के लिए आदर्श स्थल बनाती है। यहां नाव से पक्षियों को नजदीक से देखने और वॉच टावर के माध्यम से पक्षियों का अवलोकन करने की संभावनाएं भी हैं।

छात्रवृत्ति से वंचित 2.76 लाख छात्रों को मिलेगा एक और मौका

वित्तीय वर्ष 2025-26 में तकनीकी और प्रक्रियागत कारणों से छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति से वंचित रह गए पात्र छात्रों को योगी सरकार ने बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में विशेष मामले के रूप में छात्रवृत्ति पोर्टल दोबारा खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि इस निर्णय से समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण विभागों से संबंधित विभिन्न पात्र वर्गों के 2,76,057 छात्र लाभान्वित होंगे। इनके लिए कुल 551 करोड़ 85 लाख रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें सामान्य वर्ग के 51,078 छात्रों के लिए 163.42 करोड़ रुपये, अनुसूचित जाति के 64,971 छात्रों के लिए 58.17 करोड़ रुपये, अनुसूचित जनजाति के 5,192 छात्रों के लिए 9.21 करोड़ रुपये तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के 1,36,136 छात्रों के लिए 300 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं अल्पसंख्यक वर्ग के 18,680 छात्रों को 21.05 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति दी जाएगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत कई पात्र छात्रों की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी थी। कुछ मामलों में शिक्षण संस्थानों की ओर से आवेदन अग्रसारित नहीं किए गए, जबकि कई आवेदन में कमियां और तकनीकी समस्याएं थीं। इसके अलावा पीएफएमएस स्तर पर भुगतान नहीं होने, परीक्षा परिणाम समय से घोषित न होने, जनपद स्तरीय समिति में आवेदन लंबित रहने और फीस जमा न होने जैसे कारणों से भी छात्र लाभ से वंचित रह गए। कैबिनेट ने अब ऐसे सभी पात्र छात्रों को राहत देने के लिए एक बार फिर छात्रवृत्ति पोर्टल खोलने का निर्णय लिया है। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट से 551.85 करोड़ रुपये खर्च करने की अनुमति भी प्रदान की गई है। सरकार का कहना है कि इस निर्णय का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र छात्र केवल तकनीकी या प्रक्रियागत कारणों से छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लाभ से वंचित न रहे।

कोर्ट मैनेजर्स के लिए नयी नियमावली को कैबिनेट मंजूरी

न्यायालयों के प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में योगी सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट बैठक में इलाहाबाद हाईकोर्ट और प्रदेश के जनपदीय न्यायालयों में कार्यरत कोर्ट मैनेजर्स की सेवा व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए ह्यद इलाहाबाद हाईकोर्ट (कोर्ट मैनेजर्स सेंट्रलाइज्ड सर्विस) रूल्स, 2026 के मसौदे को मंजूरी दे दी है। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में कोर्ट मैनेजर्स को एक अधिक सुसंगठित, स्पष्ट और संस्थागत सेवा ढांचा मिल सकेगा। इससे न्यायालयों के प्रशासनिक कामकाज को गति देने और न्यायिक संस्थानों के प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। यह नियमावली सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 16 मई, 2025 को कोर्ट मैनेजर्स के संबंध में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में तैयार की गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्देशों एवं निष्कर्षों के आधार पर नियमावली का मसौदा तैयार कर राज्य सरकार को उपलब्ध कराया गया था, जिसे कैबिनेट ने मंजूरी प्रदान कर दी है।

81 कोर्ट मैनेजर्स की होगी तैनाती, वेतनमान निर्धारित : नई व्यवस्था के तहत इलाहाबाद हाईकोर्ट तथा प्रदेश के जनपदीय न्यायालयों में कुल 81 कोर्ट मैनेजर्स की तैनाती की जाएगी। इसके साथ ही उनके वेतन एवं सेवा संबंधी ढांचे को भी पुनरीक्षित किया गया है। कोर्ट मैनेजर्स का वेतनमान 56,100 से 1,77,500 तक निर्धारित किया गया है।

प्रशासनिक कामकाज को मिलेगा पेशेवर स्वरूप : कोर्ट मैनेजर्स न्यायालयों के प्रशासनिक और प्रबंधकीय कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इनके माध्यम से न्यायालयों में मानव संसाधन, आधारभूत सुविधाओं, केस-फ्लो मैनेजमेंट, प्रशासनिक समन्वय और अन्य प्रबंधकीय कार्यों की निगरानी एवं बेहतर संचालन में सहायता मिलेगी। इससे न्यायिक अधिकारियों और न्यायाधीशों को प्रशासनिक दायित्वों के भार में राहत मिलेगी। योगी सरकार का यह निर्णय प्रदेश में न्यायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ कोर्ट मैनेजमेंट को अधिक आधुनिक व परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सेवा नियम स्पष्ट होने से कोर्ट मैनेजर्स की जिम्मेदारियों और सेवा शर्तों में भी एकरूपता आएगी। सरकार के इस फैसले से न केवल सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित होगा, बल्कि हाईकोर्ट और जिला न्यायालयों के प्रशासनिक कामकाज में भी बेहतर समन्वय और दक्षता आने की उम्मीद है। इसका प्रत्यक्ष लाभ न्यायालयों में आने वाले वादकारियों और आम नागरिकों को भी मिल सकेगा। नई नियमावली लागू करने से राज्य सरकार पर लगभग 3.97 करोड़ रुपये का वार्षिक अतिरिक्त व्यय भार आने का अनुमान है। सरकार द्वारा इस वित्तीय भार को स्वीकार करते हुए कोर्ट मैनेजर व्यवस्था को संस्थागत रूप देने का निर्णय न्यायालयों के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

बढ़ती महंगाई के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : अखिलेश

- सपा अध्यक्ष ने पूर्व मुख्यमंत्री बीपी मंडल की जयंती पर श्रद्धासुमन किया अर्पित

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों में मंगलवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बीपी मंडल की जयंती मनायी गयी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीपी मंडल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। पिछड़े और वंचित वर्गो के उत्थान और सामाजिक न्याय के लिए मंडल के योगदान को याद किया।

इस अवसर पर उपस्थित पार्टी, नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव लोकतंत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भाजपा लोकतंत्र, संविधान, आरक्षण के लिए खतरा है। भाजपा पीडीए (पीड़ित, दुःखी, अपमानित) लोगों का हक छीन रही है। भाजपा की लूट को सब समझ चुके हैं। भाजपा गैंग की तरह काम कर रही है। ये सब कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार में लगे हैं। भाजपा के करीबी उद्योगपति मुनाफा कमा रहे है। मुनाफाखोरी के कारण महंगाई बढ़ती जा रही है। त्यौहार आने वाले हैं। चीनी, तेल से लेकर खाने-पीने की सब चीजों के दाम बढ़ गये हैं। कालाबाजारी और मुनाफाखोरी करके गरीबों और मध्यम वर्ग को लूटा जा रहा है। उनकी जेब काटी जा रही है। बढ़ती महंगाई के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा किसी की सगी नहीं है। प्रदेश में कानून व्यवस्था बर्बाद है। प्रदेश में अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अपराधियों को सत्ता का संरक्षण है। निर्दोषों को सताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा की चालबाजी समझ चुकी है। इस बार भाजपा की कोई चालाकी नहीं चलेगी।

संक्षेप

छेड़छाड़ को लेकर दो आरोपियों के खिलाफ केस

प्रतापगढ़। सांगीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में पीड़िता के साथ छेड़छाड़ तथा गालीगलौज को लेकर पुलिस ने दो आरोपियो के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता ने दी गई तहरीर में कहा है कि बीती तेईस अगस्त को शाम करीब छः बजे वह शौच के लिए गयी थी। इसी बीच रंजिश को लेकर आरोपी गांव के सेबू पुत्र निमरू ने बदनीयती से उसका हाथ पकड़ लिया। शोर मचाने पर आरोपी ने उसके कपड़े भी फाड़ डाले। इस बीच शोर सुनकर आरोपी भाग निकला। पीड़िता उलाहना देने उसके घर गयी तब आरोपी की मां के द्वारा उसे गाली दी गयी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी सेबू समेत दो के खिलाफ छेड़छाड़ तथा गालीगलौज का केस दर्ज किया है।

चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा

प्रतापगढ़। पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट तथा गालीगलौज व तोडफोड़ को लेकर लीलापुर पुलिस ने चार आरोपियो के खिलाफ केस दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के मकईपुर निवासी सुनील कुमार रजक पुत्र छवि लाल ने दी गई तहरीर में कहा है कि चौबीस अगस्त की सुबह करीब साढ़े सात बजे वह घर पर मौजूद था। इस बीच जमीनी रंजिश को लेकर गांव के कन्धई सरोज व सुन्दर पुत्रगण छोटई, वीरू सरोज पुत्र सुन्दर व रबजानती पुत्री वीरू एकराय होकर उसके घर आ पहुंचे। आरोपियो द्वारा गालीगलौज करते हुए मारपीट शुरू की गयी। पीड़ित की पत्नी अनीता ने मना किया तब आरोपी उसके नल व बाथरूम में तोडफोड़ करते हुए जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुनील समेत चार के खिलाफ केस दर्ज किया है।

उचित दर विक्रेता के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम का केस

प्रतापगढ़। उचित दर विक्रेता के खिलाफ डीएम के अनुमोदन के बाद आवश्यक वस्तु अधिनियम 3/7 के तहत केस दर्ज किया गया है। लालगंज के पूर्ति निरीक्षक अमित कुमार शुक्ल ने लीलापुर पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि लक्ष्मणपुर विकासखण्ड के डांड़ी गांव में उचित दर विक्रेता राजकुमार तिवारी की खाद्यान्न की दुकान का सत्यापन कराया गया। इसके तहत दुकान के संचालन व खाद्यान्न को लेकर अनियमितता पायी गयी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने उचित दर विक्रेता राजकुमार के खिलाफ केस दर्ज किया है।

मारपीट व गाली -गलौज को लेकर दो के खिलाफ मुकदमा

प्रतापगढ़। उदयपुर पुलिस ने रंजिशन मारपीट को लेकर दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के बरूआ दर्रा निवासी राम अंजोर गौतम पुत्र राम भरोस ने दी गई तहरीर में कहा है कि बीती बाइस अगस्त को शाम साढ़े छः बजे घर के सामने से मवेशी लेकर जाने पर आरोपियो को उसने मना किया। इससे चिढ़कर आरोपी गांव के आकाश पुत्र शियालाल तथा लीलावती पत्नी शियालाल ने गालीगलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी शियालाल समेत दो के खिलाफ मारपीट व गालीगलौज का केस दर्ज किया है।

मानदेय व भत्ते को लेकर हाईकोर्ट के फैसले पर तदर्थ शिक्षकों ने जताई खुशी

प्रतापगढ़। तदर्थ शिक्षकों को मौजूदा समय में मिलने वाले मानदेय को लेकर हाईकोर्ट के हालिया निर्णय को लेकर शिक्षकों में मंगलवार को खुशी का माहौल देखा गया। सरकार द्वारा इन तदर्थ शिक्षकों को पचीस हजार से तीस हजार के मानदेय पर सेवारत किया गया है। इसे लेकर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ ने सरकार के मौजूदा आदेश को निरस्त कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि सहायता प्राप्त विद्यालयों में स्वीकृत मूल पद रिक्त होने की दशा में इन शिक्षकों को सम्मान देना वेतन व मानदेय को लेकर प्रदेश सरकार नई नीति तैयार करे। शिक्षकों मे इस बात की खुशी है कि हाईकोर्ट ने सरकार से स्वीकृत मूल पद के न्यूनतम वेतनमान के साथ तदर्थ शिक्षकों को अनुमन्य भत्ते भी दिये जाने के निर्देश दिये। सरकार के मौजूदा मानदेय व्यवस्था को अत्यन्त कम धनराशि दिये जाने पर भी हाईकोर्ट ने उचित नही करार दिया है। हाईकोर्ट के फैसले की जानकारी मिलने पर तदर्थ शिक्षकों मे खुशी का माहौल देखा गया।

प्राथमिक विद्यालय भिट्ठी का औचक निरीक्षण

कम उपस्थिति पर जताई नाराजगी, शिक्षामित्र की अनुपस्थिति पर कार्रवाई के निर्देश

जिला संवाददाता

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने विकासखंड हरिहरपुररानी के प्राथमिक विद्यालय भिट्ठी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में पढ़ाई की गुणवत्ता, बच्चों की उपस्थिति, मिड डे मील, साफ-सफाई और जरूरी पंजिकाओं की जांच की। निरीक्षण के दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार और शिक्षामित्र रामकली देवी उपस्थित मिलीं, जबकि शिक्षामित्र राधादेवी कई दिनों से अनुपस्थित पाई गईं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित शिक्षामित्र के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बच्चों की उपस्थिति पंजिका देखी। पंजीकृत बच्चों की संख्या के मुकाबले उपस्थिति कम मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और प्रधान शिक्षक को कड़ी फटकार लगाई। उपस्थिति पंजिका और विफ्स पंजिका में भी बच्चों की संख्या में अंतर मिला। जिलाधिकारी ने भविष्य में ऐसी लापरवाही न करने की चेतावनी देते हुए सभी बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उन्हें रोज समय से स्कूल आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। पढ़ाई की गुणवत्ता जांचने के लिए एक छात्रा से ब्लैकबोर्ड पर जोड़-घटाव के सवाल हल कराए। कक्षा-4 के छात्र अमन ने सवाल सही हल किया, जिस पर जिलाधिकारी ने उसकी पीठ थपथपाकर उत्साह बढ़ाया।

जिलाधिकारी ने बच्चों से मिड डे मील के बारे में भी जानकारी ली। बच्चों ने बताया कि उस दिन सब्जी वाली दाल-चावल बना था। भोजन निर्धारित मीनू के अनुसार पाया गया।

कुछ बच्चे बिना यूनिफार्म के मिले। शिक्षकों ने बताया कि डीबीटी के माध्यम से राशि मिलने में समस्या के कारण यूनिफार्म नहीं हो सकी है। जिलाधिकारी ने बच्चों से पाठ्य पुस्तकों की जानकारी ली, जिस पर सभी बच्चों को किताबें मिलना पाया गया।

विद्यालय में साफ-सफाई अच्छी मिली, लेकिन शौचालय की स्थिति संतोषजनक नहीं थी। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए प्रधान शिक्षक को शौचालय की नियमित और बेहतर सफाई कराने के निर्देश दिए।

इसके अलावा जिलाधिकारी ने स्पोर्ट्स ग्रांट पंजिका, कम्पोजिट ग्रांट पंजिका और विफ्स पंजिका सहित अन्य अभिलेखों का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

श्रावस्ती की बिजली व्यवस्था सुधारने की मांग, मुख्य अभियंता को सौंपा ज्ञापन

गोंडा श्रावस्ती। जनपद में खराब विद्युत व्यवस्था को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं 290 श्रावस्ती विधानसभा क्षेत्र के नेता मसूद आलम खान ने मुख्य अभियंता विद्युत, देवीपाटन मंडल, गोंडा को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बिजली व्यवस्था में जल्द सुधार करने की मांग की। ज्ञापन में लगातार हो रही बिजली कटौती, खराब ट्रांसफार्मरों को समय पर न बदलने, अधिक लोड वाले क्षेत्रों में ट्रांसफार्मरों की क्षमता न बढ़ाने और जर्जर बिजली लाइनों के कारण बार-बार आपूर्ति बाधित होने की समस्या उठाई गई। इसके साथ ही बिजली संबंधी शिकायतों पर कर्मचारियों द्वारा समय से कार्रवाई न किए जाने की बात भी कही गई। मसूद आलम खान ने कहा कि सावन का महीना चल रहा है। इसके बाद 12 रबीउल अव्वल और रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण त्योहार हैं। ऐसे समय में बिजली की खराब व्यवस्था से आम जनता को परेशानी हो रही है। उन्होंने मांग की कि श्रावस्ती की बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए एक विशेष टीम बनाई जाए और नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए। यह टीम बिजली कटौती, ट्रांसफार्मर बदलने, उनकी क्षमता बढ़ाने और जर्जर लाइनों की मरम्मत सहित अन्य समस्याओं की लगातार निगरानी करे। मुख्य अभियंता विद्युत, देवीपाटन मंडल ने ज्ञापन लेते हुए श्रावस्ती की बिजली समस्याओं के समाधान के लिए विशेष टीम गठित करने और नोडल अधिकारी नियुक्त करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि बिजली कटौती, ट्रांसफार्मर बदलने, क्षमता बढ़ाने और जर्जर लाइनों की मरम्मत के मामलों में जल्द कार्रवाई की जाएगी। मसूद आलम खान ने कहा कि श्रावस्ती की जनता को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति दिलाने के लिए वह अधिकारियों से लगातार संवाद करते रहेंगे और जनहित के इस मुद्दे को मजबूती से उठाते रहेंगे।

मिलावटी मिठाइयों पर खाद्य विभाग की छापेमारी, 77 किलो मिठाई सीज

सिद्धार्थनगर। आगामी रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले में विशेष छापामार अभियान चलाया। अभियान के दौरान लोटन बाजार, नौगढ़ से बर्फी तथा डुमरियागंज के खीरा मंडी चौराहा और कोनकटी चौराहा से पेड़ा, बर्फी, मिल्क केक, बालूशाही व बूंदी लड्डू के कुल 8 नमूने संग्रहित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। जांच के दौरान मानक के अनुरूप नहीं पाए जाने पर 77 किलो पेड़ा, बर्फी व मिल्क केक सीज किए गए, जबकि 95 किलो पेड़ा, बर्फी एवं कलाकंद नष्ट कराया गया। खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने और मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री न करने के लिए जागरूक किया गया। सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय आरएल यादव के निर्देशन में चले अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी हीरा लाल, नीरज कुमार चौधरी और रंजन कुमार श्रीवास्तव शामिल रहे। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्ति के तहत 15 दंपतियों का मनमुटाव दूर

सिद्धार्थनगर। जिले की महिला थानाप्रभारी नि0 भाग्यवती पांडेय के नेतृत्व में मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिला थाना सिद्धार्थनगर की काउंसलिंग टीम ने पारिवारिक विवादों से जुड़े 15 मामलों में दोनों पक्षों की काउंसलिंग कर आपसी मनमुटाव दूर कराया। समझाइश के बाद सभी 15 दंपतियों ने मतभेद समाप्त कर साथ रहने पर सहमति जताई, जिसके बाद उन्हें हंसी-खुशी एक साथ विदा किया गया। यह कार्रवाई महिला थाना प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय के नेतृत्व में की गई। पुलिस की इस पहल का उद्देश्य परिवारों को टूटने से बचाने के साथ महिलाओं को सुरक्षित एवं सम्मानजनक पारिवारिक माहौल उपलब्ध कराना है।

नाबालिग से दुष्कर्म के वांछित आरोपी गिरफ्तार

खेसरहा, सिद्धार्थनगर। जिले के सीओ सर्किल बांसी के क्षेत्राधिकारी शुबेंदु सिंह के कुशल पर्यवेक्षण में क्रियाशील थानाध्यक्ष अनूप मिश्रा के नेतृत्व में खेसरहा थाना पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी विष्णु पुत्र जगदीश, निवासी भलुआ खदरगड्डी को 24 अगस्त को टैक्सी स्टैंड खेसरहा के पास से गिरफ्तार किया। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक मुन्नीलाल व कांस्टेबल विशाल सिंह शामिल रहे।

स्वच्छता दूतों का राखी बांधकर किया सम्मान

इकौना, श्रावस्ती। नगर पंचायत इकौना के स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में मंगलवार, 25 अगस्त को बंधन स्वच्छता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम नगर निकाय की कोर टीम की ओर से किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को गंदगी से होने वाली बीमारियों और स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। विद्यालय की छात्राओं आराध्या वर्मा, तेजस्वी सिंह और गरिमा कसौधन ने सफाई कर्मी अनिकेत कश्यप, रामकिशन और दीपू सहित अन्य सफाई कर्मियों को राखी बांधकर सम्मान जताया। प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश मिश्रा ने कहा कि सफाई कर्मी रोजाना सफाई कर लोगों को बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके प्रयासों से समाज को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिलता है। रवेन्द्र कुमार, उपजिलाधिकारी एवं प्रभारी अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत इकौना ने नागरिकों से कूड़े को अलग-अलग डिब्बों में डालने की अपील की। उन्होंने बताया कि गीले कचरे के लिए हरा, सूखे कचरे के लिए नीला, सैनिटरी कचरे के लिए लाल और विशेष अपशिष्ट के लिए काला डिब्बा इस्तेमाल किया जाना चाहिए। जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में अध्यापक प्रवीण सिंह, राजन शर्मा, निकाय की कोर टीम से धर्मेंद्र यादव, संदीप जायसवाल, नवीन कुमार और मो. इशराक सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

श्रावस्ती पुलिस ने 60 गुमशुदा मोबाइल किये बरामद

15.60 लाख की कीमत के फोन मालिकों को लौटाये

जिला संवाददाता

श्रावस्ती। जनपद पुलिस की सर्विलांस सेल ने तकनीकी संसाधनों का प्रभावी इस्तेमाल करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। अभियान के तहत विभिन्न थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों से जुड़े 60 मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 15 लाख 60 हजार रुपये है। बरामद मोबाइल फोन 25 अगस्त को पुलिस कार्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उनके संबंधित स्वामियों को विधिवत सुपुर्द किए गए। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक चन्द्रकेश सिंह के नेतृत्व तथा क्षेत्राधिकारी क्राइम भरत पासवान के पर्यवेक्षण में सर्विलांस सेल ने कार्रवाई की। टीम ने मोबाइल के ईएमआई नंबर, लोकेशन एवं नेटवर्क डेटा का तकनीकी विश्लेषण करते हुए गुमशुदा मोबाइलों की तलाश की। मोबाइल वापस मिलने पर संबंधित लोगों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी संजय सिंह ने कहा कि जनपद पुलिस आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान को प्राथमिकता दे रही है। सर्विलांस सेल द्वारा गुमशुदा मोबाइल की बरामदगी के साथ साइबर अपराध नियंत्रण और अपराधियों की लोकेशन ट्रैकिंग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों से नागरिकों की खोई संपत्ति वापस मिलने के साथ पुलिस और जनता के बीच विश्वास एवं सहयोग भी मजबूत होता है। क्षेत्राधिकारी ने सर्विलांस सेल तथा जनपद के सभी थानों पर सीईआइआर पोर्टल पर नियुक्त अधिकारी-कर्मचारियों के कार्य की सराहना की। बरामदगी करने वाली टीम में उ0नि0 शादाब आलम, प्रभारी सर्विलांस सेल, का0 अभिषेक कुमार सिंह, का0 सूरज कुमार, का0 चरन सिंह, का0 हिमांशू मणि त्रिपाठी, का0 सरोज कुमार तथा जनपद के समस्त थानों पर सीईआइआर पोर्टल पर नियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।

एसएसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

सिद्धार्थनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने मंगलवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान 11 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें दो भूमि विवाद, तीन पारिवारिक विवाद और छह अन्य मामलों से संबंधित रहे। एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।

झमाझम बारिश से किसान मगन, व्यवस्था चरमरायी

प्रतापगढ़। सोमवार की आधी रात से शुरू हुई झमाझम बारिश के चलते मंगलवार को सार्वजनिक संस्थानों में कामकाज प्रभावित हुआ दिखा। तहसील में बारिश का पानी तेज जमाव लिए हुए दिखा। मंगलवार को दिन में भी सुबह से शाम तक बारिश का सिलसिला रूक रूक कर जारी दिखा। तहसील परिसर में जलभराव के कारण लोगों को अदालतों तक पहुंचने में मशक्कत में देखा गया। समस्या को लेकर परेशान वकीलों ने न्यायिक कामकाज से विरत रहने का प्रस्ताव सौंपा। वहीं नगर पंचायत के नेताजीपुरम में भी कई स्थानों पर जलभराव से लोग परेशान दिखे। कोतवाली परिसर में भी जलजमाव की स्थिति फरियादियों के लिए तकलीफदेह देखी गयी। सीएचसी परिसर में भी बारिश का पानी मरीजों के साथ आये तीमारदारों के लिए भी परेशानी लिए हुए देखा गया। बारिश के बीच बाबा घुइसरनाथ धाम के दर्शनार्थियों व जल चढ़ाने निकले भक्तों को भी कई जगह रूकने की विवशता देखी गयी। हालांकि बारिश पर भगवान के भक्तों की आस्था भारी पड़ी दिखी। श्रावण मास के साथ मंगलवार के परम्परागत मेले को लेकर धाम में शिवभक्तों का जमावड़ा दिन भर बना रहा। वहीं सई नदी का जलस्तर भी अब और बढ़ने लगा है। धान की फसल को लेकर बारिश के चलते किसान जरूर प्रसन्न देखे गये। सार्वजनिक संस्थानों में कई जगह सोख्ता टैंक का निर्माण भी जारी है। इसके बावजूद इन संस्थानों में जलभराव एक बड़ी समस्या बनी हुई है।

सत्य तथा कर्म साधना के संदेश को मजबूती अजगरा महान का ध्येय

प्रतापगढ़। अजगरा महान संवाद 2026 को लेकर दूसरे दिन नगर पंचायत कार्यालय सभागार में हुई प्रतियोगिता में सत्य तथा साधना व धर्म पर प्रतिभागियों ने मंथन किया। डीएम अभिषेक पाण्डेय के निर्देशन में हुए मंथन में विचार रखते हुए प्रतिभागियो ने निश्छल सत्य तथा कर्म की साधना को जीवन के लिए महत्वपूर्ण बताया। पूर्व प्रधानाचार्य डॉ0 शक्तिधरनाथ पाण्डेय ने यक्ष प्रश्नों को आज के संदर्भ में नीति और नैतिकता के रूप में परिभाषित किया। प्रतिभागी प्रांजल शुक्ला, अनिल महेश, दीपू पासी, अनूप दुबे, संतोष पाण्डेय, सिद्धार्थ यादव, शुभांशु शुक्ला ने आपसी संवाद के जरिए नैतिक जीवन के बिंदुओं पर प्रकाश डाला। चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। संयोजन अधिशाषी अधिकारी इन्द्र प्रताप ने किया। निर्णायक मण्डल के राकेश त्रिपाठी, वंदना मिश्रा, शशिबाला, रोशन सिंह, कंचन सिंह, पूनम ने प्रतिभागियों के विचार पर आधारित प्रश्नों के साथ मंथन को आगे बढ़ाया। इस मौके पर अनिकेत दुबे, अरविंद मिश्र, चंदन पाण्डेय, विकास तिवारी, रोहित मिश्र, अरविंद तिवारी, कौशिल्या श्रीवास्तव, अखिलेश सिंह, रवि मिश्र, सागर पाण्डेय, विनीत मिश्र आदि रहे।

भक्ति संगीत पर मगन हुए श्रद्धालु, भण्डारे में ग्रहण किया प्रसाद

प्रतापगढ़। रानीगंज कैथौला क्षेत्र के वनपुकार बरीबोझ गांव में मंगलवार को रामेश्वरम धाम मंदिर के जीणोर्धार को लेकर हुए धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। संस्कृत विद्वान आचार्य योगेश जी महराज, आचार्य धीरेन्द्रपाल तिवारी एवं साध्वी इन्द्राणी नंद गिरि के मंत्रोच्चारण के मध्य भगवान शिव के सामूहिक रूद्राभिषेक एवं हवन पूजन में श्रद्धालुओं ने देवाधिदेव महादेव का विधिविधान से पूजन किया। वहीं धार्मिक आयोजन को लेकर भक्ति संगीत में गौरा पार्वती की महिमा का गुणगान सुन भक्त मंत्रमुग्ध हो उठे। श्रद्धालुओं ने यहां आयोजित भण्डारे में भी देर शाम तक प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के संयोजक जगतपाल तिवारी व पूर्व प्रधान रामचंद्र तिवारी एवं समाजसेवी पप्पू तिवारी ने आयोजन में शामिल हुए विद्वानों को अंगवस्त्रम तथा माल्यार्पण कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता दीपेन्द्र तिवारी ने किया।

दो बाल अपचारी न्यायालय भेजे गये

जोगिया बांसी सिद्धार्थनगर। जिले के जोगिया उदयपुर थानाध्यक्ष अभय सिंह के नेतृत्व में थाना जोगिया उदयपुर पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में वांछित दो बाल अपचारियों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूरी करते हुए माननीय न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष अभय सिंह के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई को पुलिस की तत्परता और संवेदनशील मामलों में प्रभावी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ. अभिषेक महाजन के आदेश तथा अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार और क्षेत्राधिकारी बांसी सुबेंदू सिंह के कुशल निर्देशन में थाना जोगिया उदयपुर पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 129/2026, धारा 65(1) बीएनएस, 3/4 पॉक्सो एक्ट एवं 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट से संबंधित मामले में वांछित दोनों बाल अपचारियों को पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के खेतवल पुल के पास से पुलिस अभिरक्षा में लिया। इसके बाद नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर दोनों को माननीय न्यायालय भेजा गया। संवेदनशील प्रकरण में थानाध्यक्ष अभय सिंह द्वारा टीम का नेतृत्व करते हुए त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों को विधिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय तक पहुंचाया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से यह संदेश भी गया है कि नाबालिगों से संबंधित गंभीर अपराधों में जोगिया उदयपुर पुलिस कानून के तहत प्रभावी और समयबद्ध कार्रवाई के लिए तत्पर है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम थानाध्यक्ष अभय सिंह, थाना जोगिया उदयपुर, जनपद सिद्धार्थनगर। आरक्षी सुधांशु सिंह, थाना जोगिया उदयपुर।

84 नवनियुक्त प्राविधिक सहायकों को वितरित किए गए नियुक्ति पत्र

सिद्धार्थनगर, । उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कृषि विभाग में प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी के पद पर चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण अम्बेडकर सभागार में किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ से नियुक्ति पत्र वितरित किए जाने का कार्यक्रम जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की मौजूदगी में देखा गया। जनपद सिद्धार्थनगर में 84 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या ने कहा कि नवनियुक्त कर्मचारी जनपद को आकांक्षी से अग्रणी जनपद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने काला नमक चावल और मखाना की खेती को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने नवनियुक्त प्राविधिक सहायकों को बधाई देते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। सभी अधिकारी-कर्मचारी टीम भावना के साथ कार्य करते हुए किसानों और जनपद के विकास में योगदान दें। इस अवसर पर सांसद डुमरियागंज के प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला, कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष भाजपा, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उपकृषि निदेशक राजेश कुमार ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

लखनऊ विकास प्राधिकरण
(ISO 14001 : 2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)
प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.) पीबीएक्स : 1800 1800 5000, वेबसाइट–www.ldalucknow.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है प्राधिकरण की आवासीय/व्यावसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/नामांकरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया है :–

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड/भवन संख्या	योजना का नाम	मृत्यु का दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी (मृतक) से सम्बन्ध
1	स्व0चन्द्रावती	Plot No. 9/394 Sector-9	जानकीपुरम एक्सटेंशन	24.12.2013	श्री वृन्दा प्रसाद तिवारी -पति	मा0न्यायालय सिविल जज (सी0डी0) मलिहाबाद लखनऊ द्वारा वाद संख्या-256/22 में दिनांक 03.04.2026 के क्रम में।	पति
2	श्री राम सुमिरन सिंह	व्यवसायिक भूखण्ड सं0-सी0पी0-03ए	विराम खण्ड, गोमती नगर योजना	04.08.2021	1. श्रीमती निशा सिंह पत्नी स्व0राम सुमिरन सिंह (वसीयतनामा के आधार पर)	1. श्रीमती निशा सिंह पत्नी स्व0 राम सुमिरन सिंह (वसीयतनामा के आधार पर)	पत्नी
3	मो0 अमीन खॉन	दुकान सं0-एस0-91 सेक्टर-बी	कानपुर रोड योजना	06.09.2012	श्रीमती हकीमुन निशा, डॉ0 सरवर अहमद खॉन, कौसर अहमद खॉन, मो0 अहमद खॉन, जमाल अहमद खॉन, इकबाल अहमद खॉन, डा0 मुबारकुन निशा, आयशा परवीन खातून, रेहाना हाशिमी	श्रीमती हकीमुन निशा डा0 सरवर अहमद खॉन, कौसर अहमद खॉन, जमाल अहमद खॉन, इकबाल अहमद खॉन, डा0 मुबारकुन निशा, आयशा परवीन खातून, रेहाना हाशिमी	पत्नी पुत्र एवं पुत्रीगण
4	श्री गोपाल शरण शर्मा एवं श्रीमती इन्द्रा शर्मा	भवन / भूखण्ड सं0-डी-8/320	सेक्टर-8, जानकी पुरम विस्तार योजना	12.01.2012 एवं 06.03.2020	श्री यतेन्द्र शरण शर्मा एवं श्री अंकुश शर्मा	वारिसान	पुत्र पुत्र
5	स्व0 आयेशा अली	भवन संख्या-ई-2/288	विनय खण्ड, गोमती नगर योजना	12.07.2021	श्री आमिर अली	--	भाई

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम–6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।
सचिव

युवक की मौत

सरहरी, गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के मानीराम रेलवे स्टेशन पर सोमवार की शाम ट्रेन पर चढ़ते समय गाड़ी की चपेट में आ जाने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गयी। स्टेशन मास्टर के मेमो पर पहुंची जी आर पी पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पी यम के लिये भेज दिया मृतक की माँ किसलवती पत्नी सुरेन्द्र निषाद निवासी ग्राम सभा परमेश्वरपुर टोला भण्डारो ने जी आर पी थाने में लिखित तहरीर देकर बताया कि मेरा इकलौता बेटा करन काम के सिलसिले में नकहा रेलवे स्टेशन से डेमू (22921) न० की ट्रेन से काम के सिलसिले में नौतनवा जा रहा था।

सूचना

मेरे पुत्र सौरभ मिश्रा का अपनी पत्नी सुभद्रा शुक्ला पुत्री हरि सेवक शुक्ला नि.-E-230, Sec.-c एलडीए कॉलोनी से विवाद चल रहा है। वर्तमान में मेरा पुत्र मेरे साथ नहीं रहता। भविष्य में सौरभ मिश्रा एवं उसकी पत्नी सुभद्रा शुक्ला द्वारा किये गये किसी भी विवाद व लेन-देन से मेरा व मेरे परिवार के अन्य किसी भी सदस्य का कोई सरोकार नहीं होगा।
सुरेन्द्र प्रताप मिश्रा पुत्र माता प्रसाद मिश्रा नि.-आलमबाग, लखनऊ।

NOTICE

I Vaibhav Krishna S/o Late D.V. Singh R/o 3/922, MIG Yojna 3, Avas Vikas Colony, Jhunsi, Allahabad I have lost receipt no. 2051405 of Rs. 23936 receipt no. 1730800 of Rs. 11000 receipt no. 1732982 of Rs. 1,63,134/- and receipt no. 1730802 of Rs. 1,28,852/- at lucknow all issued by Omaxe Garv Builtech Pvt. Ltd. in reference to unit no. OMCL/G/P8/178 having client ID no. OMCL/888 is misplaced somewhere any person who finds it please return it to Omaxe Ltd at - Omaxe Ltd Cyber Tower 2nd floor tc-34/v2,vibhuti khand, gomti nagar lucknow or call no 9935092305.

कार्यालय ग्राम पंचायत कसावल विकास खण्ड रमियाबेहड़, जिला खीरी

पत्रांकः मेमो/निविदा सूचना प्रकाशन/ वित्तीय वर्ष 2026-27 **दिनांक 25.08.2026**

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

अन्त्येष्टि स्थल विकास योजनान्तर्गत अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय मे वित्तीय वर्ष 2026-27 में निम्न निर्माण कार्यों हेतु पी.डब्लूडी. की दरों पर कार्य स्थल पर सामग्री उपलब्ध कराने हेतु पंजीकृत स्थानीय एवं प्रतिष्ठित फर्मो के स्थाई फर्म जिनका आयकर वाणिज्यकर विभाग से पंजीकृत हो से मोहर बन्द निविदा दिनांक 26.08.2026 से 01.09.2026 को अपरान्ह 02 बजे तक आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में दिनांक 01.09.2026 को 04 बजे खोली जाएगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	सामग्री
1	ग्राम पंचायत कसावल में अन्त्येष्टि स्थल निर्माण कार्य।	ईंट प्रथम श्रेणी, सीमेन्ट, मौरंग, गिट्टी 20 एम.एम. स्टोन बलास्ट, पत्थर 40 एम एम. एम.एस. आयरन, स्ट्रस्चल स्टील, इण्टरलाकिंग टाइल्स, जी.एस. शीट, सरिया आदि।

नियम व शर्तेः-

1. निविदा फर्म उससे सम्बंधित निर्देश ग्राम पंचायत कसावल के कार्यालय में दिनांक 26.08.2026 से 01.09.2026 तक रू मूल्य 200 नगद जमा करके अपरान्ह 02 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है।
2. निविदा प्राप्त कर ग्राम पंचायत कसावल के कार्यालय में मोहरबंद लिफाफे को निविदा प्राप्त दिनांक 26.08.2026 से 01.09.2026 को समय 02 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय में टेण्डर बाक्स में सीलबंद टेण्डर डाले जाएंगे तथा डाक द्वारा भी प्रेषित किये जा सकते है। निर्धारित तिथि व समय के बाद निविदा स्वीकार नही की जाएगी।
3. प्राप्त टेण्डर को ग्राम पंचायत कसावल के द्वारा गठित समिति के समक्ष दिनांक 01.09.2026 को समय 04 बजे दिन में सार्वजनिक रूप से खोले जायेगे।
4. निविदा स्वीकार होने के उपरान्त निर्धारित दरो में वित्तीय वर्ष 2026-27 में कोई अन्य परिवर्तन मान्य नही होगा।
5. ग्राम पंचायत द्वारा आवस्यकतानुसार सामग्री की मांग करने पर तत्काल सामग्री कार्य स्थल पर उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।
6. निविदा मानक के अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराना तथा मार्काब्राण्ड भी उल्लखित कराना होगा। सामग्री मानक के अनुसार आपूर्ति न होने पर अथवा कमी पाये पर बिना नोटिस के निविदा निरस्त कर दी जायेगी।
7. किसी एक निविदा को स्वीकार अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान/ग्राम विकास अधिकारी में निहित होगा।
8. किसी वाद विवाद की दशा में जनपद न्यायालय खीरी ही मान्य होगा।

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत कसावल
विकास खण्ड लखीमपुर खीरी

सचिव
ग्राम पंचायत कसावल
विकास खण्ड लखीमपुर खीरी

कार्यालय ग्राम पंचायत बाजपेई विकास खण्ड लखीमपुर, जिला खीरी

पत्रांकः मेमो/निविदा सूचना प्रकाशन/वित्तीय वर्ष 2026-27 **दिनांक 25.08.2026**

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

अन्त्येष्टि स्थल विकास योजनान्तर्गत अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय मे वित्तीय वर्ष 2026-27 में निम्न निर्माण कार्यों हेतु पी.डब्लूडी. की दरों पर कार्य स्थल पर सामग्री उपलब्ध कराने हेतु पंजीकृत स्थानीय एवं प्रतिष्ठित फर्मो के स्थाई फर्म जिनका आयकर वाणिज्यकर विभाग से पंजीकृत हो से मोहर बन्द निविदा दिनांक 26.08.2026 से 01.09.2026 को अपरान्ह 02 बजे तक आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में दिनांक 01.09.2026 को 04 बजे खोली जाएगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	सामग्री
1	ग्राम पंचायत बाजपेई में अन्त्येष्टि स्थल निर्माण कार्य।	ईंट प्रथम श्रेणी, सीमेन्ट, मौरंग, गिट्टी 20 एम.एम. स्टोन बलास्ट, पत्थर 40 एम एम. एम.एस. आयरन, स्ट्रस्चल स्टील, इण्टरलाकिंग टाइल्स, जी.एस. शीट सरिया आदि।

नियम व शर्तेः-

1. निविदा फर्म उससे सम्बंधित निर्देश ग्राम पंचायत बाजपेई के कार्यालय में दिनांक 26.08.2026 से 01.09.2026 तक अपरान्ह 02 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है।
2. निविदा प्राप्त कर ग्राम पंचायत बाजपेई के कार्यालय में मोहरबंद लिफाफे को निविदा प्राप्त दिनांक 26.08.2026 से 01.09.2026 को समय 02 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय में टेण्डर बाक्स में सीलबंद टेण्डर डाले जाएंगे तथा डाक द्वारा भी प्रेषित किये जा सकते है। निर्धारित तिथि व समय के बाद निविदा स्वीकार नही की जाएगी।
3. प्राप्त टेण्डर को ग्राम पंचायत बाजपेई के द्वारा गठित समिति के समक्ष दिनांक 01.09.2026 को समय 04 बजे दिन में सार्वजनिक रूप से खोले जायेगे।
4. निविदा स्वीकार होने के उपरान्त निर्धारित दरो में वित्तीय वर्ष 2026-27 में कोई अन्य परिवर्तन मान्य नही होगा।
5. ग्राम पंचायत द्वारा आवस्यकतानुसार सामग्री की मांग करने पर तत्काल सामग्री कार्य स्थल पर उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।
6. निविदा मानक के अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराना तथा मार्काब्राण्ड भी उल्लखित कराना होगा। सामग्री मानक के अनुसार आपूर्ति न होने पर अथवा कमी पाये पर बिना नोटिस के निविदा निरस्त कर दी जायेगी।
7. किसी एक निविदा को स्वीकार अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान/ग्राम विकास अधिकारी में निहित होगा।
8. किसी वाद विवाद की दशा में जनपद न्यायालय खीरी ही मान्य होगा।

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत बाजपेई
विकास खण्ड लखीमपुर खीरी

सचिव
ग्राम पंचायत बाजपेई
विकास खण्ड लखीमपुर खीरी

दक्षिणांचल में भी बढ़ रहा रोड कनेक्टिविटी का संजाल

खराब कनेक्टिविटी से कभी गोरखपुर का सबसे उपेक्षित क्षेत्र माना जाता था दक्षिणांचल

घनश्याम कुमार

गोरखपुर। जनपद के जिस दक्षिणांचल को कभी सबसे उपेक्षित क्षेत्र माना जाता था, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से अब वहां भी रोड कनेक्टिविटी का संजाल बढ़ रहा है। वर्तमान समय में दक्षिणांचल में कई महत्वपूर्ण मार्गों पर सड़कों के कायाकल्प का कार्य जारी है। इनमें से तीन सड़क परियोजनाएं दशहरा से पहले पूरी हो जाएंगी। इन तीन परियोजनाओं से करीब 45 किमी मार्ग पर सड़कें टूलेन में चौड़ी और सुदृढ़ हो जाएंगी। इस पर 177 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आ रही है। दक्षिणांचल में मजबूत होती सड़कों की श्रृंखला में 13 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 57 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली धुरियापार,

उरुवा-शाहपुर-बेलघाट मार्ग चौड़ीकरण परियोजना का लोकार्पण कर इस क्षेत्र को बड़ी सौगात दी थी। इसी क्रम में वर्तमान में जिले के दक्षिणी हिस्सों में सड़क निर्माण की जो परियोजनाएं प्रगतिमान हैं, उनमें से लोक निर्माण विभाग, प्रांतीय खंड की तरफ से बनवाई जा रही तीन सड़कें 30 सितंबर तक पूरी हो जाएंगी। प्रांतीय खंड से गोरखपुर-खजनी-सिकरीगंज मार्ग पर 13.075 किलोमीटर लंबाई में सड़क का निर्माण 95 प्रतिशत से अधिक तक पूरा करा लिया है। 60.59 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना अगले माह शत प्रतिशत पूर्ण हो जाएगी। प्रांतीय खंड की तरफ से ही बनवाई जा रही महदेवा-दुधरा-सोपरा मार्ग पर टूलेन सड़क के निर्माण का भी करीब 90 प्रतिशत कार्य कराया जा चुका है। 15.20 किलोमीटर लंबी इस सड़क को बनाने में 35.56 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसी तरह भीटी-बांसगांव-गोला मार्ग पर चैनेज 25.2 से चैनेज 41.33 के मध्य 16.13 किलोमीटर की लंबाई में टूलेन सड़क बनवाई जा रही है। 81.01 करोड़ रुपये की इस सड़क परियोजना पर लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड ने 70 प्रतिशत से अधिक कार्य करा लिया है। कार्यदायी संस्था को इसे 30 सितंबर पूरा कराने को कहा गया है। प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता आरपी सिंह का कहना है कि विभाग का जोर सभी निर्माणाधीन सड़कों को लक्षित समय सीमा के भीतर पूरा कराने पर है।

सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का कार्य युद्ध स्तर पर होने का सबसे अधिक फायदा, बुनियादी ढांचागत सुविधाओं के विकास से दशकों तक पिछड़े रहे दक्षिणांचल को हो रहा है। पहले गड्ढों से भरी सड़कों के कारण इलाज, शिक्षा और व्यापार के लिए शहर जाना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन अब चौड़ी और सुदृढ़ सड़कों ने पूरे इलाके की तस्वीर बदल दी है।

खेलो इंडिया डायलॉग में चै. सुघर सिंह एकेडमी को ए ग्रेड

जसवंतनगर, इटावा। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 27 अगस्त को होने वाले खेलो इंडिया डायलॉग-खेल की बात, प्रधानमंत्री मोदी के साथ कार्यक्रम के लिए इटावा के दो महाविद्यालयों का चयन किया गया है। चै. सुघर सिंह एजुकेशनल एकेडमी ऑटोनोमस कॉलेज, जसवंतनगर को ए ग्रेड और जनता कॉलेज, बकेवर को बी ग्रेड में रखा गया है। ए ग्रेड में चयनित एकेडमी के विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री से सीधे संवाद का अवसर मिलेगा। ए ग्रेड के विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री के समक्ष अपने प्रश्न और विचार रखने का मौका मिलेगा। वहीं बी ग्रेड में चयनित जनता कॉलेज बकेवर के विद्यार्थी प्रधानमंत्री का संबोधन सुनेंगे। कार्यक्रम को लेकर दोनों संस्थानों में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। माय भारत की उपनिदेशक सोनिका चंद्रा ने बताया कि चयनित दोनों महाविद्यालयों में कार्यक्रम को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। संस्था के एमडी अनुज मोंटी यादव ने कहा कि चै. सुघर सिंह एजुकेशनल एकेडमी का ए ग्रेड में चयन संस्थान के लिए गौरव की बात है। प्रधानमंत्री से सीधे संवाद का अवसर विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा। निदेशक डॉ. संदीप पांडेय ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए यह अवसर यादगार और प्रेरणादायक रहेगा। तैयारियों को लेकर हुई बैठक में जनता कॉलेज बकेवर के डॉ. मनोज यादव, प्रबंध समिति से अशांक रनी यादव, मनीष चौधरी, धर्मेंद्र कुमार नितिन आनंद, माई भारत के वॉलेंटियर ऋषभ पाठक आदि मौजूद रहे। सभी ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री आवास के नाम पर 20 हजार रुपये लेने का आरोप, एसडीएम से हुई शिकायत

गोला, गोरखपुर। विकास खंड गोला के ग्राम पंचायत रकौली में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाने के नाम पर लाभार्थियों से कथित रूप से रुपये लिए जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी गोला को प्रार्थना पत्र देकर जांच कराकर धनराशि वापस दिलाने और दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता रामहरि पुत्र समहारू, राजमती पत्नी जवाहर, गुलाबी देवी पत्नी भागीरथी, पुष्पा पत्नी घरभरन, गुड्डी पत्नी हरिद्वार, लक्ष्मण पुत्र गब्बूलाल, सारजहां पत्नी सहाबुद्दीन तथा निशा देवी पत्नी वीरेंद्र ने शिकायत की है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास की सुविधा दिलाने के नाम पर पंचायत मित्र-रोजगार सेवक द्वारा प्रत्येक लाभार्थी से 20 हजार रुपये लिए गए। आरोप है कि रुपये नहीं देने पर आवास की किस्त निरस्त कर दिए जाने की बात कही गई थी। शिकायत में रकौली निवासी स्वर्गीय रामरतन यादव के पुत्र स्वर्ग रामजवल यादव से 20,500 रुपये लिए जाने का भी आरोप लगाया गया है। इसी मामले से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने का दावा भी किया जा रहा है। हालांकि, वॉयस ऑफ लखनऊ वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता है। वीडियो में कथित तौर पर आवास योजना के नाम पर रुपये लिए जाने से संबंधित बातचीत दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। वीडियो की वास्तविकता और उसमें दिखाई दे रहे लोगों की पहचान की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के नाम पर उनसे गलत तरीके से धनराशि ली गई है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई तथा कथित रूप से ली गई धनराशि वापस दिलाने की मांग की है।

प्रभारी निरीक्षक ने लगाई चौपाल

बनवारपार, गोरखपुर। गोला कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक सीपी पांडेय की ओर से मंगलवार को इलाके के पतरा और शिवपुर गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं। इस दौरान ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक जानकारी दी गई। चौपाल में महिलाओं को मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सुरक्षा, अधिकारों और पुलिस सहायता के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही ग्रामीणों को साइबर अपराध से बचाव के उपाय बताए गए।

पुलिसकर्मियों की कलाई पर राखी बांध छात्राओं ने दिया सुरक्षा का संदेश

गोला, गोरखपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर एलपीएम पब्लिक स्कूल, गोला बाजार की सीनियर एवं जूनियर वर्ग की छात्राओं ने क्षेत्र की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। छात्राओं ने कोतवाली पहुंचकर थानाध्यक्ष समेत अन्य पुलिसकर्मियों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा और उनके लंबे एवं सुरक्षित जीवन की कामना की। इस दौरान छात्राओं ने पुलिसकर्मियों को तिलक लगाकर मिठाई खिलाई। छात्राओं द्वारा प्राकृतिक वस्तुओं से तैयार की गई राखियां भी पुलिसकर्मियों को बांधी गईं। खाकी वर्दी में तैनात पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने छात्राओं को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। थानाध्यक्ष सी पी पांडे ने कहा कि जब थाना परिसर में इन छोटी-बड़ी बहनों ने हमारी कलाई पर राखी बांधी तो हमें अपने घर की कमी महसूस नहीं हुई। खाकी का असली फर्ज समाज को सुरक्षित माहौल देना है और यह रक्षासूत्र हमें अपने कर्तव्य की याद दिलाता रहेगा। पुलिसकर्मियों ने छात्राओं के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि समाज की हर बेटी की सुरक्षा, सम्मान और सहायता के प्रति पुलिस के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन सदैव लोगों की सुरक्षा के लिए तत्पर है और किसी को भी स्वयं को अकेला या असुरक्षित महसूस करने की आवश्यकता नहीं है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन निदेशक अमरनाथ वर्मा ने पुलिसकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा में दिन-रात मुस्तैद रहने वाले पुलिसकर्मियों का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों ने अपना कीमती समय निकालकर छात्राओं को स्नेह और सुरक्षा का आश्वासन दिया। ऐसे आयोजन बच्चों को समाज के वास्तविक रक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना सिखाते हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या एकता वर्मा ने भी पुलिस बल के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह पहल बच्चों में सामाजिक कर्तव्यों और सुरक्षा बलों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

संत विवेकानंद स्कूल में राखी बनाओ प्रतियोगिता 300 से अधिक छात्राओं ने दिखायी प्रतिभा

इटावा। संत विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। प्रतियोगिता में प्राइमरी एवं जूनियर वर्ग की 300 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी रचनात्मक और कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। छात्राओं ने विभिन्न रंगों, सजावटी सामग्री और आकर्षक डिजाइनों से सुंदर राखियां तैयार कीं। विद्यालय परिसर में पूरे आयोजन के दौरान उत्साह, उमंग और सृजनात्मक वातावरण बना रहा। शिक्षिकाओं ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी कल्पनाशीलता की सराहना की। प्रधानाचार्य एवं निदेशक डॉ. आनंद ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों की रचनात्मक क्षमता, आत्मविश्वास और कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संस्था के चेयरमैन डॉ. विवेक यादव ने प्रतिभागी छात्राओं के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए आयोजन को सफल बनाने वाले शिक्षकों का आभार जताया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में वरिष्ठ शिक्षिका अर्चना कुलश्रेष्ठ, निधि पांडेय, अर्चना दीक्षित, प्रीति तिवारी, मोनिका यादव एवं प्रिया गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

तीसरी नेशनल कराटे प्रतियोगिता में उन्नाव की प्रतिभाओं ने अच्छा प्रदर्शन किया

नवाबगंज, उन्नाव। तीसरी नेशनल कराटे प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें अंकित कराटे अकेडमी जिले के नवाबगंज ब्लाक से आठ खिलाड़ियों ने भाग लिया। सभी ने शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न आयु और भार वर्गों में नवाबगंज के वार्ड दस गांधीनगर के प्रियांशु पुत्र अजीत कुमार ने गोल्ड मैडल जीता और लक्ष्मी प्रजापति पुत्री दुर्गा प्रसाद निवासी कुंजपुर ने सिल्वर मैडल जीता और वेदांष मिश्रा पुत्र मनीश मिश्रा निवासी दुर्गागंज नवाबगंज ने सिल्वर मैडल जीता और नंदनी पुत्री राकेश कुमार निवासी कुंजपुर ने ब्राउंस मेडल जीता। प्रियंका सिंह निवासी नवाबगंज, ने ब्राउंस मेडल जीता व नैन्सी देवी पुत्री कुलदीप कुमार निवासी नवाबगंज ने ब्राउंस मेडल जीता व सेजल पुत्री श्रवण कुमार निवासी लखनापुर ने ब्राउंस मेडल जीता व आरोही सिंह निवासी जनसार ने ब्राउंस मेडल जीता। इन पांच बच्चों ने ब्राउंस मैडल जीता। सभी ने अपने माता पिता अपने गुरु अंकित कुमार, कोच व जज व अपने गांव जनपद का नाम रोशन किया। सभी बच्चों को कराटे एसोसिएशन आफ उन्नाव के प्रेसिडेंट रवि चौरसिया, सेक्रेटरी क्रीड़ा प्रभारी धर्मेश प्रताप सिंह, नगर पंचायत नवाबगंज अध्यक्ष दिलीप लश्करी, श्याम बाबू कोच, रवि प्रताप सिंह ब्लाक प्रमुख प्र0, उत्तर प्रदेश कराटे जनरल सेक्रेटरी जसपाल सिंह, राजेंद्र, मन्नालाल सभासद दुर्गागंज, आशीष, सुधीर, सभी ने बच्चों को बधाई व शुभकामनाएं दिया।

रक्षाबंधन पर बक्सर घाट में उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

पाटन, उन्नाव। रक्षाबंधन पर्व को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 28 अगस्त को पड़ने वाले रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर बीघापुर तहसील क्षेत्र स्थित मां चंद्रिका देवी धाम के बक्सर घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। उन्नाव समेत आसपास के जनपदों से श्रद्धालु बक्सर घाट में स्नान कर मां चंद्रिका देवी मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं। उपजिलाधिकारी बीघापुर आनन्द कुमार नायक की ओर से जारी कार्यालय पत्र के अनुसार वर्तमान में गंगा नदी का जलस्तर सामान्य नहीं है। ऐसे में पर्व को सकुशल संपन्न कराने तथा घाट पर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में 25 अगस्त को अपराह्न तीन बजे बक्सर स्थित सत्संग भवन में प्रशासनिक बैठक आयोजित की गई है। बैठक में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक सूचनाओं के साथ समय से प्रतिभाग करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक के लिए जिलाधिकारी उन्नाव, क्षेत्राधिकारी बीघापुर, तहसीलदार बीघापुर, खंड विकास अधिकारी सुमेरपुर, प्रभारी चिकित्साधिकारी सुमेरपुर, एसडीओ विद्युत भगवंतनगर, पूर्ति निरीक्षक सुमेरपुर तथा थाना अध्यक्ष बिहार, बारासगवर एवं बीघापुर को सूचना भेजी गई है। प्रशासन का फोकस श्रद्धालुओं की सुरक्षा, घाट पर व्यवस्था और पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर रहेगा।

सर्पदंश से एक व्यक्ति की मौत परिवार में मचा कोहराम

हिलौली। मौरावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत हरदी के मजरा बटुआ में मंगलवार तड़के एक दर्दनाक हादसा सामने आया। सोते समय जहरीले सांप के डसने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बटुआ गांव निवासी रज्जन द्विवेदी मंगलवार की सुबह तकरीबन 3 बजे अपने घर में सो रहा था। इसी दौरान किसी जहरीले सांप ने उसे डस लिया। सुबह अचानक हुई इस घटना से परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों ने आनन-फानन में स्थिति की गंभीरता को समझते हुए पीड़ित को तुरंत लखनऊ के किसी अस्पताल पहुँचाया। लेकिन, डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। रज्जन अपने पीछे पत्नी शन्नो देवी, बड़ा बेटा सत्यम, छोटा बेटा उत्तम व इकलौती बेटी दिव्या और बहु का रो रो कर बुरा हाल है।

प्रसव के बाद महिला की मौत, -परिजनों ने किया हंगामा

इटावा। मेहरा चुंगी स्थित शीतला देवी नर्सिंग होम में प्रसव के लिए भर्ती 30 साल की महिला की ऑपरेशन के बाद मंगलवार सुबह मौत हो गई। महिला की मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। महिला ने ऑपरेशन के बाद एक बेटे और एक बेटी को जन्म दिया था। घटना के बाद नर्सिंग होम का स्टाफ मौके से फरार हो गया। भरथना थाना क्षेत्र के ककराई गांव निवासी जितेंद्र की पत्नी शालू को सोमवार को प्रसव पीड़ा होने पर नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। परिजनों के अनुसार, शालू की गर्भावस्था करीब सात माह 15 दिन की थी। डॉक्टरों ने ऑपरेशन किया, जिसके बाद उसने एक बेटे और एक बेटी को जन्म दिया। दोनों बच्चे समय से पहले पैदा हुए हैं। परिजनों का आरोप है कि हंगामा बढ़ने के बाद नर्सिंग होम का स्टाफ अस्पताल बंद कर मौके से चला गया। उन्होंने नर्सिंग होम के संचालन पर भी सवाल उठाए। परिजनों का दावा है कि नर्सिंग होम का बिना नवीनीकरण के संचालन किया जा रहा था। उन्होंने पूरे मामले की जांच कराने और डॉक्टर व नर्सिंग होम प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

डीएम ने विद्यालयों का निरीक्षण किया

इटावा। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों के निरीक्षण एवं समीक्षा के संबंध में बैठक विकास भवन स्थित प्रेरणा सभागार में आयोजित की गई। बैठक में समस्त खंड शिक्षा अधिकारी एवं समस्त एडीओ पंचायत उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी परिषदीय विद्यालयों का निरीक्षण कर निर्धारित गूगल शीट पर निरीक्षण संबंधी सूचनाएं अनिवार्य रूप से अंकित कर 1 सितंबर तक उपलब्ध कराएं। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में बालक-बालिका शौचालय, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत कनेक्शन एवं उपकरण, विद्यालय तक पहुंच मार्ग, जलभराव, बाउंड्रीवाल, मध्याह्न भोजन सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का सत्यापन किया जाए। जिलाधिकारी ने विद्यालयों में साफ-सफाई एवं जलभराव की समस्या का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराने के निर्देश दिए।

मुकुल यादव को मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

सैफई, इटावा। समाजवादी पार्टी के विधान परिषद सदस्य मुकुल यादव को उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विधायी विशेषाधिकार समिति का सभापति बनाया गया है। महत्वपूर्ण समिति की जिम्मेदारी मिलने से विधान परिषद में उनकी भूमिका और बढ़ गई है। इटावा के हैंवरा निवासी मुकुल यादव वर्तमान में समाजवादी पार्टी में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और इटावा-मैनपुरी से जुड़े समस्यात्मक मुद्दों को भी समय-समय पर विधान परिषद में उठाते रहे हैं। मुकुल यादव का राजनीतिक जुड़ाव मैनपुरी की करहल विधानसभा क्षेत्र से रहा है। उनके पिता सोबरन सिंह यादव करहल विधानसभा क्षेत्र से लगातार चार बार विधायक चुने गए। वहीं उनके ताऊ स्वर्गीय बाबू दर्शन सिंह यादव राज्यसभा सदस्य रहे। राजनीतिक रूप से मजबूत पृष्ठभूमि वाले परिवार से आने वाले मुकुल यादव ने समाजवादी पार्टी में अपनी राजनीतिक सक्रियता को आगे बढ़ाया। मुकुल यादव सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की युवा टीम में भी सक्रिय हैं। वर्तमान में विधान परिषद सदस्य के रूप में वह पार्टी की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। विधान परिषद में क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को उठाने के साथ ही वह जनसमस्याओं को सदन तक पहुंचाते रहे हैं। अब उन्हें विधान परिषद की महत्वपूर्ण समिति की अध्यक्षता की जिम्मेदारी मिली है। विधान परिषद की विधायी विशेषाधिकार समिति सदस्यों के विशेषाधिकार से जुड़े मामलों पर विचार करती है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्याः NER-LJN-2026-234 & 235

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु आनलाईन 'खुली' ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत है:-
क्रम सं.-01, ई-निविदा संख्याः NER-LJN-2026-234, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडलः-मनकापुर में 20 बेड वाले RPF बैरक का निर्माण कार्य। अनुमानित लागत (₹): ₹ 81,95,057.89, अग्रिम धन(₹): ₹ 1,63,900/-, समापन अवधिः 12 माह।
क्रम सं.-02, ई-निविदा संख्याः NER-LJN-2026-235, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडलः-गोरखपुर-गोण्डा सेक्शन के मध्य लेवल क्रॉसिंग को B-2 क्लास में अपग्रेड करना (10 संख्या)। अनुमानित लागत (₹): ₹ 5,62,09,756.33, अग्रिम धन (₹): ₹ 11,24,200/-, समापन अवधिः 12 माह।
नोटः- **(1)** उपरोक्त ई-निविदा संख्या NER-LJN-2026-234-235 के लिये ई-निविदा दिनांक 15-09-2026 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। **(2)** उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।
मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग, लखनऊ
मुजाधि/डब्लू-301
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पुत्रदा एकादशी पर आध्यात्मिक आस्था का अद्भुत संगम

उन्नाव। पुत्रदा एकादशी के पावन अवसर पर आस्था, भक्ति और संत सान्निध्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। ब्रह्म सावित्री पीठाधीश्वर परम पूजनीय संत तुलछाराम महाराज का 46वां चतुर्मास कार्यक्रम चल रहा है। इसी क्रम में डॉ. सुरेश चव्हाणके अपने परिवार के साथ पहुंचे और संत श्री तुलछाराम जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। 26 सितंबर तक चलने वाले चतुर्मास कार्यक्रम में प्रतिदिन धर्म प्रवचन, आध्यात्मिक सत्संग, तप-साधना, यज्ञ एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. सुरेश चव्हाणके एवं उनके परिवार का राजस्थानी परंपरा के अनुरूप साफा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। वहीं राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. राजकुमार राजपुरोहित का भी राजपुरोहित समाज की ओर से साफा पहनाकर स्वागत किया गया। संत सान्निध्य और समाज के आत्मीय मिलन से चतुर्मास स्थल का वातावरण श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह से सराबोर नजर आया। इस दौरान कान सिंह जी गुरडाई ने अतिथियों को गुरुमहाराज की कुटिया, भोजनशाला, सभा भवन सहित विभिन्न तपोआश्रमों का अवलोकन कराया तथा चतुर्मास के दौरान संचालित धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत भण्डार मण्डल-लखनऊ

ई-निविदा सूचना वि.आ.सं.टी-2233, दिनांकः 22.08.2026

ई-निविदा सं. एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

1. ESCL/05/2026-27:-विद्युत भंडार खण्ड अयोध्या क्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न क्षमता अलाभकारी वितरण परिवर्तकों की स्ट्रिपिंग का कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु. 1180.00, धरोहर राशि-रु. 5660.00
2. ESCL/06/2026-27:-विद्युत भंडार खण्ड लेसा क्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न क्षमता अलाभकारी वितरण परिवर्तकों की स्ट्रिपिंग का कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु. 1180.00, धरोहर राशि-रु. 6410.00
3. ESCL/07/2026-27:-म.वि.वि.नि.लि. के अन्तर्गत भण्डार केन्द्रों/विद्युत उपकेन्द्रों के मध्य पावर परिवर्तक की ढुलाई/स्थापित करने का कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु. 3540.00, धरोहर राशि-रु. 78000.00

ई-निविदा की अंतिम तिथिः 15 सितम्बर, 2026, 14:00 बजे
विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट https//etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएं वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगी।

संक्षेप

चीनी विक्रेताओं के यहां हुई स्टॉक की जांच

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। वीओएल। चीनी के भंडारण और निर्धारित स्टॉक सीमा के अनुपालन को लेकर मंगलवार को नगर क्षेत्र के प्रमुख चीनी विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर संयुक्त टीम ने जांच की। क्षेत्रीय विपणन अधिकारी, विपणन निरीक्षक, सचिव मंडी समिति और पूर्ति निरीक्षक की टीम ने दुकानों पर पहुंचकर अभिलेखों में दर्ज स्टॉक का मौके पर उपलब्ध चीनी से मिलान किया। टीम ने अलीगंज रोड स्थित श्री खाटू श्याम जी ट्रेडर्स समेत श्री बजरंग स्टोर, बाबा ट्रेडर्स, प्रकाश एंड संस, वरुण स्टोर्स और धानुका ब्रदर्स के यहां स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया। अधिकारियों ने उपलब्ध चीनी की मात्रा के साथ संबंधित अभिलेखों की भी जांच की। जांच के दौरान सभी प्रतिष्ठानों पर चीनी का स्टॉक निर्धारित 4000 क्विंटल की सीमा के भीतर पाया गया। किसी भी विक्रेता के यहां निर्धारित सीमा से अधिक भंडारण नहीं मिला। इस पर टीम ने संतोष जताते हुए विक्रेताओं को स्टॉक संबंधी अभिलेख दुरुस्त रखने और निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश दिए।

पुलिस ने बरामद किये 8 मोबाइल, स्वामियों को सौंपे

पलियाकलां खीरी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खीरी, श्रीमती ख्याति गर्ग द्वारा, खोए हुए मोबाइल फोनों की बरामदगी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) के सन्निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी पलिया के कुशल मार्गदर्शन तथा प्रभारी निरीक्षक पलिया शिवा जी दूबे के नेतृत्व में थाना पलिया पुलिस टीम द्वारा विभिन्न स्थानों से खोए हुए 08 अदद मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी माध्यमों एवं अथक प्रयासों से बरामद किए गए मोबाइल फोनों को उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किया गया। मोबाइल फोन वापस मिलने पर फोन स्वामियों द्वारा खीरी/पलिया पुलिस का आभार व्यक्त किया गया तथा इस कार्य से आमजनमानस में पुलिस के प्रति विश्वास एवं सुरक्षा की भावना और अधिक मजबूत हुई है। बरामदगी का विवरण :1. ओम प्रकाश सोनी पुत्र रामभरोसे लाल सोनी निवासी छोटी पलिया थाना पलिया जनपद खीरीमोबाइल मॉडल -. पिंकू पाल पुत्र सरजू प्रसाद निवासी मोहल्ला काकूपुरियान कस्बा व थाना पलिया जनपद खीरी नीरज यादव पुत्र रामशंकर यादव निवासी मोहल्ला सुभाषनगर कस्बा व थाना पलिया जनपद खीरी, रजनीश कुमार पुत्र हरिशचन्द्र निवासी ग्राम बिजौरिया थाना पलिया जनपद खीरी मनोज कुमार पुत्र रामप्रवेश निवासी ग्राम निषादनगर घोला थाना सम्पूर्णानगर जनपद खीरी. राजेश कुमार पुत्र शंकर लाल निवासी ग्राम श्रीनगर थाना पलिया जनपद खीरी रोहित कुमार पुत्र रामस्वरूप निवासी ग्राम बनघुसरी थाना मझगई जनपद खीरी. सुधीर गुप्ता पुत्र परमेश्वर दयाल गुप्ता निवासी मोहल्ला बाजार-1 कस्बा व थाना पलिया जनपद खीरी ।कोतवाली पलिया।

विधायक ने कायाकल्प के बाद किया उच्च प्राथमिक विद्यालय का उद्घाटन

लखीमपुर खीरी। विकास खण्ड लखीमपुर कि ग्राम पंचायत पिपरा करमचंद के उच्च प्राथमिक विद्यालय में कायाकल्प कराया गया जिसका उद्घाटन सदर विधायक योगेश वर्मा व ब्लॉक प्रमुख दिव्या सिंह द्वारा किया गया। सदर विधायक ने उद्घाटन के बाद उच्च प्राथमिक विद्यालय में कराए गए कायाकल्प कि प्रशंसा करते हुए कहा कि खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार के प्रयासों से लखीमपुर ब्लॉक में भी विकास कार्यों में तेजी आई है, और जब से सदर ब्लॉक का कार्य भार संभाला है तब से कई ऐसे कार्य कराए है जो बहुत दिनों से नहीं हो पा रहे थे। इसके बाद पस में ही स्थित अमृत सरोवर में वृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें समूह की महिलाएं व आंगनबाड़ी कि महिलाएं तथा स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा वृक्षारोपण का कार्य किया गया। इसके बाद प्राथमिक विद्यालय में ओपन जिम वॉलीबॉल बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण तथा प्रांगण में हो रहे जल भराव से इंटरलॉकिंग का कार्य भी कराया गया जिसकी भी विधायक ने प्रशंसा की।

दादी प्रकाशमणि के विचारों से विश्व बंधुत्व की राह पर चलने का लिया संकल्प

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। वीओएल। समाज में प्रेम, शांति और आपसी सद्भाव की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से मंगलवार को मोहल्ला मुन्नूगंज स्थित राजयोग केंद्र में विश्व बंधुत्व दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने कहा कि दादी प्रकाशमणि जी का जीवन सेवा, त्याग, आध्यात्मिक चेतना और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। उनके विचार आज भी समाज को प्रेम और भाईचारे की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि दादी प्रकाशमणि जी ने आध्यात्मिक चेतना के माध्यम से लोगों को सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा दी। उनका जीवन मानवता की सेवा और समाज में शांति स्थापित करने के लिए समर्पित रहा। आज आवश्यकता है कि उनके बताए आदर्शों को केवल स्मरण करने के बजाय अपने व्यवहार में भी उतारा जाए। विशिष्ट अतिथि सुर्जनलाल वर्मा ने कहा कि विश्व बंधुत्व का वास्तविक अर्थ एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सम्मान और सहयोग की भावना रखना है। समाज में जब व्यक्ति अपने छोटे-छोटे मतभेदों से ऊपर उठकर मानवता को महत्व देगा, तभी स्थायी शांति और सद्भाव का वातावरण बन सकेगा। वक्ता दीपक ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती नकारात्मकता और तनाव के बीच आध्यात्मिक चिंतन व्यक्ति को मानसिक शांति और आत्मिक शक्ति प्रदान करता है। दादी प्रकाशमणि जी ने अपने जीवन से लोगों को संयम, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। बीके अंजलि ने दादी प्रकाशमणि जी की

आध्यात्मिक सेवाओं और उनके जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने प्रेम, करुणा और सेवा को मानव जीवन का आधार माना। कार्यक्रम में बिना कोचिंग के नीट परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले डा. एसपी पटेल के पुत्र कर्तव्य पटेल को अतिथियों ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए स्मृति चिह्न प्रदान किया। संचालन आदेश ने किया, जबकि बीके राधेश्याम ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डा. रामनरेश वर्मा, श्याम सिंह, डोरेलाल, रामकिशोर गुप्ता, कमलेश, ओमप्रकाश, रविन्द्र कटियार, महेश अवस्थी, राजाराम, प्रतीक, तारावती, नीलम, मंजू, रोली सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बहराइच

पत्रांक : 242 / राज्य सेक्टर-पेयजल/नि०कार्य / ई-टेंडर/2026-27 **दिनांकः 22, अगस्त, 2026**

प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद, बहराइच के अन्तर्गत नगर क्षेत्र में कराये जाने वाले कार्यो के सम्बंध में ''पेयजल हेतु व्यवस्था'' योजना के अन्तर्गत नगर क्षेत्र में कराये जाने वाले कार्यो के सम्बंध में संयुक्त सचिव महोदय, उ०प्र० शासन, लखनऊ के पत्र सं0-179/2026/2316/नौ-5-2026/002-Com.No-2044861 दिनांक 04 जून 2026 में प्रथम किश्त के रूप में आवंटित रू0 1,00,00,000.00 से ''पेयजल हेतु व्यवस्था'' योजना में क्रमांक-01 एवं 04 पर क्रमशः पर मोहल्ला काजीपुर स्थित नलकूप की रिबोरिंग का कार्य एवं विकास भवन स्थित नलकूप की रिबोरिंग का कार्य की स्वीकृति महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा प्रदान कर दी गयी है। निम्न विवरण के अनुसार मोहल्ला बड़ीहाट स्थित नलकूप की रिबोरिंग का कार्य करने हेतु नगर पालिका परिषद, बहराइच के साथ-साथ अन्य विभागों में पंजीकृत अनुभवी ठेकेदारों / फर्मों से प्रतिशत दर के आधार पर निम्नलिखित नियम व शर्तों के अधीन दिनांक 25 अगस्त, 2026 को अपरान्ह 3.00 बजे निविदा आमन्त्रित की जाती है। उक्त अवधि में ही ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदायें ई-टेण्डर पोर्टल http://etender-up-nic-in पर डाउनलोड करके दिनांक 14 सितम्बर, 2026 को अपरान्ह 03:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। जिसकी तकनीकी बिड दिनांक 14 सितम्बर, 2026 को अपरान्ह 04:00 बजे आनलाइन खोली जायेगी। तकनीकी बिड में अर्ह पाये जाने वाले निविदादाताओं की ही वित्तीय निविदायें आनलाइन ई-टेण्डर पोर्टल पर खोलने हेतु अपलोड की जायेंगी। सम्बन्धित निविदा सूचना नगर पालिका परिषद, बहराइच की वेब साइट www.bahraichnpp.in पर उपलब्ध है। सशर्त निविदा स्वीकार नही की जायेगी। कार्य का विवरण, अनुमानित लागत, धरोहर धनराशि / जमानत धनराशि, निविदा मूल्य सहित विवरण निम्नवत है :-

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (18 प्रतिशत जी.एस.टी. रहित)	10 प्रतिशत धरोहर जमानत धनराशि	निविदा मूल्य	निविदा मूल्य पर 18(GST	ई-टेंडरिंग शुल्क	निविदा प्रपत्र का कुल मूल्य
1	मोहल्ला काजीपुर स्थित नलकूप की रिबोरिंग का कार्य	रू. 34,58,236.00	रू. 3,46,000.00	रू. 3459.00	रू. 623.00	रू. 250.00	रू. 4332.00
2	विकास भवन स्थित नलकूप की रिबोरिंग का कार्य	रू. 34,58,236.00	रू. 3,46,000.00	रू. 3459.00	रू. 623.00	रू. 250.00	रू. 4332.00

नियम व शर्तें-

1. यह निविदा दो-स्तरीय (Twg-Bid) प्रणाली के अंतर्गत आमंत्रित की गई है। प्रथम स्तर पर टेक्निकल बिड (Technical Bid) खोली जाएगी तथा द्वितीय स्तर पर केवल उन निविदादाताओं की फाइनेंसियल बिड (Financial Bid) खोली जाएगी, जो टेक्निकल बिड में अर्ह (Qualified) पाए जाएँगे।
2. टेक्निकल बिड में अर्हता प्राप्त न करने वाले निविदादाताओं की फाइनेंसियल बिड किसी भी दशा में नहीं खोली जाएगी तथा उनकी निविदा स्वतः निरस्त मानी जाएगी।
3. निविदादाता को ई-निविदा पोर्टल (etender.up.nic.in) पर टेक्निकल बिड एवं फाइनेंसियल बिड अलग-अलग निर्धारित स्थानों पर अपलोड करनी होगी। दोनों बिड एक साथ अथवा गलत स्थान पर अपलोड करने पर निविदा निरस्त की जा सकती है।
4. टेक्निकल बिड के अंतर्गत निविदादाता को सभी आवश्यक दस्तावेज, प्रमाण-पत्र, अनुभव प्रमाण-पत्र, धरोहर राशि / जमानत धनराशि की जमा पर्ची, निविदा शुल्क की जमा पर्ची तथा अन्य निर्धारित अभिलेख पी.डी.एफ. (PDF) प्रारूप में अपलोड करने होंगे।
5. फाइनेंसियल बिड में केवल दरें (Rates) ही भरी जाएँगी। फाइनेंसियल बिड में किसी प्रकार का दस्तावेज अथवा शर्त नहीं जोड़ी जाएगी। फाइनेंसियल बिड में किसी शर्त का उल्लेख होने पर निविदा निरस्त की जा सकती है।
6. टेक्निकल बिड खोलने के पश्चात अर्ह निविदादाताओं की सूची ई-निविदा पोर्टल पर प्रकाशित की जाएगी तथा उसी के आधार पर निर्धारित तिथि एवं समय पर फाइनेंसियल बिड खोली जाएगी। फाइनेंसियल बिड खोलने की तिथि की सूचना पोर्टल एवं संबंधित निविदादाताओं को दी जाएगी।

सामान्य नियम एवं शर्तें-

7. निविदादाता द्वारा उक्त कार्य की धरोहर राशि / जमानत धनराशि को नगरपालिका परिषद, बहराइच के इण्डियन बैंक शाखा डिगिहा स्थित खाता संख्या 50383894033, IFSC Code: IDIB000C601 में एफ.डी.आर./टी.डी.आर./एन.एस.सी. अथवा ऑनलाइन भुगतान के रूप में जमा कर, जमा रसीद/भुगतान पर्ची की स्कैन की हुई प्रति (पी.डी.एफ. प्रारूप में) ई-निविदा पोर्टल (etender.up.nic.in) पर टेक्निकल बिड के अंतर्गत अनिवार्य रूप से अपलोड करनी होगी।
8. निविदादाता को जिलाधिकारी द्वारा निर्गत हैसियत प्रमाण-पत्र, जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण-पत्र (जो निर्धारित समयावधि के अन्दर का हो), निर्माण कार्यों हेतु किसी भी विभाग में फर्म के पंजीकरण का प्रमाण-पत्र, जी. एस. टी. पंजीकरण, पैन कार्ड, श्रम विभाग का पंजीकरण प्रमाण-पत्र, समान कार्य का कम से कम तीन वर्ष का अनुभव प्रमाण-पत्र तथा रू.100.00 के स्टाम्प पेपर पर निर्धारित शपथ-पत्र की स्कैन की हुई प्रतियाँ (पी.डी.एफ. प्रारूप में) टेक्निकल बिड के अंतर्गत ई-निविदा पोर्टल पर अपलोड करनी होंगी।
9. समस्त निविदाएँ केवल ई-निविदा पोर्टल etender.up.nic.in के माध्यम से ही स्वीकार की जाएँगी। अन्य किसी माध्यम (डाक, व्यक्तिगत रूप से अथवा सीलबंद लिफाफे) से प्राप्त कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।
10. बिना कारण बताए एक अथवा समस्त निविदाएँ निरस्त करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। इसके लिए किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।
11. ठेकेदार/फर्म का जी.एस.टी. एवं श्रम विभाग में पंजीकरण होना अनिवार्य है।
12. प्राप्त न्यूनतम निविदा की स्वीकृति के उपरान्त न्यूनतम निविदादाता (पालिका में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों को छोड़कर) को अनुबन्ध से पूर्व नगरपालिका परिषद, बहराइच में नियमानुसार पंजीकरण कराना होगा। तदोपरान्त ही नियमानुसार कायार्देश निर्गत किया जाएगा।
13. स्थल पर कार्य पूर्ण होने से पूर्व प्रयुक्त निर्माण सामग्रियों की जाँच ठेकेदार को अपने स्वयं के व्यय पर करानी होगी।
14. निविदा की धनराशि में 18 प्रतिशत जी.एस.टी. सम्मिलित नहीं है। इसका भुगतान नियमानुसार अलग से किया जाएगा।
15. उक्त कार्य हेतु कम से कम तीन-तीन निविदाएँ समस्त औपचारिकताओं सहित ऑनलाइन प्राप्त होने पर ही न्यूनतम निविदा की स्वीकृति पर विचार किया जाएगा।
16. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।
17. निविदा की विस्तृत जानकारी नगरपालिका परिषद, बहराइच के जलकल अनुभाग से अथवा ई-निविदा पोर्टल (etender.up.nic.in) से निविदा जमा करने से पूर्व किसी भी कार्यदिवस में प्राप्त की जा सकती है।
18. किसी भी फर्म/ठेकेदार का ठेका स्वीकृत होने अथवा कायार्देश निर्गत होने के पश्चात यदि कभी भी संज्ञान में आता है कि संबंधित किसी भी अभिलेख (प्रमाण-पत्रों) के अनुसार वह ठेका पाने के लिए अनर्ह था अथवा सक्रिय रूप से माफिया गतिविधियों, असामाजिक कार्यों एवं संगठित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है, तो ऐसी दशा में अनुबन्धित कार्य का ठेका निरस्त कर दिया जाएगा।
19. निविदादाता को निविदा सूचना में अंकित कार्य के प्राक्कलन में प्राविधानित निर्माण कार्य के सम्बन्ध में निविदा मूल्य के बराबर अथवा उससे अधिक लागत के समान निर्माण कार्य, जो संतोषजनक रूप से पूर्ण कराया गया हो, का सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत अनुभव प्रमाण-पत्र भी टेक्निकल बिड के अंतर्गत ई-निविदा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करना होगा।
20. निविदादाता द्वारा विगत तीन वर्षों में से किसी एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम टर्नओवर (सिविल कार्यों का) उल्लिखित निर्माण कार्य की लागत के बराबर अथवा अधिक होना चाहिए।
21. स्थलीय सत्यापन के दौरान यदि कार्य की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी पाई जाती है, तो संबंधित ठेकेदार/फर्म द्वारा तत्काल कार्य को मानक के अनुरूप निदेर्शानुसार ठीक कराना होगा। अन्यथा किए गए कार्य का कोई भी भुगतान नहीं किया जाएगा।
22. प्राप्त किसी भी अथवा समस्त निविदाओं/ई-निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सक्षम अधिकारी को होगा। इस सम्बन्ध में किसी भी ठेकेदार/फर्म का कोई दावा मान्य नहीं होगा । निविदा शुल्क गैर-वापसी योग्य (Non-Refundable) है।
23. उक्त निर्माण कार्य हेतु स्वीकृत आगणन के अनुसार ही स्थल पर मानक के अनुरूप गुणवत्तापरक कार्य न्यूनतम निविदादाता को कराना होगा।
24. कार्य को स्वीकृत आगणन की धनराशि पर ही पूर्ण कराया जाएगा।
25. कार्य प्रारम्भ होने से पूर्व कार्य स्थल पर राज्य स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा नियंत डिस्प्ले बोर्ड पर योजना का पूर्ण विवरण, कार्यदायी संस्था तथा कार्य प्रारम्भ होने एवं कार्य पूर्ण होने की सम्भावित तिथि आदि का उल्लेख किया जाएगा।
26. ठेकेदार द्वारा उत्तर प्रदेश जल निगम के विस्तृत विनिदेर्शों (Detail Specifications) तथा नवीनतम उत्तर प्रदेश जल निगम के सर्कुलर के अनुसार ही कार्य कराया जाएगा।
27. उपरोक्त समस्त शर्तों का पालन ठेकेदार/फर्म को करना होगा। अन्यथा की स्थिति में निविदा की स्वीकृति पर विचार नहीं किया जाएगा।
28. यदि उक्त तिथि को कोई सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है, तो निविदा खोलने की कार्यवाही अगले कार्यदिवस में की जाएगी।
29. शासनादेश संख्या-01/2018/3070/78-2-2018/42 आई.टी./2017 (22) दिनांक 03.01.2018 में निहित निदेर्शों के क्रम में निविदादाता को निविदा खुलने से पहले अथवा तीन दिन के अन्दर निविदा से सम्बन्धित मूल अभिलेख डाक द्वारा अथवा स्वयं कार्यालय उपस्थित होकर जमा करने होंगे। अन्यथा की स्थिति में निविदा निरस्त कर दी जाएगी।
30. निविदादाता को गत पाँच वर्षों में से किन्हीं तीन वर्षों का लाभ-हानि विवरण तथा वार्षिक टर्नओवर, जो चार्टर्ड एकाउंटेंट (सी.ए.) तथा ऑडिटर द्वारा निर्गत किया गया हो, की स्कैन की हुई प्रति (पी.डी.एफ. प्रारूप में) टेक्निकल बिड के अंतर्गत ई-निविदा पोर्टल पर उपलब्ध करानी होगी।
31. पेयजल पाइपलाइन की गारंटी अवधि एक वर्ष होगी। गारंटी अवधि में यदि किसी भी कार्य अथवा सामग्री में दोष / खराबी उत्पन्न होती है, तो सफल निविदादाता द्वारा उसे तत्काल प्रभाव से निःशुल्क ठीक कराना होगा। कार्यों हेतु पृथक से कोई सामग्री देय नहीं होगी।
32. निविदादाता को ?10.00 के स्टाम्प पेपर पर नोटरी शपथ-पत्र के माध्यम से यह प्रमाण देना होगा कि निविदादाता के विरुद्ध कोई आपराधिक मुकदमा नहीं है और न ही निविदादाता बार काउंसिल में पंजीकृत है। उक्त शपथ पत्र की स्कैन की हुई प्रति (पी.डी.एफ. प्रारूप में) टेक्निकल बिड के अंतर्गत ई-निविदा पोर्टल पर अपलोड करनी होगी।
33. निविदादाता को अपनी फर्म के पैड पर अपना अधिकृत पत्र व्यवहार का पता, ई-मेल आई.डी. एवं मोबाइल नम्बर सहित उपलब्ध कराना होगा।
34. कार्य कराये जाने के पश्चात भुगतान बिल से परफॉर्मेंस सिक्योरिटी की कटौती नियमानुसार की जाएगी।
35. निविदादाता को रू.10.00 के स्टाम्प पेपर पर इस आशय का प्रमाण-पत्र देना होगा कि निविदा में अंकित कार्य कराये जाने हेतु उसके पास स्वयं के उपकरण उपलब्ध हैं अथवा किराये पर लिए जाने से सम्बन्धित अनुबन्ध एवं स्वामित्व का उल्लेख करना होगा। उक्त प्रमाण-पत्र की स्कैन की हुई प्रति (पी.डी.एफ. प्रारूप में) टेक्निकल बिड के अंतर्गत ई-निविदा पोर्टल पर अपलोड करनी होगी ।ः
36. निविदादाता को रू.10.00 के स्टाम्प पेपर पर इस आशय का शपथ-पत्र देना होगा कि उनके पास कार्य कराये जाने हेतु तकनीकी स्टाफ उपलब्ध है। उक्त शपथ-पत्र की स्कैन की हुई प्रति (पी.डी.एफ. प्रारूप में) टेक्निकल बिड के अंतर्गत ई-निविदा पोर्टल पर अपलोड करनी होगी।
37. निविदादाता को ई.पी.एफ. प्राधिकरण द्वारा निर्गत ई.पी.एफ. प्रमाण-पत्र एवं ई.एस.आई.सी. प्रमाण-पत्र की स्कैन की हुई प्रति (पी.डी.एफ. प्रारूप में) टेक्निकल बिड के अंतर्गत ई-निविदा पोर्टल पर उपलब्ध करानी होगी।
38. कार्य को निर्धारित अवधि में पूर्ण कराया जाना होगा । विलम्ब की स्थिति में सक्षम अधिकारी के निदेर्शानुसार अर्थदण्ड लगाया जा सकता है अथवा समय वृद्धि प्रदान की जा सकती है।
39. ऐसे राज्यपत्रित अभियन्ता/अधिकारी जो राज्य सरकार / केन्द्र सरकार की सेवा से दो वर्ष सेवानिवृत्त के पूर्ण नहीं हुए हैं, को कार्य करने की अनुमति राज्य सरकार/केन्द्र सरकार की अनुमति के बिना नहीं दी जाएगी। यदि कोई सेवानिवृत्त अभियन्ता / अधिकारी बिना सरकार की अनुमति के कार्य कराते हुए पाए जाएँगे, तो संज्ञान में आते ही उनकी निविदा निरस्त कर दी जाएगी।
40. यदि कोई अधिकारी/कर्मचारी का सगा संबंधी (रक्त संबंधी) आमंत्रित निविदाओं में प्रतिभाग करता है, तो पंजीकरण नियमावली के अनुसार निविदा निरस्त कर दी जाएगी तथा संज्ञान में आते ही उनके कार्य का अनुबन्ध निरस्त कर दिया जाएगा।
41. जमा की गई जमानत धनराशि संबंधित कार्य के लिए निर्धारित गारंटी अवधि के उपरान्त ही अवमुक्त की जाएगी तथा परफॉर्मेंस गारैटी कार्य गुणवत्तापरक पूर्ण पाए जाने पर कार्य के अन्तिम मापन के उपरान्त अवमुक्त की जा सकेगी।
42. कार्यों / आपूर्ति के त्रिस्तरीय सत्यापित फोटो लगाना अनिवार्य होगा।
43. राज्य सेक्टर योजनान्तर्गत शासनादेश संख्या-3358/नी-5-2025-66 सा/2025 दिनांक 11.06.2025 द्वारा निर्गत दिशा-निदेर्शों के अनुसार थर्ड पार्टी (Third Party) जाँच के उपरान्त ही कार्य के भुगतान की कार्यवाही की जाएगी।
44. स्थानीय विवाद एवं कर्मचारी दुर्घटना की समस्त जिम्मेदारी संबंधित फर्म की होगी।
45. सर्वाधिकार नगरपालिका परिषद, बहराइच में सुरक्षित रहेंगे तथा किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायक्षेत्र बहराइच न्यायालय होगा।
46. निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि की जमा पर्ची (भुगतान रसीद) तथा सभी आवश्यक दस्तावेज केवल पी.डी.एफ. (PDF) प्रारूप में ही ई-निविदा पोर्टल (etender.up.nic.in) पर अपलोड किए जाएँगे। अन्य किसी प्रारूप (JPEG, PNG, Word आदि) में अपलोड किए गए दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएँगे।
47. ई-निविदा पोर्टल पर अपलोड किए गए दस्तावेज स्पष्ट, पठनीय एवं पूर्ण होने चाहिए। अस्पष्ट, अधूरे अथवा कट-फटे दस्तावेज अपलोड करने पर निविदा निरस्त की जा सकती है। निविदादाता को सुनिश्चित करना होगा कि अपलोड किए गए सभी दस्तावेज सही एवं अद्यतन हों।

अधिशासी अधिकारी
न.पा.परि. बहराइच

अध्यक्ष
न.पा.परि. बहराइच

संक्षेप

आज सजेगी साहित्य की महफिल

सुलतानपुर (वीओएल)। माता श्यामकुमारी की 19वीं पुण्यतिथि पर बुधवार को पेमापुर (रूपिनपुर) स्थित श्याम कुमारी इंटरमीडिएट कॉलेज परिसर में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन होगा। बुधवार सुबह 11:00 बजे से होने वाले कार्यक्रम का आयोजन श्याम कुमारी इंटरमीडिएट कॉलेज और राम बरन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विभारपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह होंगे। अध्यक्षता अपर जिला जज सुलतानपुर राकेश पांडेय करेंगे। कार्यक्रम में एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय समेत अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। कवि सम्मेलन में डॉ. शिखा दीपित दीक्षित, आयुषी त्रिपाठी, बिहारी लाल अम्बर, अपूर्व विक्रम सिंह, हेमन्त पांडेय, प्रतिभा पांडेय, प्रीति पांडेय और श्रवण सुल्तानपुरी अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। आयोजक व कालेज प्रबंधक अजय सिंह ने बताया कि साहित्यिक आयोजन लगातार 19 वर्षों से क्षेत्र में साहित्य और संस्कृति के प्रति रुचि बढ़ाने का माध्यम बना है।

बिजली कटौती व ट्रिपिंग से निजात के लिए एमडी से मिले विधायक

अयोध्या। अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली ट्रिपिंग और अघोषित कटौती की समस्या को लेकर मंगलवार को विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने लखनऊ में मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संदीप भागिया से मुलाकात की। विधायक ने उन्हें पत्र सौंपकर क्षेत्र में उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं बेहतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया। विधायक ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच अयोध्या के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बार-बार बिजली ट्रिपिंग तथा बिना पूर्व सूचना विद्युत कटौती से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति बाधित होने से घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही व्यापारियों और छोटे उद्योगों का काम भी प्रभावित हो रहा है। विधायक ने क्षेत्र में जर्जर एवं ओवरलोड विद्युत लाइनों, ट्रांसफार्मरों व अन्य उपकरणों को चिह्नित कर दुरुस्त कराने की मांग की। उन्होंने अत्यधिक ट्रिपिंग वाले क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था की विशेष निगरानी कराने तथा फाल्ट की स्थिति में तत्काल आपूर्ति बहाल करने के निर्देश देने का अनुरोध किया।

श्रावणी उपाकर्म पर चमकेंगे सरयू के घाट

अयोध्या। रक्षाबंधन के अवसर पर 28 अगस्त को होने वाले श्रावणी उपाकर्म को लेकर नगर निगम ने सरयू तट के घाटों की विशेष सफाई कराने का निर्णय लिया है। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार को पत्र भेजकर श्रावणी उपाकर्म आयोजन वाले सभी घाटों पर सफाई, चूने के छिड़काव और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। महापौर ने कहा कि रामनगरी में रक्षाबंधन के अवसर पर श्रावणी उपाकर्म मनाने की प्राचीन परंपरा रही है। इस दौरान सरयू तट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। ऋणमोचन घाट से सहस्त्रधारा घाट तक करीब 10 स्थानों पर श्रावणी उपाकर्म के विशेष आयोजन होते हैं। इनमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल होते हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन स्थानों पर श्रद्धालुओं के बैठने और धार्मिक अनुष्ठान की व्यवस्था होगी।

अंडरपास के अधूरे निर्माण कार्य को लेकर किसान संगठन का प्रदर्शन

परसदेपुर, रायबरेली। छतोह ब्लॉक के गांधीनगर स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर प्रस्तावित अंडरपास के अधूरे निर्माण कार्य को लेकर मंगलवार को किसान कल्याण एसो. (अराजनैतिक) संगठन ने धरना-प्रदर्शन कर अंडरपास के अधूरे निर्माण कार्य से होने वाली मुख्य समस्याओं का मुद्दा उठाते हुए धरना स्थल पर पहुंचे संबंधित विभाग के अधिकारी को पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालता प्रसाद शुक्ल ने बताया कि छतोह गाँधीनगर मार्ग पर गेट संख्या 121 के पास अंडरपास निर्माण के लिए सड़क खोदकर जो कार्य शुरू किया गया था और बाद में बंद कर दिया गया, उसे शीघ्र पुनः शुरू कर पूरा कराया जाए। किसान नेता ने अपने संबोधन में कहा कि यदि अंडरपास निर्माण कार्य में कोई तकनीकी समस्या है तो अंडरपास परियोजना को बंद कर सड़क मार्ग से यातयात को शुरू कराया जाए, जिससे आमजनमानस को सहूलियत मिल सके। साथ ही संगठन द्वारा अंडरपास के दोनों ओर पर्याप्त लंबाई और चौड़ाई बनाए रखने की मांग की गई, जिससे स्थानीय लोगों व व्यापारियों को आवागमन में किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो।

धरना समाप्त होने के बाद संगठन ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन संबंधित विभाग के अधिकारी को सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की। इस दौरान जिलाध्यक्ष सदाशिव पांडेय, उपाध्यक्ष माला सिंह, राष्ट्रीय महासचिव राम चंदर वर्मा, अमेठी जिलाध्यक्ष लवकुश पांडेय, आलमीन खान, शिव बहादुर सिंह, घनश्याम सिंह, रामदेव मौर्य, मोहम्मद इलियास, दयाराम मौर्य, छविनाथ यादव, त्रिभुवन सरोज सहित सैकड़ों की संख्या में किसान मौजूद रहे।

पेट्रोल -डीजल, चीनी के बाद प्याज के दाम में भारी उछाल, महंगाई से जनता बेहाल

रायबरेली। लोकतंत्र है, राम का राज्य है जनता को सरकार का नया अवतार चाहिए बस उसे सत्ता चाहने वाले लोग यह विश्वास दिलाने मे कामयाब हो जाए की मेरे शासनकाल में टका शेर भाजी टका शेर खाजा का राज होगा। जनता मौज करेगी लोगों को महंगाई की मार नहीं झेलनी पड़ेगी। बाजार में दुकानों पर खड़ा व्यक्ति जितने का सौदा करना चाहे उतने में खरीदारी कर सकता है यह राम राज्य है। क्या यह हकीकत है या फिर छलावा आम जनता के आंखों मे महंगाई का सुरमा लग गया आंखें चमक रही हैं तकलीफें बढ़ रही है फिर भी आम जनमानस चुप और शांत है। आखिर क्या बोले क्या उसने अपने पांव पर कुल्हाड़ी मारी या फिर पांव ही कुल्हाड़ी पर मारकर पछता रहा है। रोजमर्रा की जिंदगी में प्रयोग में लाई जाने वाले पेट्रोल, डीजल, सब्जी मसाले, दाल समेत खाद्य सामग्री के आए दिन थोड़े-थोड़े पैसे बढ़ाकर इतने हो गए की आम आदमी को पता ही नहीं चला की आम आदमी की उम्र बढ़ रही है की सामानों के दाम लोगों का सफर तो महंगा हुआ ही था जब पेट्रोल और डीजल गैस के दाम बढ़े थे अब लोगों का गुजर -बसर पर भी आफत आ गई अभी चीनी के दाम लगभग डेढ़ गुना बढ़कर 65 रुपए हुए तो लोगों को लगा की गन्ने से चीनी बनाई जा रही थी अब गन्ने का तेल निकाला जाएगा जिससे पेट्रोल सस्ता मिलेगा। अब तो चीनी भी महंगी हुई पेट्रोल भी 102 रु. महंगा हुआ, लोगों के जेब पर इसका बड़ा असर पड़ गया बाकी कसर प्याज ने पूरी कर दी जब मंडी में झोले का मुंह खोलकर खड़ी जनता ने प्याज के दाम पूछे तो उन्हें विश्वास नहीं हुआ कि आखिर रातों-रात क्या हो गया जिससे प्याज दाम दुगना हो गया। बाजार में सामानों के बढ़ते दाम और खाद्य सामग्री पर इसका असर ऐसा दिख रहा की गृहस्थी का जंजाल लोगों को पीड़ा दे रहा है। बढ़ती महंगाई और प्याज के बढ़ते दाम को लेकर सतीश दुबे का कहना है कि हमें सरकार से बड़ी उम्मीदें थी हर जगह की महंगाई झेलते झेलते आजिज आ गए अब तो सब्जी का तड़का भी महंगा हो गया। राम विशाल प्रजापति ने बताया कि घर से मोटरसाइकिल कभी कबार निकालते थे जब उन्हें रिश्तेदारी में जाना होता था अब तो दालान में खड़ी है। महंगे पेट्रोल पर चलाने की हिम्मत नहीं होती है तेल भी खराब है उन्होंने कहा कि मिस्त्री ने बताया कि गन्ने का तेल आ रहा है इंजन खराब हो जाएगा। चाय के चुस्की लेने वाले रामदीन का कहना है कि दिन में पांच बार खड़े चम्मच की चाय पीते थे अब तो दिन में दो बार से ही संतोष करना पड़ता है। यह कोई आम आदमी की राय नहीं बल्कि अपने आशाओं के अनुरूप लोकतंत्र को जीत दिलाने वाले अपनी जीत मानकर खुद ही हार गए।

चीनी के बढ़े दामों के विरोध में माकपा का प्रदर्शन

सुलतानपुर (वीओएल)। बढ़ती महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के विरोध में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की जिला कमेटी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। जिला सचिव राधेश्याम वर्मा के नेतृत्व में कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री को संबोधित चार सूत्री ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपकर महंगाई पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की। ज्ञापन में हाल में चीनी के बढ़े दाम तत्काल वापस लेने के साथ दाल, खाद्य तेल, रसोई गैस सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें कम करने की मांग की गई। माकपा नेताओं ने कहा कि रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम बढ़ने से आम परिवारों पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। कार्यकताओं ने दवाइयों की कीमतों में पिछले एक वर्ष के दौरान कथित रूप से तीन से चार गुना वृद्धि का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने दवाओं की बढ़ी कीमतें वापस लेने की मांग की। इसके अलावा पेट्रोलियम पदार्थों में एथेनॉल के इस्तेमाल और कीमतों में बढ़ोतरी पर रोक लगाने की मांग ज्ञापन में शामिल रही। प्रदर्शनकारियों ने सहारा इंडिया में निवेश करने वाले लोगों की धनराशि वापस दिलाने की मांग भी उठाई। माकपा नेताओं ने कहा कि सरकार को आम जनता को महंगाई से राहत देने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने चाहिए। कार्यकताओं ने जनहित से जुड़े सभी मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

रेलिंग से टकरायी चिकित्सक की कार एक की मौत, दो घायल

सुलतानपुर (वीओएल)। अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर सोमवार देर रात दरियापुर रेलवे ओवरब्रिज के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गई। हादसे में कार चला रहे चिकित्सक डॉ. अख्तर (34) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार सवार दो अन्य चिकित्सक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा रात करीब 11:30 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, गभड़िया निवासी डॉ. अख्तर, दरियापुर निवासी सर्जन डॉ. शैलेंद्र जायसवाल और कुड़वार थाना क्षेत्र के हरखपुर निवासी डॉ. राशिद एक मरीज का ऑपरेशन करने के बाद अमहट स्थित निजी नर्सिंग होम से दरियापुर स्थित ममता हॉस्पिटल जा रहे थे। वहां उन्हें दूसरे गंभीर मरीज का ऑपरेशन करना था। बताया जा रहा है कि दरियापुर ओवरब्रिज के पास कार ओवरटेक करते समय अनियंत्रित हो गई और पुल की रेलिंग से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डॉ. अख्तर की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायल चिकित्सकों को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉ. राशिद को ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। डॉ. अख्तर कोतवाली देहात क्षेत्र के लोहरमऊ निवासी बताए गए हैं। उनके परिवार में एक बेटा और दो बेटियां हैं। घटना की जानकारी मिलते ही चिकित्सा जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

घर के अंदर संदिग्ध हालात में मिला महिला का शव

सुलतानपुर (वीओएल)। गोसाईगंज थाना क्षेत्र के खरगपुर गांव में मंगलवार को 42 वर्षीय महिला का शव घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान सीमा जायसवाल पत्नी बैजनाथ जायसवाल के रूप में हुई है। वह अपने परिवार के साथ खरगपुर और जसापारा में रहती थीं। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बताया गया कि सीमा की तबीयत सोमवार शाम से खराब थी। मंगलवार को घर के भीतर उनका शव मिलने की जानकारी पर आसपास के लोग जुट गए। मृतका की 14 वर्षीय बेटी लक्ष्मी ने बताया कि उनकी मां की तबीयत शाम से ही खराब चल रही थी। सीमा के पांच बच्चे हैं। इनमें लक्ष्मी (14), शिवानी (10), रूबी (8), शिवा (5) और एक वर्षीय नंदिनी शामिल हैं। मां की मौत से बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर सुनील कुमार सिंह और गोसाईगंज थाना प्रभारी अखंड देव मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी के अनुसार मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गुरु रविदास महाराज जयंती पर आयोजित हुआ समरसता संकल्प कार्यक्रम

परसदेपुर, रायबरेली। क्षेत्र के ग्राम सभा परैया नमकसार मेंसंत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के 650वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत कलश वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए विशाल सिंह ने संत गुरु रविदास के जीवन एवं उनके सामाजिक समरसता, समानता और मानवता के संदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु रविदास जी के विचार आज भी समाज को एकता और भाईचारे का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने लोगों से संत रविदास के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, सामाजिक कार्यकताओं एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर कलश वंदन किया तथा संत गुरु रविदास को श्रद्धांजलि अर्पित की। आयोजन के दौरान सामाजिक समरसता और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम का समापन गुरु रविदास जी के संदेशों के प्रचार-प्रसार और समाज में एकता को मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर विवेक त्रिपाठी, रमाकांत तिवारी आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मना सुशील जायसवाल का जन्मदिन

अयोध्या। व्यापार अधिकार मंच के संयोजक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील जायसवाल का जन्मदिन पार्टी के कार्यकताओं और व्यापारियों ने बड़ी धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर कार्यकताओं ने उन्हें 51 किलो की फूलों की माला पहनाकर और केक काटकर जन्मदिन की बधाई दी। जन्मदिन समारोह का आयोजन पार्टी कार्यालय पर किया गया जहां बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, व्यापारी नेता और शुभचिंतक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने सुशील जायसवाल के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। इस अवसर पर सुशील जायसवाल ने सभी कार्यकताओं, व्यापारियों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि व्यापारी समाज और पार्टी के कार्यकताओं का जो प्रेम और स्नेह मिल रहा है, वह उनके लिए सबसे बड़ी पूंजी है। वह सदैव व्यापारी जनहितों और संगठन के लिए कार्य करते रहेंगे।

बीपी मंडल की जयंती पर सपाइयों ने सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

अयोध्या। सपा के लोहिया भवन, गुलाब बाड़ी में मंगलवार को सामाजिक न्याय के पुरोधा एवं पिछड़े, वंचित और शोषित वर्गों के अधिकारों की मजबूत आवाज रहे बाबू बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल (बीपी मंडल) की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में सपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बीपी मंडल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके विचारों और सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि बीपी मंडल का पूरा जीवन सामाजिक बराबरी, सम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष को समर्पित रहा। उन्होंने उन वर्गों की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती दी, जिन्हें लंबे समय तक सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से वंचित रखा गया। मंडल आयोग के माध्यम से पिछड़े वर्गों के अधिकार और प्रतिनिधित्व का सवाल देश की राजनीति के केंद्र में आया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय केवल किसी एक वर्ग का मुद्दा नहीं, बल्कि समाज में बराबरी और सम्मान स्थापित करने का व्यापक अभियान है। सपा डॉ. राममनोहर लोहिया और बीपी मंडल के विचारों से प्रेरणा लेकर पिछड़े, दलित, वंचित एवं शोषित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई को लगातार मजबूती देती रही है। सपा नेताओं ने कहा कि आज के दौर में महापुरुषों के विचारों को केवल स्मरण करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना जरूरी है। युवाओं को बीपी मंडल के संघर्ष और विचारों से प्रेरणा लेकर सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने तथा समानता, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए आगे आना चाहिए। कार्यक्रम में कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि सामाजिक न्याय की आवाज गांव-गांव और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाई जाएगी तथा संविधान में निहित समानता, न्याय और अधिकारों के मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य किया जाएगा।

सिर्फ अल्लाह से बेटा नहीं मांगा करते

रायबरेली। अवध केसरी राना बेनी माधव बक्श सिंह की 222वीं की शाम देश और दुनिया में अपनी प्रतिभा मनवाने वाले कवियों और शायरों से सजीं। शहर स्थित राना बेनी माधव बक्श सिंह स्मृति सभागार में आयोजित कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आगाज कवयित्री मणिका दुबे की सरस्वती वंदना से हुआ। उन्होंने पढ़ा ह्यआरती की थाल सजाओ री..वीणापाणि मां को मनाओ जी..सब मिल करें आज मां का वंदन... चरणों मे फूल बिछाओ जी, बिदियां में हीरे जड़ाओ री, देवता भी करते हैं मैया का चंदन...पर श्रोता भक्तिरस में भावविभोर हो गए।

कवि सम्मेलन में जिले के कवि और गीतकार राहुल सफर ने राना बेनी माधव की स्मृति में तैयार सभागार पर पढा 'ये जो रोशन दिए यहां बुलाएं गए हैं...एक दिया यहाँ जो बुझ गया है उसी से सब जलाएं गए हैं...''इसके अलावा उन्होंने अवधी में कई गीत सुनाएं। लखनऊ से आए श्रंगार रस कवि दिव्यांशु अवस्थी ने पढ़ा 'सर को मेरे कांधे का कभी टेक ना मिला, हर मोड़ पे दिलदार मुझे नेक ना मिला, व्रत मैंने किये सोलहो सोमवार के मगर, सारे जहां में तुमसा कोई एक ना मिला।'

कोबरा छत्तीसगढ़ से आए हास्य कवि हीरा मणि वैष्णव ने अपने व्यंग्य और कविताओं से लोगों को गुदगुदाया। उन्होंने पढ़ा 'बेशक तुम्हारा भाव बढ़ा हो चीनी की तरह, हम भी डिमांड पर हैं इथेनॉल की तरह'। कवयित्री हिमांशी बाबरा ने पढ़ा 'मेरी आवाज पे बेशुद चले आने वाला, था

अवध केसरी की जयंती पर सजी कवियों और शायरों की महफिल

कोई शख्स मुहब्बत के घराने वाला, उम्र भर राह गुजर मुझसे भी देखी ना गयी, खैर वो था भी नहीं वादा निभाने वाला।' अमेठी से आए कवि प्रदीप तिवारी ने पढ़ा बस्तियों में गुलाबों के है घर तेरा, पर गुलाबों से ज्यादा तू मशहूर है, संगमरमर सी तू आ तराँशु तुझे, यार तेरा खुजराहों का मजदूर है।' कुरुक्षेत्र से आए कवि विष्णु विराट ने पढ़ा 'जुगनुओं ने शराब पी ली है, अब ये सूरज को गालियाँ देंगे, आज जो बैठने नहीं देते, आप इक रोज कुर्सियां देंगे।

राजस्थान से वीर रस के कवि मोहित शौर्य ने राना बेनी माधव बक्श सिंह की स्मृति में पढ़ा' शेर दिलेर-ए-जंग सफर में तांडव करता जाता था...शत शत नमन तुम्हे अवध के महाराणा प्रताप। शाम में एक रोमांटिक मोड़ तब आया जब कवयित्री मणिका दुबे मंच पर लौटीं और अपनी मधुर गीतों और गजलों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने पढा' शहर के शोर में वीरानियाँ हैं, यहाँ तुम हो मगर तन्हाइयां हैं, वहीं पे बैठे के अरसा गुजारूं, जहां तेरी मेरी परछाईयाँ हैं। डॉ. भावना श्रीवास्तव ने पढ़ा' भरोसा हो न हो दुनिया पे लेकिन, मुहब्बत पर भरोसा कीजिएगा। ग्वालियर से आए शायर अतुल अजनबी ने पढ़ा' हमने जब ऐतबार किया सर्द रजत पर, सूरज उदास हो गया इतनी सी बात पर, कश्तियाँ डूब रही हैं यहाँ एक-एक कर के और हम खुश हैं कि पतवार सँभाले हुए हैं।' जिले की शायरा तारा इकबाल ने पढ़ा तुम जो खुश हो चलो यह भी गवारा हम को, वर्ना हम और तुम्हे इस तरह जाने देते। कवि सम्मेलन का संचालन कर रहे श्रृंगार रस के बड़े हस्ताक्षर कवि स्वयं श्रीवास्तव ने अपनी पुरानी कविताओं के साथ में पढ़ा' मुश्किल थी संभलना ही पड़ा घर के वास्ते, फिर घर से निकलना ही पड़ा घर के वास्ते, मजबूरियों का नाम हमने शौक रख दिया, हर शौक बदलना ही पड़ा घर के वास्ते। कार्यक्रम के आखिर में देश और दुनिया में अपनी शायरी से नाम कमा चुके गजल और शायरी की दुनिया के बड़े हस्ताक्षर मंजर भोपाली ने पढ़ा ' बेटियों के भी लिए हाथ उठाओ मंजर, सिर्फ अल्लाह से बेटा नहीं मांगा करते। इसके साथ ही उन्होंने समिति की तरफ से सरकार की मदद से तैयार कराए गए बड़े सभागार की तारीफ करते हुए कहा कि आपने रायबरेली के लिए एक ताजमहल दे दिया है।

डायट में त्रैमासिक शिक्षक संकुल हुई बैठक

अयोध्या। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), अयोध्या के तत्वावधान में त्रैमासिक शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन प्राचार्य डायट लालचंद के द्वारा किया गया। प्राचार्य द्वारा बैठक के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया जिसमें विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों के अधिगम स्तर को बढ़ाने तथा शिक्षकों के बीच अनुभव एवं नवाचारों का प्रभावी आदान-प्रदान करना रहा। बैठक में डायट के प्रशिक्षण प्रभारी मनोज कुमार द्वारा शिक्षक संकुलों द्वारा विद्यालयों में संचालित शैक्षिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की अधिगम उपलब्धियों तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति, आधारभूत साक्षरता एवं संख्याज्ञान, कक्षा-कक्ष में गतिविधि आधारित शिक्षण तथा विद्यार्थियों के नियमित आकलन पर विशेष जोर दिया गया। इस त्रैमासिक शिक्षक संकुल बैठक के नोडल डॉ शरीफ अहमद ने शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, निपुण लक्ष्य, दक्षता आधारित शिक्षण एवं आकलन, शिक्षण सामग्री के प्रभावी उपयोग तथा कमजोर विद्यार्थियों के लिए उपचारात्मक शिक्षण के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उक्त त्रैमासिक बैठक में जनपद अयोध्या के एसआरजी डॉ अंबिकेश त्रिपाठी और अमित मिश्रा द्वारा सभी ब्लॉकों के शिक्षक संकुलों से अपेक्षा की गई कि वे अपने-अपने विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक चतंबजपबमे को साझा करते हुए अन्य शिक्षकों को भी प्रेरित करें।

डीएम की प्रेरणा से प्रा. विद्यालय खरहरा में आयोजित हुआ 'तिथि भोजन' कार्यक्रम

रायबरेली। जनपद के परिषदीय विद्यालयों में सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने तथा बच्चों के साथ विशेष अवसरों की खुशियां साझा करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सरनित कौर ब्रोका के निर्देश पर 'तिथि भोजन' कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में विकास खण्ड शिवगढ़ के प्राथमिक विद्यालय खरहरा में मंगलवार को 'तिथि भोजन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक आशीष कुमार द्वारा अपने पुत्र के जन्मदिवस के अवसर पर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं को स्वादिष्ट, पौष्टिक एवं स्वच्छ भोजन कराया गया। बच्चों को पूरी, सब्जी, खीर एवं फल परोसे गए। स्वादिष्ट भोजन पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने उत्साहपूर्वक जन्मदिन की खुशियों में सहभागिता की। जिलाधिकारी की इस पहल का उद्देश्य विद्यालयों में सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के साथ ही बच्चों को अपनत्व, समानता एवं सामाजिक सरोकार की भावना से जोड़ना है। 'तिथि भोजन' के माध्यम से अभिभावक, शिक्षक एवं समाज के अन्य लोग बच्चों के विशेष अवसरों को उनके साथ साझा कर विद्यालय से अपने जुड़ाव को और मजबूत कर रहे हैं। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की। उपस्थित लोगों ने प्रधानाध्यापक आशीष कुमार के पुत्र को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिलाधिकारी की प्रेरणा से संचालित यह पहल विद्यालयों में सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने और बच्चों के बीच खुशी एवं अपनत्व का वातावरण सृजित करने की दिशा में प्रभावी कदम साबित हो रही है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद पर संतों की बैठक में हंगामा

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावे के कथित विवाद को लेकर संत समाज की बैठक में मंगलवार को उस समय हंगामा हो गया, जब बैठक स्थल पर पुलिस और इंटेलिजेंस के जवान पहुंच गए। संतों ने आरोप लगाया कि उन्हें राम मंदिर चढ़ावे के कथित विवाद पर बैठक और चर्चा करने से रोका गया। वहीं श्रीराम मंदिर से जुड़े कथित चंदा प्रकरण और एसआईटी की रिपोर्ट को लेकर संतों का असंतोष सामने आया। चंपत राय के विरोध में संतों की ओर से रामायणम आश्रम में प्रस्तावित बैठक आयोजित की जानी थी। संतों ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन ने बैठक नहीं होने दी और आश्रम में ताला लगा दिया। कुछ देर तक संतों को नजरबंद किए जाने का आरोप भी लगाया गया। हालांकि पुलिस ने इन आरोपों से इन्कार करते हुए कहा कि किसी को बैठक करने से मना नहीं किया गया। पुलिस का काम सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। बैठक स्थल पर नया घाट चैकी प्रभारी और कोतवाली प्रभारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। संतों ने जिला प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए चंदा प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की। इस दौरान संतों ने ह्यचंदा चोरों, अयोध्या छोड़ोह्ल के नारे भी लगाए। प्रकाशानंद गिरि उर्फ कंप्यूटर बाबा ने कहा कि भगवान श्रीराम के मंदिर में चंदा चोरी हुई है। आरोप लगाया कि छोटी मछलियों को फंसाकर बड़ी मछलियों को बचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संत एसआईटी की रिपोर्ट को नहीं मानते। मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए और चंदा प्रकरण में शामिल प्रमुख लोगों को अयोध्या से बाहर किया जाए। उन्होंने कहा कि संत श्रीराम मंदिर का दर्शन करेंगे और वहां जाकर भगवान श्रीराम से माफी मांगेंगे। जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण महाराज ने कहा कि संत मौजूदा जांच से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने मांग की कि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की एक समिति गठित कर पूरे प्रकरण की जांच कराई जाए। उनके अनुसार ऐसी जांच से ही निष्पक्षता पर विश्वास कायम हो सकेगा। महामंडलेश्वर परमानंद गिरि ने कहा कि चंदा प्रकरण में जिम्मेदार लोगों को अयोध्या से बाहर जाना चाहिए। जब तक ऐसा नहीं होगा, संत पूरे प्रदेश में जनजागरण करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जब तक मामले की निष्पक्ष सीबीआई जांच नहीं होती, संत संतुष्ट नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि भले ही मंगलवार को उनकी बैठक नहीं हो सकी, लेकिन आने वाले समय में इससे भी बड़ी बैठक आयोजित की जाएगी। संतों की ओर से पूरे प्रदेश में आंदोलन को विस्तार देने की चेतावनी दी गई। श्री रघुवंश संकल्प सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष दिलीप दास त्यागी जी महाराज ने कहा कि राम मंदिर का फैसला आया था और मंदिर का निर्माण होना चाहिए था, लेकिन अब पूरे अयोध्या पर कब्जे की योजना चल रही है।

बाइक की टक्कर से घायल सेवानिवृत्त कर्मचारी की छह दिन बाद मौत

सुलतानपुर (वीओएल)। धम्मौर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे बाइक सवार की टक्कर से गंभीर रूप से घायल सेवानिवृत्त कर्मचारी की छह दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के भतीजे की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सराय भांई निवासी रवीन्द्र प्रताप सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके चाचा अवधेश प्रताप सिंह सेवानिवृत्त कर्मचारी थे। वह घर पर संकटमोचन आयल मिल के नाम से आटा चक्की, स्पेलर और किराने की दुकान चलाने के साथ खेती भी करते थे। चार अगस्त की शाम करीब चार बजे वह किराने की दुकान के लिए सामान खरीदने धम्मौर स्थित संतोष किराना स्टोर गए थे। सामान लेकर घर लौटने के लिए निकले ही थे कि सुलतानपुर की ओर से आई बाइक के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में अवधेश गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें एंबुलेंस से सीएचसी भेंटुआ पहुंचाया। गंभीर हालत में जिला अस्पताल और फिर मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर किया गया। वहां छह दिन इलाज चला, लेकिन नौ अगस्त को उनकी मौत हो गई। परिजनों ने पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार किया।

संक्षेप

हिस्ट्रीशीटर की देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत

सीतापुर। जिला कारागार में बंद 76 वर्षीय हिस्ट्रीशीटर निसार की देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। जेल प्रशासन के अनुसार बैरक में तबीयत खराब होने पर उसे जेल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका रक्तचाप काफी कम पाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जेल में हुई इस अचानक मौत ने कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं। हालांकि मौत की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। मृतक निसार तंबौर थाना क्षेत्र के ड्योढीडीह गांव का निवासी था और पुलिस के अनुसार तंबौर थाने का हिस्ट्रीशीटर था। वह अवैध असलहा फैक्ट्री के मामले में आठ अगस्त से जिला जेल में बंद था। पुलिस के मुताबिक आठ अगस्त को एसपी अंकुर अग्रवाल के नेतृत्व में शहर कोतवाली पुलिस ने अवैध असलहा फैक्ट्री का खुलासा किया था। कार्रवाई में निसार समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मौके से बड़ी संख्या में अवैध असलहे और कारतूस बरामद किए जाने का दावा किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद न्यायालय ने निसार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। जेल अधीक्षक प्रीति यादव ने बताया कि निसार को मधुमेह और पुरानी टीबी की बीमारी थी। देर रात हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई। शुरुआती जांच में रक्तचाप काफी कम पाया गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट ही बताएगी कि बुजुर्ग बंदी की मौत बीमारी और अचानक लो बीपी से हुई या इसके पीछे कोई अन्य चिकित्सकीय कारण था।

कागजों में जिंदा युवक को मारकर हड़प ली पैतृक जमीन

सीतापुर। हरगांव विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को गायत्री मैरिज लॉन में समाजवादी पार्टी की ओर से संविधान बचाओ पीडीए जन पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती रहे। धौरहरा सांसद आनंद भदौरिया ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि भाजपा सरकार में विधायिका को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की तकलीफ है कि हरगांव विधानसभा के सत्ता पक्ष के मंत्री को ही ट्रांसफार्मर उतरवाने के लिए अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। दलित जाति से होने के कारण उनकी बात अधिकारी नहीं सुन रहे हैं। कार्यकताओं के काम के लिए उन्हें पुलिस अधीक्षक तक से मिलने जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनी तो गांवों में प्रधान भी भाजपा अपने बना लेगी। मुख्य अतिथि मिठाई लाल भारती ने कहा कि बहुजन समाज की नेता मायावती का जनाधार कमजोर हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि चंद्रशेखर भी बहुजन समाज का वोट काटने का काम कर रहे हैं। भाजपा को हराने के लिए बहुजन समाज को एकजुट होकर समाजवादी पार्टी को मजबूत करना होगा। उन्होंने दावा किया कि बहुजन समाज के धर्मगुरु भी सपा का समर्थन कर रहे हैं। पूर्व मंत्री रामहेत भारती ने भी बहुजन समाज से एकजुट होकर समाजवादी पार्टी को मजबूत करने की अपील की।

सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

देवरिया। समाजवादी पार्टी द्वारा सामाजिक न्याय के पुरोधा बाबू बिन्देश्वरी प्रसाद (बी.पी. मंडल) की जयंती सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव के अध्यक्षता व जिला महासचिव मंजूर हसन के संचालन में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बी.पी. मंडल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके विचारों एवं योगदान पर विस्तार से चर्चा की। जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कहा कि बी.पी. मंडल जी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता की उस विचारधारा के प्रतीक हैं, जिसने देश के वंचित, पिछड़े और शोषित वर्गों को उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने की नई दिशा दी। मंडल आयोग की सिफारिशों ने सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के अधिकारों को मजबूती देने का ऐतिहासिक कार्य किया। आज भी सामाजिक न्याय,

सामाजिक न्याय के पुरोधा बीपी मंडल की जयंती पर सपा ने किया नमन

बराबरी और संविधान में मिले अधिकारों की रक्षा के लिए उनके विचार उतने ही प्रासंगिक हैं।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी डॉ. राममनोहर लोहिया, नेताजी मुलायम सिंह यादव और बी.पी. मंडल जी की सामाजिक न्याय की विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। ढऊअ की अवधारणा भी समाज के सभी पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और वंचित वर्गों को सम्मान, भागीदारी और अधिकार दिलाने की इसी लड़ाई का हिस्सा है। सामाजिक न्याय तभी मजबूत होगा, जब समाज के प्रत्येक वर्ग को उसकी आबादी के अनुरूप सम्मान और भागीदारी सुनिश्चित होगी।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी बी.पी. मंडल जी के संघर्ष और विचारों को जाने तथा सामाजिक बराबरी एवं संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होकर आगे बढ़े। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बी.पी. मंडल जी के जीवन संघर्ष, मंडल आयोग की भूमिका तथा पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उपस्थित सभी लोगों ने सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. रामनाथ चौहान, जयराम राजभर, हृदय नारायण जयसवाल, मोहन गुप्ता, राजवंशी राजभर, रामबली यादव, परमहंस यादव, इसहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोनू अब खुद को जिंदा साबित करने के लिए भटक रहा है

सीतापुर। सरकारी कागजों में किसी जिंदा इंसान को मृत घोषित कर देना महज लापरवाही नहीं, बल्कि उसकी पूरी जिंदगी और अधिकारों पर सवाल खड़ा कर देता है। अटरिया क्षेत्र के शोभानगर मजरा नीलगांव में ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां सोनू पुत्र छोटकन्न को परिवार रजिस्टर में मृत दिखाकर उसकी पैतृक जमीन हड़पने का आरोप लगा है। अब जमीन पाने से पहले सोनू के सामने खुद को जिंदा साबित करने की चुनौती खड़ी हो गई है। सोनू ने जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति और थाना पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उसके बाबा बद्री के नाम पैतृक भूमि दर्ज थी। बद्री और उनके पुत्र छोटकन्न की मृत्यु के बाद भूमि सोनू की दादी बासपति के नाम हो गई। आरोप है कि सोनू के ताऊ राजेश ने कई वर्ष पहले ब्लॉक में तैनात तत्कालीन सचिव से कथित सांठगांठ कर परिवार रजिस्टर की नकल में सोनू को मृत दर्ज करा दिया। इसके बाद कथित तौर पर सोनू के हिस्से की पैतृक जमीन की वरासत पुष्पा जीवन सरोज के नाम करा दी गई और जमीन का बैनामा भी कर दिया गया। जब सोनू को इस कथित खेल की जानकारी हुई तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। जिंदा होने के बावजूद सरकारी अभिलेख उसे मृत बता रहे हैं और उसकी पैतृक संपत्ति दूसरे के नाम दर्ज हो चुकी है। अब सोनू की लड़ाई सिर्फ जमीन की नहीं, बल्कि सरकारी कागजों में अपनी जिंदगी वापस दर्ज कराने की भी है। वह मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी को ऑनलाइन शिकायतें भेजकर खुद को जिंदा साबित करने की गुहार लगा रहा है। उसका कहना है कि अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काटने के बावजूद अभी तक उसे न्याय नहीं मिला है। पीड़ित ने पूरे मामले की जांच कर परिवार रजिस्टर में उसे मृत दर्ज करने वालों और जमीन की वरासत व बैनामा कराने में शामिल लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही बैनामा निरस्त कर उसके पिता के हिस्से की पैतृक भूमि उसे दिलाने की मांग की है। मामले की जानकारी के लिए सिंधौली एसडीएम से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन नहीं उठा।

गन्ना मूल्य भुगतान में तेजी लाने के डीएम ने दिये निर्देश

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में बजाज हिन्दुस्तान शुगर मिल लिमिटेड, प्रतापपुर के गन्ना मूल्य भुगतान की समीक्षा कलेक्ट्रेट कार्यकक्ष में की गई। समीक्षा के दौरान मिल के अध्याशी नवीन कुमार ने लिखित रूप से अवगत कराया कि समूह की उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कुल 14 चीनी मिलें संचालित हैं। इन मिलों से भुगतान के बाद प्राप्त होने वाली धनराशि से प्रतापपुर इकाई के अवशेष गन्ना मूल्य का भुगतान किए जाने का आश्वासन दिया गया। जिलाधिकारी ने मिल अध्याशी को आवश्यक धनराशि की व्यवस्था कर अवशेष गन्ना मूल्य का यथाशीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में पर्याप्त मात्रा में चीनी उपलब्ध है। इसलिए किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। चीनी की कालाबाजारी एवं निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री करने वालों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि चीनी की कालाबाजारी करने, निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री करने तथा अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला गन्ना अधिकारी, देवरिया द्वारा बताया गया कि जमाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन एवं उप संभागीय विपणन अधिकारी (डिप्टी आरएमओ) द्वारा लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। जांच एवं कार्रवाई के परिणामस्वरूप बाजार में चीनी के दामों में कमी आई है।

दर्जी ट्रेड के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 27 को

देवरिया। उपायुक्त उद्योग एस. सिद्दीकी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय दस्तकारों एवं पारंपरिक कारीगरों के विकास के लिए विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत दर्जी ट्रेड में पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर गठित साक्षात्कार समिति के माध्यम से चयन की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि दर्जी ट्रेड के जिन अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया है, वे अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर साक्षात्कार समिति के समक्ष उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। साक्षात्कार 27 अगस्त को प्रातः 10:30 बजे कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, देवरिया में आयोजित किया जाएगा।

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

जौराबाजार, कुशीनगर। पटहेरवा थाना क्षेत्र के परसौनी गांव निवासी 24 वर्षीय मृत्युंजय का शव संदिग्ध परिस्थितियों में गन्ने के खेत में पेड़ से लटकता हुआ दो सौ मीटर की दूरी पर स्थित चौरा खास थाना क्षेत्र के भटवलिया के टोला लाठौर मिला, ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया, वहीं मौके पर पहुंची फारेंसिक टीम ने भी जांच पड़ताल किया। परिजनों का आरोप है कि हत्या के बाद शव को पेड़ से लटका दिया गया है। जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी विजय बहादुर के 24 वर्षीय पुत्र मृत्युंजय शर्मा से सोमवार की शाम जौरा बाजार स्थित पेट्रोल पंप पर कुछ युवकों से कहासुनी होने लगी, विवाद बढ़ता देख किसी ने 112 नम्बर पुलिस को फोन कर दिया। मौके पर पहुंची पीआरबी पुलिस युवकों को डांट फटकार कर भगा दिया। बताया जाता है कि मृत्युंजय अपने घर चला गया, घर से यह कहकर कि वह अपने घोटा पर जा रहा है, थोड़ी देर बाद आकर भोजन करेंगे। कुछ समय बीतने के बाद परिजन घोटा पहुंचे तो युवक नहीं मिला, परिजनों पूरी रात तक खोज बिन में जुटे रहे। मंगलवार की सुबह जब ग्रामीण खेत की तरफ गए तो लाठौर टोला के पास ध्रुव गुप्ता के खेत में सड़क के किनारे स्थित सागौन के पेड़ से युवक का उसी के फटे शर्ट के फंदे के सहारे लटकता शव देखा। जानकारी होते ही परिजन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। परिजनों में चीख पुकार मच गई।

नन्हे हाथों से सरहद पर देश की रक्षा कर रहे जवानों के लिए तैयार की राखियां

सीतापुर। रक्षाबंधन के पर्व से पहले पहला के सदरावां गांव स्थित महावीर प्रसाद मिश्र मेमोरियल शिक्षण संस्थान में उस समय भावुक माहौल बन गया, जब करीब सौ छात्र-छात्राओं ने अपने नन्हे हाथों से राखियां तैयार कर उन्हें देश की सीमाओं पर तैनात सेना के जवानों के नाम कर दिया। राखी बनाओ प्रतियोगिता में बच्चों ने रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियां बनाकर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों में गजब का उत्साह दिखाई दिया। किसी ने रंगीन धागों से राखी सजाई तो किसी ने सजावटी सामग्री का प्रयोग कर उसे खास रूप दिया। लेकिन इन राखियों की सबसे खास बात यह रही कि इन्हें किसी भाई की कलाई के लिए नहीं, बल्कि सरहद पर देश की रक्षा कर रहे जवानों के लिए तैयार किया गया था। विद्यालय प्रबंधक श्रीनिवास मिश्र ने कहा कि जवान अपने परिवार से दूर रहकर देश की सुरक्षा में जुटे हैं। बच्चों की बनाई राखियां उनके प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता का छोटा सा प्रयास हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी सभी राखियां भारतीय डाक के माध्यम से सीमाओं पर तैनात सैनिकों को भेजी जाएंगी। उप प्रबंधक गौरव कुमार मिश्र और प्रधानाचार्या एकता मिश्रा ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ बच्चों में संस्कार, राष्ट्रप्रेम, मानवीय संवेदना और वसुधैव कुटुंबकम की भावना विकसित करना भी विद्यालय की जिम्मेदारी है। बच्चों के हाथों से निकली ये राखियां अब सरहद पर तैनात उन भाइयों तक पहुंचेंगी, जिनकी वजह से देश सुरक्षित है।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य ने की में जनसुनवाई

देवरिया। निरीक्षण भवन, में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग, लखनऊ की सदस्य ऋतु शाही की अध्यक्षता में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं एवं आवेदिकाओं ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित कुल 13 प्रकरण प्रस्तुत किए। सदस्य ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी ली गई तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिये।

प्राप्त प्रकरणों में से 10 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष प्रकरणों में आवश्यक जांच एवं कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इनमें तीन प्रकरण जमीनी विवाद से संबंधित पाए गए, जिन्हें संबंधित अधिकारियों को स्थलीय जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्रकरणों की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा इसकी सूचना संबंधित पक्षकारों को भी उपलब्ध कराएं।

सदस्य ऋतु शाही ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए तथा इनके निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जनसुनवाई के दौरान महिला

सुरक्षा, उत्पीड़न, पारिवारिक विवाद, घरेलू हिंसा, भरण-पोषण सहित अन्य समस्याओं से संबंधित मामलों में की जा रही कार्रवाई की भी जानकारी ली गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पीड़ित महिलाओं को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराने के साथ उन्हें संबंधित विभागीय योजनाओं एवं विधिक सहायता के बारे में भी जानकारी दी जाए। कार्यक्रम में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाल मन से सीधे जुड़ेंगे अधिकारी : सीडीओ

देवरिया। बच्चों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने तथा सरकारी तंत्र और नई पीढ़ी के बीच संवाद को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी, देवरिया ने महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने जनपद, तहसील एवं ब्लॉक स्तर के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के शासकीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों का भ्रमण कर विद्यार्थियों के साथ 'बाल संवाद' आयोजित करें। सीडीओ ने कहा कि विद्यालय भ्रमण केवल निरीक्षण तक सीमित न रहे, बल्कि अधिकारी बच्चों के बीच बैठकर उनसे सीधे संवाद करें, उनकी जिज्ञासाओं को सुनें और देश-प्रदेश के विकास, शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी उन्हें सरल एवं सहज भाषा में दें। बच्चों को यह भी बताया जाए कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र विद्यार्थियों एवं उनके परिवारों तक किस प्रकार पहुंचाया जाता है। बाल संवाद के दौरान विद्यार्थियों को उनके अधिकार व कर्तव्य, शिक्षा का महत्व, अनुशासन, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, साइबर सुरक्षा, बाल सुरक्षा तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के विषय में जानकारी दी जाएगी। अधिकारियों द्वारा बच्चों को अपनी समस्याएं, सुझाव एवं अपेक्षाएं खुलकर रखने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। सीडीओ ने निर्देशित किया है कि विद्यालय भ्रमण के दौरान बच्चों के साथ किए गए संवाद का संक्षिप्त वीडियो एवं ऑडियो रिकॉर्ड भी तैयार कराया जाए, ताकि पहल की प्रभावी मॉनीटरिंग की जा सके और अच्छे संवादों को अन्य विद्यालयों में भी साझा किया जा सके।

विकास भवन में हुआ बाल संवाद, 'एक पेड़ मां के नाम' का संदेश

इसी क्रम में विकास भवन स्थित गांधी सभागार में बच्चों के साथ बाल संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों ने विद्यार्थियों के साथ सहज वातावरण में संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाएं सुनीं और शासन की योजनाओं, बच्चों के अधिकारों एवं कर्तव्यों तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए एक पेड़ मां के नामअभियान के तहत पौधरोपण भी कराया गया। बच्चों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। अधिकारियों ने कहा कि बच्चों को प्रकृति और पर्यावरण से जोड़ना उनके व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि बच्चों से संवाद केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावी नागरिकों से सीधे जुड़ने का माध्यम है। बच्चों की बात सुनना और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करना शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों और विद्यार्थियों के बीच नियमित संवाद से बच्चों में शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ेगा तथा उन्हें अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों की बेहतर समझ विकसित होगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाल संवाद को औपचारिकता तक सीमित न रखते हुए इसे निरंतर एवं प्रभावी बनाया जाए। अधिकारी विद्यालयों में बच्चों के बीच जाकर उनसे संवाद करें, उनकी समस्याओं को समझें और उन्हें समाधान एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का प्रयास करें। यह पहल शिक्षा को केवल कक्षा और पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय बच्चों को जागरूक, जिम्मेदार, संवेदनशील और बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

डीएम ने चीनी होलसेलरों के प्रतिष्ठानों के स्टॉक का सत्यापन कराया

देवरिया। चीनी की जमाखोरी एवं कालाबाजारी के प्रभावी नियंत्रण के लिए जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी के निर्देश पर गठित समिति द्वारा जनपद के ट्रेडर्स, होलसेलर एवं प्रोसेसर द्वारा घोषित चीनी के स्टॉक का भौतिक निरीक्षण कर सत्यापन कराया गया। सत्यापन के दौरान अभिलेखों में उपलब्ध स्टॉक के अनुसार मौके पर स्टॉक की उपलब्धता का मिलान किया गया। सभी होलसेलरों के यहां अभिलेखों में दर्ज अवशेष स्टॉक के अनुसार मौके पर उपलब्ध स्टॉक का मिलान सही पाया गया।

गठित टीम में उप जिलाधिकारी सदर, विपणन निरीक्षक देवरिया सदर अतीश कुमार राय एवं विपणन निरीक्षक बैतालपुर संजय कुमार पांडेय शामिल रहे। टीम द्वारा कुल 13 होलसेलर प्रतिष्ठानों के स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया।

कम्पोजिट विद्यालय में बांटी शैक्षिक सामग्री

कसया, कुशीनगर। रोटरी क्लब कुशीनगर द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक सामग्री वितरण अभियान के पांचवें दिन मंगलवार को कम्पोजिट विद्यालय कनखोरिया में छात्र-छात्राओं को निःशुल्क कॉपियां एवं अन्य शिक्षण सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उनकी पढ़ाई में सहयोग प्रदान करना है। कार्यक्रम में क्लब के सचिव दुर्गेश चतुवेर्दी, सह-सचिव डॉ. जे.के. पटेल, मीडिया प्रभारी रंजीत श्रीवास्तव एवं आदिल खान उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक और रोटरी क्लब के सदस्य दीपेश कुमार सिंह, सहायक अध्यापक देवेश कुमार शुक्ला, स्मृति त्रिपाठी, शाहेदा खातून सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षा के लिए एक छोटा प्रयास, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की ओर एक बड़ा कदम है। क्लब द्वारा विभिन्न विद्यालयों में शैक्षिक सामग्री वितरण का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

विद्यारंभ संस्कार हमारे षोडश संस्कारों का अनिवार्य अंग : डॉ राकेश

कुशीनगर। बीएड विभाग बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर द्वारा आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम में छात्राध्यापकों एवं छात्राध्यापिकाओं को आलोक पत्रिका का वितरण किया गया। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अभाविप गोरक्ष प्रांत के प्रांत अध्यक्ष डॉ राकेश प्रताप सिंह ने कहा कि विद्यारंभ संस्कार हमारे षोडश संस्कारों का अनिवार्य अंग है। वैदिक काल में शिक्षा की शुरूआत उपनयन संस्कार के द्वारा होती थी। हमारे यहां सभी मनीषियों ने शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डाला है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि शिक्षा अंतर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति है। इसका आशय है कि शिक्षा एक व्यक्ति के रूप में हमें पूर्णता प्रदान करती है। हमें व्यक्तित्व के बहुआयामी विकास पर बल देना चाहिए। शिक्षा एक आशय सिर्फ रोजगार प्राप्त करना नहीं है अपितु राष्ट्र और समाज के जिम्मेदार नागरिक के रूप अपनी भूमिका के निर्वहन हेतु स्वयं को तैयार भी करना है। शिक्षक शिक्षा के छात्र के रूप में आपकी जिम्मेदारी इस रूप अत्यंत महत्वपूर्ण है। कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव और मुख्य अतिथि वीरेंद्र सिंह अहलूवालिया ने कहा कि बीएड प्रशिक्षु के रूप आप भारत के भविष्य का निर्माण करने वाले सबसे प्रभावशाली वर्ग शिक्षक के रूप में तैयार हो रहे हैं। इस दृष्टि से आपका शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत प्रभावशाली और उपादेय होना चाहिए। इसीलिए आप सभी मन लगाकर प्रशिक्षण प्राप्त करें और अपने परिवार, संस्था और समाज का नाम रोशन करें। अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने महाविद्यालय के आदर्श वाक्य योगः कर्मशु कौशलम की व्याख्या करते हुए बताया कि उद्योग या परिश्रम से समस्त कार्यों की सिद्धि प्राप्त की जा सकती है। अभ्यास से जीवन में पूर्णता आती है। अतः छात्र के रूप में आप सभी खुश मन लगाकर पढ़ाई करे और परिश्रम करते हुए अपने अभीष्ट लक्ष्य को प्राप्त करें। इस अवसर पर डॉ चंद्रप्रकाश सिंह ने भी अपना विचार साझा किया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पांजलि के साथ हुआ।

जांच पहुंची तो अधिकार की दुहाई, पालिका के भ्रष्टाचार पर कब होगी कार्रवाई

कुशीनगर। नगर पालिका परिषद कुशीनगर में अगर सब कुछ नियमानुसार और पारदर्शी है तो फिर बीते दिनो एसडीएम के औचक निरीक्षण के बाद नपाध्यक्ष किरन जायसवाल बिलबिला क्यो उठी? उन्हें नोटिस देने की इतनी जल्दी क्यों पड़ी? यह सवाल इसलिए बड़ा है क्योंकि नगर पालिका के विकास कार्यों, सरकारी धन के इस्तेमाल, कर्मचारियों की मनमानी व अधिशासी अधिकारी की कार्यशैली को लेकर पहले से ही सवाल उठते रहे हैं। शिकायतें लगातार प्रशासन तक पहुंच रही हैं, खबरें प्रकाशित हो रही हैं और इसी बीच जब प्रशासन ने नगर पालिका कार्यालय की ओर रुख किया तो जांच के सवालों का जवाब देने के बजाय नपाध्यक्ष ने निरीक्षण के अधिकार पर ही सवाल खड़ा कर दिया गया। यह पूरा घटनाक्रम अब नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। खासकर तब, जब नगर में विकास के नाम पर होने वाले कार्यों में कथित अनियमितता और धन के बंदरबांट को लेकर लगातार आवाज उठती रही है। सूत्रों का दावा है इन्हीं शिकायतों और नगर पालिका की कार्यशैली को लेकर मिल रही सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने औचक निरीक्षण किया था।

नगर पालिका में एसडीएम का निरीक्षण हुआ। कार्यालय के अभिलेख और पंजिकाएं देखी गईं। इसके बाद नपाध्यक्ष किरन जायसवाल की ओर से एसडीएम को नोटिस जारी कर दिया गया। नोटिस में निरीक्षण की वैधानिकता और अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाए गए। यहां सवाल यह नहीं कि एसडीएम को निरीक्षण का अधिकार है या नहीं, उसकी वैधानिक स्थिति अलग विषय है। सवाल यह है कि नगर पालिका के कामकाज पर उठ रही शिकायतों की जांच के दौरान पालिका नेतृत्व का रुख क्या होना चाहिए था? अगर विकास कार्यों में कोई गड़बड़ी नहीं है, सरकारी धन का एक-एक पैसा नियमानुसार खर्च हुआ है, कर्मचारियों की मनमानी नहीं है और ईओ की कार्यप्रणाली पूरी तरह पारदर्शी है तो फिर जांच से घबराने की वजह क्या है?

जानकारों का कहना है कि नगर पालिका अध्यक्ष का दायित्व केवल विकास कार्यों का उद्घाटन, शिलापट्ट और राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं है। जनता के पैसे से चलने वाली संस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। ऐसे में नपाध्यक्ष पर सवाल उठना मुनासिब है कि नगर पालिका के विकास कार्यों को लेकर लगातार उठ रहे सवालों की निष्पक्ष जांच की मांग क्यों नहीं की गई? यदि शिकायतें गलत हैं तो अभिलेख सामने रखकर उन्हें खारिज क्यों नहीं किया जाता? बजाय इसके कि निरीक्षण के अधिकार को लेकर अध्यक्ष द्वारा एसडीएम पर सवाल उठा जाए। मतलब साफ है कि पालिका के कामकाज की जांच से ज्यादा महत्वपूर्ण जांच करने वाले अधिकारी की अधिकारिता को मुद्दा बनाना है। ताकि नगर पालिका के विकास कार्यों में हुए भ्रष्टाचार की पोल सार्वजनिक न हो, और लूट-खसोट वैसे ही चलते रहे जैसे चल रहा है।

कहना न होगा कि नगर पालिका की प्रशासनिक व्यवस्था में अधिशासी अधिकारी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। विकास कार्यों की प्रक्रिया, अभिलेख, कार्यालयीय व्यवस्था और कर्मचारियों के प्रशासनिक नियंत्रण से जुड़े सवालों का जवाब भी ईओ से ही अपेक्षित होता है। इसके बावजूद नगर पालिका में कर्मचारियों की कथित मनमानी, कार्यालयीय अव्यवस्था और मुख्यमंत्री के महत्वाकांक्षी सम्पूर्ण समाधान दिवस में ईओ की अनुपस्थिति जैसे मामले सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि नगर पालिका की प्रशासनिक कमान आखिर किस तरह चल रही है? यदि ईओ की मौजूदगी और निगरानी में व्यवस्था चल रही है तो कर्मचारियों की मनमानी की शिकायतें लगातार क्यों आ रही हैं? और यदि शिकायतें गलत हैं तो उनके खिलाफ तथ्यात्मक जवाब सार्वजनिक क्यों नहीं किया जाता? नगर पालिका में सबसे बड़ा सवाल विकास कार्यों पर खर्च होने वाली रकम को लेकर है। सड़क, नाली, इंटरलॉकिंग, सुदरीकरण और अन्य निर्माण कार्यों को लेकर समय -समय पर सवाल उठते रहे हैं। कहीं लागत को लेकर भ्रम है तो कहीं काम की गुणवत्ता पर सवाल। कहीं अभिलेखों को लेकर सवाल हैं तो कहीं कार्यप्रणाली को लेकर। जनता के पैसे से होने वाले कार्यो में टेंडर से लेकर भुगतान तक पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होना चाहिए।

शिक्षा सुधारों की पहल

हम शिक्षा व्यवस्था को लेकर दशकों से विमर्श करते रहे हैं और इसका लब्बोलुआब मैकाले को कोसने तक सीमित रहा है। लेकिन बीते दो-तीन दशक में जिस तरह बदलाव हुआ। दुनिया परम्परागत सरोकारों से आगे बढ़कर अब प्रौद्योगिकी पर निर्भर हो गयी है। ऐसे में शिक्षा व्यवस्था में भी आधुनिक जरूरतों, उद्योग-व्यापार के अनुकूल बदलाव की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। प्रौद्योगिकी, आधुनिक कृषि, जलवायु परिवर्तन और रोजगार के बदलते स्वरूप ने शिक्षा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। आज के विद्यार्थी को ऐसे भविष्य के लिए तैयार करना है जिसमें उसके सामने नये प्रकार के काम, नई तकनीकें और लगातार बदलती परिस्थितियां होंगी। इसलिए अब प्रश्न केवल यह नहीं है कि हम बेहतर तरीके से कैसे पढ़ाएं? बड़ा प्रश्न यह है कि बदलती दुनिया के लिए हमारी उच्च शिक्षा कैसी होनी चाहिए? अब भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुरूप उच्च शिक्षा

की दिशा तय करनी होगी। परंपरागत व्यवस्था में शिक्षा को प्रायः ज्ञान, परीक्षा और डिग्री के आधार पर समझा जाता रहा है। डिग्री का महत्व आज भी है और आगे भी रहेगा, लेकिन अब केवल डिग्री को शैक्षणिक सफलता का अंतिम प्रमाण मानना पर्याप्त नहीं होगा। भविष्य की शिक्षा में ज्ञान के साथ चिंतन, कौशल, चरित्र, अनुभव और बदलती परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता का विकास भी आवश्यक है। उच्च शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे युवा तैयार करना होना चाहिए जो केवल नौकरी खोजने वाले न हों, बल्कि समस्याओं को समझ सकें, समाधान खोज सकें, नई परिस्थितियों में सीख सकें और आवश्यकता पड़ने पर नये अवसर भी पैदा कर सकें। यही अंतर नौकरी की तैयारी और जीवन तथा करियर के लिए क्षमता निर्माण के बीच है। आज का विद्यार्थी केवल पाठ्यपुस्तक और परीक्षा तक सीमित नहीं रह सकता। उसे वास्तविक जीवन की समस्याओं से जुड़ना होगा। उसे परियोजनाओं, शोध, इंटर्नशिप, सामुदायिक कार्य, उद्यमिता और व्यावहारिक अनुभवों से सीखना होगा। आज सूचना की कोई कमी नहीं है। इंटरनेट, डिजिटल पुस्तकालय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से विद्यार्थी कुछ ही क्षणों में बहुत बड़ी मात्रा में जानकारी प्राप्त कर सकता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि शिक्षक का महत्व कम हो गया है। बल्कि शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। शिक्षक को अब केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया का मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थियों को सही और गलत सूचना में अंतर करना, बेहतर प्रश्न पूछना, तर्क करना, जटिल विषयों को समझना, सहयोग करना और जिम्मेदारी के साथ निर्णय लेना सिखाना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में भी हमें न तो इससे डरने की आवश्यकता है और न ही इसके प्रति अंध-आस्था की। तकनीक का उद्देश्य शिक्षा को बेहतर बनाना होना चाहिए, शिक्षक का स्थान लेना नहीं। भविष्य की उच्च शिक्षा तकनीक-सक्षम हो, लेकिन तकनीक-निर्भर नहीं। हमे ऐसी शिक्षा की जरूरत है जो हमारी औद्योगिक, और कारोबारी जरूरतों को पूरा करने के साथ ही जैव-विविधता, बागवानी, पर्यटन, जल संसाधन, वन, स्थानीय ज्ञान, सांस्कृतिक विरासत, अक्षय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन की चनौतियों का सामना करने में दक्ष बनाती हो। हमारे सामने आज बहुत चुनौतियां हैं, लेकिन इन चुनौतियों के बीच अवसर भी बहुत हैं। बस हमे इन अवसरों का लाभ उठाने और चुनौतियों का सामने करने के लिए अनुकूल शिक्षा और प्रौद्योगिकी की जरूरत है।

विचार

जो व्यक्ति प्रेमपूर्वक मिले, उससे दौड़ कर मिलना चाहिए, परन्तु जो हृदय खोल कर न मिलता हो, उससे कभी नहीं मिलना चाहिए।
–संत कबीर.

अज्ञानता मन की रात के समान है। ऐसी रात जिसमें न तो चांद होते हैं और न ही तारे।
–कन्फ्यूशियस.

पेड़ अपने सिर पर गर्मी सह लेता है, लेकिन अपनी छाया के द्वारा औरों को धूप से बचाता है।
–कालिदास.

जो खुशमिस्मत हैं, संतोष रखते हैं। अगर तू भी खुश किस्मत होना चाहता है तो संतोष के नूर से अपनी जान रोशन कर।
–शेख सादी.

मस्तिष्क के लिए अध्ययन की उतनी ही आवश्यकता है जितना की शरीर को व्यायाम की आवश्यकता है।
–एडीसन.

आपदाओं से बचाव का करें स्थायी इंतजाम

नरेंद्र शर्मा

> जब हर साल भारत में बाढ़ एक आपदा बनकर आती है, तो आजादी से अब तक करीब 78 सालों में विभिन्न सरकारों ने इससे निपटने का कोई स्थायी इंतजाम क्यों नहीं किया? क्या इसकी वजह यह है कि मौसमी आपदा से शासन-प्रशासन में बैठे बहुत से लोगों को अच्छी खासी कमाई हो जाती है?

गत वर्ष बाढ़, भू-स्खलन, बादल फटने और बिजली आदि गिरने से देश में हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई। जिसमें सबसे ज्यादा मौतें उत्तराखंड, हिमाचल, असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र आदि में हुईं। अगर देश के अलग अलग राज्यों के अनुमानित नुकसान को समग्रता में देखा जाए, तो लगभग बीस हजार करोड़ रुपये का नुकसान बीते साल पूरे मानसून के दौरान 20 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा का नुकसान हुआ। बारिश का पैटर्न ज्यादातर राज्यों में बहुत स्ट्रांग था और जिन राज्यों में कमजोर था, वहां बारिश न होने से कई सौ करोड़ रुपये के नुकसान का भी अनुमान था। सवाल है जब हर साल भारत में बाढ़ एक आपदा बनकर आती है, तो आजादी से अब तक करीब 78 सालों में विभिन्न सरकारों ने इससे निपटने का कोई स्थायी इंतजाम क्यों नहीं किया? क्या इसकी वजह यह है कि इस मौसमी आपदा से शासन-प्रशासन में बैठे बहुत से लोगों को अच्छी खासी कमाई हो जाती है? ये लोग मालामाल हो जाते हैं? इसलिए हर साल हजारों जानें, जाने और करोड़ों अरबों रुपये का नुकसान होने के बावजूद देश में शासक प्रशासक वर्ग इस आपदा को गंभीरता से नहीं लेते? कहीं इसके पीछे राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी तो नहीं है? बाढ़ से जुड़ी योजनाएं अकसर लंबी अवधि की होती हैं और इनका चुनावों में किसी तरह का फायदा नहीं मिलता, क्योंकि बारिश के तुरंत बाद या बारिश के आसपास कभी चुनाव नहीं होते। आम चुनाव आमतौर पर या तो मार्च, अप्रैल में होते हैं या सर्दियों में और भारत में किसी भी आपदा को भुलाने के लिए 60 से 90 दिन बहुत होते हैं। इसलिए बाढ़ से जो विभीषिका पैदा होती है, जनधन की हानि होती है, उसका कोई असर चुनावों पर नहीं पड़ता और अगर चुनाव का साल न हो, तब तो बाढ़ जैसी परेशानियों के बारे में सोचा भी नहीं जाता। सवाल है क्या साल 2025 में जून और जुलाई के पहले हफ्ते में जो सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है, उसके कारण देश की अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ या नुकसान। इससे भी बड़ी बात है कि जो नुकसान हुआ होगा, क्या उसके बारे में अगली बार नुकसान न हो, ऐसा गंभीरता से सोचा जायेगा? या फिर जैसे पिछले लगभग 78 सालों से चला आ रहा है, वैसा ही रूटीन साल होगा? याद रखिए, अगर हम बाढ़ को लेकर इतना ही उदासीन रहे, तो सन 2047 तक हम भारत को विकसित बनाने का जो ख्वाब देखते हैं, वह ख्वाब ही रह सकता है। यह समस्या भले अपने अपने फायदों के कारण शासन-प्रशासन में महत्वपूर्ण जगहों पर बैठे लोग न समझते हों, लेकिन देश के आम लोग जो इस बाढ़ से हर साल पीड़ित होते हैं, वो बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। इसलिए साल 2025 की सामान्य से बेहतर बारिश खुशियों के साथ जो समस्याओं पुलिंदा लेकर आयी थी, उसके बारे में अब गंभीरता से सोचना होगा, नहीं तो इस आपदा को लेकर हमारा यह चालू रवैय्या हमें हमेशा के लिए इसके साथ नत्थी कर देगा।

चिंतन

हम सब जानते हैं कि भारत आज भी मूलतः कृषि प्रधान देश है। भले हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया में चौथे पायदान पर पहुंच गई हो और इस अर्थव्यवस्था में कृषि की हिस्सेदारी सिर्फ 18.2 फीसदी हो, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि देश की अभी भी 42 फीसदी आबादी सीधे तौर पर और करीब 10 फीसदी आबादी अप्रत्यक्ष तौर पर कृषि पर ही निर्भर है। इस तरह देखें तो खेती अभी भी आधे से ज्यादा भारतीयों की जीविका है। हमारे यहां बारिश का होना इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि आज भी आधे से ज्यादा खेती मानसून पर ही टिकी है और देश में पेयजल का भी 60 फीसदी से ज्यादा आधार बारिश का पानी ही है। इसके अलावा देश में जो जलविद्युत बनती है, उसके लिए भी बारिश का होना बहुत जरूरी है। इसलिए भारत जैसे देश में मानसून का जल्दी आना जैसे इस साल आया अच्छी खबर मानी जाती है। मौसम विभाग के अनुसार बीते साल जून से सितंबर के बीच 106 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। बारिश की सामान्य परिभाषा में 87 सेंटीमीटर का दीर्घकालिक औसत के 96 से 104 प्रतिशत के बीच माना जाता है।

इस बार अधिकांश क्षेत्रों में सामान्य से अधिक बारिश की संभावना है। जबकि कुछ क्षेत्रों में बारिश कुछ कम भी हो सकती है, जिनमें बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओड़िसा के कुछ हिस्से, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु जैसे राज्य शामिल हैं। सवाल है क्या यह औसत से ज्यादा बारिश का अनुमान खेती के लिए खुशहाली की सूचना है? इसका जवाब 'हां' में भी है और 'न' में भी। क्योंकि अनुभव बताता है कि ज्यादा बारिश अपने यहां दुधारी तलवार की तरह है। यह खेती के लिए खुशखबरी भी हो सकती है और कई बार यह खेती के लिए परेशानी का सबब भी बनती है। बीते साल करीब 10 दिन पहले मानसून सक्रिय हो गया, इसलिए जुलाई के महीने में होने वाली खरीफ फसल बुआई का रकबा पिछले साल के मुकाबले 11.3 फीसदी बढ़ गया और जून की आखिरी तारीख तक ही 26.2 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ की बुआई हो चुकी थी। विशेषकर धान, सोयाबीन और तिलहनों का रकबा बढ़ा है। बुआई के साथ साथ जलाशयों, नदियों और भूमिगत जल के स्तर में तेजी से पुनर्भरण हुआ है, जिससे रबी की फसल में आम सालों की तरह सिंचाई की कम जरूरत पड़ी। यही नहीं जून और मई के महीनों में औसत से कम गर्मी पड़ी है। मध्य भारत में विशेष तौरपर तापमान 4 डिग्री तक कम रहा है, जिससे गत वर्ष भीषण गर्मी वाले दिन यानी 'नौतपा' भी बाकी सालों के मुकाबले कम गर्म रहे। इस तरह मध्य भारत को बीते साल गर्मी से किसी हद तक छुटकारा मिला था। इस साल मानसून कैसा रहेगा? कितनी गर्मी पड़ेगी इस संदर्भ में आईएमडी के अनुमान अभी आने हैं। लेकिन समय से पहले बारिश आने से सबकुछ अच्छा-अच्छा ही नहीं सोचा जा सकता।

गुजरात में बीते साल 135 फीसदी तक यानी सामान्य से 30 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। चूंकि इतनी ज्यादा बारिश महज 20 दिनों के अंतराल में हुई, इसलिए इसकी तीव्रता, बारिश के पानी का प्रवाह फसलों के लिए फायदेमंद नहीं रहा। गुजरात में ही नहीं महाराष्ट्र के पुणे और मराठवाड़ा जिले में भी ज्यादा बारिश के कारण ज्वार, बाजरा, मूंगफली जैसी फसलों का 60 से 70 फीसदी तक नुकसान हुआ। इन सब बातों को देखते हुए अगर साल 2025 में कम या ज्यादा के होने वाले नुकसानों के प्रति संवदेनशील नहीं हुए तो आने वाले वर्षों में हमारे लिए यह लापरवाही बहुत भरी साबित होगी। देश में विशेषकर उत्तर और पश्चिम भारत में गर्मी का सीजन शुरू हो चुका है। अप्रैल के पहले हफ्ते तक गर्मी सामान्य रही है, लेकिन गर्मी, वर्षा और सर्दी कब करवट बदल ले कुछ कह नहीं सकते हैं। इसलिए सरकार को प्राकृतिक आपदाओं और मौसम की प्रतिकूलता से बचाव के लिए स्थायी उपाय विकसित करना होगा। अन्यथा प्राकृतिक आपदायें बड़ी जन-धन हानि का कारण बनती रहेंगी।

सोशल मीडिया

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक श्री राजेश बहेलिया जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। मेरी गहन संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारीजनों के साथ हैं। केशव प्रसाद मौर्य.

साहिल के शरीर में दो सौ छर्रे हैं, उनकी आंख में तीन छर्रे हैं, ये पैलेट गन किसने चलायी, किसके आदेश पर चलाई गयी, स्पष्ट है कि जंतर मंतर पर अपराध हुआ है। प्रियंका गांधी.

भाजपा में पीडीए स्थान तो पा सकता है लेकिन सम्मान नहीं, पीडीए के लोग यदि अपने-अपने स्वार्थ छोड़कर एकजुट हो जायें तो पीडीए सरकार सदैव क लिए आ जाये। अखिलेश यादव.

मनुष्य की उदारता

अंतर्दृष्टि

लोक कल्याण का भाव हर इंसान में होना चाहिए। उदार व्यक्ति को अपनी सुविधाओं में कमी करके लोक की भलाई के लिए कुछ प्रयास अवश्य करने चाहिए। आत्म निग्रह में अस्वाद व्रत, उपवास, ब्रह्मचर्य, मौन, सर्दी-गर्मी के ॠतुप्रवाह का सहन, सादगी, मितव्ययता, दिनचर्या निर्धारण और उसका कड़ाई से पालन। जैसी शरीर और मन की पुरानी अवांछनीय आदतों पर रोक थाम के लिए बरती हुई कड़ाई तप के साधना के तितीक्षा वर्ग में आती है। दान, पुण्य, सेवा, सहायता, सामूहिक सत्कर्मो में सहयोग, लोक कल्याण की प्रवृत्तियों में रस लेना और उसके लिए समय, श्रम एवं धन का एक अंश नियमित रूप से लगाना। अनीति के विरूद्ध संघर्ष करने में लगने वाली चोटों को सहने के लिए साहस एकत्रित करना। उदारता के कारण अपनी सुविधाओं में कमी के लिए तैयार रहना। इसमें अप्रतिष्ठता एवं संबंधियों के स्वार्थों में कमी आने से उनकी नाराजगी सहने को प्रस्तुत रहना। लोक प्रवाह से विपरीत चलने के कारण उपहार अपमान, विरोध एवं प्रहार की संभवना मान कर चलना और उनका धैर्य पूर्वक सामना करना। इस प्रकार की कष्ट सहिष्णुता तप साधना का दूसरा चरण है। तीसरे तप वर्ग में विभिन्न प्रकार के साधनात्मक कर्मकाण्ड आते हैं। जप, ध्यान, प्राणायाम, देवपूजा, संध्या अनुष्ठान, पुरश्चरण आदि अनेकों सम्प्रदयों में प्रचलित अनेकों विधि विधान इसी उपासना वर्ग में आते हैं। योग साधना के चार और तप साधन के तीन कुल मिलाकर अध्यात्म के सात सोपान हैं। इन्हीं को सप्तलोक, सप्तॠषि, सप्तमहाव्रत कहा गया है। सप्त द्वीप, सप्त समुद्र सप्त शिखर, सप्त रत्न, सप्त धातु, सप्त सूर्य किरणें, सप्ताह आदि की संगति इन्हीं सात सोपानों से मिलती है। विभिन्न अलंकारों के साथ इन्हीं सात तथ्यों को मनीषियों ने विभिन्न प्रतिपादनों के साथ प्रतिष्ठापित करने का प्रयास किया है। आध्यात्म के ज्ञान पक्ष और विज्ञान पक्ष को समझने के लिए जो अनेकानेक शास्त्र पढ़ाने को और विद्वानों के प्रवचन प्रतिपादन सुनने को मिलते हैं, उनमें इन सात महातथ्यों के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। यदि उन्हें सही रीति से समझा और अपनाया जा सके तो मनुष्य में देवत्व का अवतरण हो सकना सुनिश्चित है। विज्ञान पक्ष की साधना में तपश्चर्या को केन्द्र मानकर चलने वाले विधि विधानों का उद्देश्य- प्रसुप्ति से निवृत्ति मूर्छना से मुक्तिद्ध इसके लिए गर्मी उत्पन्न करनी पड़ी है। गर्मी पाकर प्रसुप्ति से मुक्ति मिलती है। सूर्योदय की बेला निकट आने पर प्राणियों की निद्रा टूटती है और वे जागते उठते एवं कार्यरत होते हैं। रात्रि में कलियां सिकुड़ी पड़ी रहती हैं, पर जैसे ही सूर्य निकलता है वे हंसने खिलने लगती हैं। मानवी सत्ता के अन्तर्गत बहुत कुछ है। अत्युक्ति न समझी जाये तो यह भी कहा जा सकता है कि सब कुछ है। किन्तु है वह मूर्छित। इस मूर्छना को जगाने के लिए धूप, आग, बिजली आदि से उत्पन्न बाहरी गर्मी से काम नहीं चलता।

ये रिश्ता क्या कहलाता है...

व्यंग्यलोक

दुनिया भर में बड़े-बड़े भूकम्पों और भूचालों के बीच बाबा तुम पूछ रहे हो कि यह रिश्ता क्या कहलाता है। रिश्ते बनते हैं, बिगड़ते हैं। कुछ रिश्ते खून के नहीं होते हैं और इसी कारण उनको नाम देना परेशानी का सबब बना रहता है। हालांकि जब तक रिश्ता बना रहता है तब तक उसमें चाश्नी से भी अधिक मिठास मिलती रहती है। जहां रिश्ते में खटास पड़ी की दूध से मक्खी की तरह नाता तोड़ देना पड़ता है। बिना रिश्ते के तो लिव इन रिलेशनशिप में भी रहना पड़ता है। इस रिश्ते को भी कोई नाम नहीं दिया जाता है क्योंकि समाज की मान्यता का ठप्पा नहीं लगा रहता है। लोग पूछते जरूर हैं कि ये रिश्ता क्या कहलाता है, लेकिन इसका जवाब वे भी खुलकर नहीं दे पाते हैं। कुछ कुछ ऐसा ही इस रिश्ते में भी रहता है। जाहिर सी बात है कि तुम भी यह सब जानते हो लेकिन बहुत भोले बन रहे हो। वैसे तुम इतने नादान हो नहीं। तुम्हारा तो ऐसे रिश्तों से शतकों से नाता रहा है। तुम्हें यदि नहीं मालूम है तो अपने घर के बड़े-बूढ़े, नाते-रिश्तेदारों, आस-पास वालों से ही पूछ लो। क्या तुम्हें नहीं मालूम कि ये रिश्ता क्या कहलाता है। क्या तुम्हारे कभी ऐसे कोई रिश्ते नहीं रहे। सच बताना और क्या तुम बता सकोगे कि तुम्हारे जो रिश्ते थे, उन्हें तुम कोई नाम दे पाए थे या फिर आज अगर मैं पुछूं तो क्या बता पाओगे कि तुम्हारा वह वाला रिश्ता क्या कहलाता था। और एक बात और बताओ कि क्या तुमने भी कोई रिश्ता बनाकर नहीं रखा है। हो सकता है कि तुम्हें रिश्ते के योग्य तब नहीं माना गया हो लेकिन तुम्हारे साथ कोई तो थे जिन्होंने रिश्ते बनाकर रखें थे। सभी को रिश्ते बनाने पड़ते हैं। नहीं भी चाहेंगे तब भी रिश्तेदारी बन जाती है और निभ भी जाती है। बिना रिश्ता बनाए आखिर कौन सर्वाइव कर पाता है। एक दूसरे का अस्तित्व ही इन अनाम से रिश्तों में छुपा रहता है। पतंग संग डोर भी तो जरूरी है। बिना पतंग डोर की कोई वैल्यू नहीं है और ठीक इसी तरह बिना डोर पतंग भी कैसे हवा में आकाश की ऊंचाई को छू सकती है। जानता हूं कि तुम्हें मालूम है कि ऐसे रिश्ते क्या कहलाते हैं लेकिन तुम्हारी भी तो मजबूरी है। वैसे तुम खुद ही बता सकते हो कि यह रिश्ता क्या कहलाता है, लेकिन तुम बताओगे नहीं और जिनके सामने यह राज उगलवाना चाहते हो, क्या वे नासमझ हैं। उन्हें नासमझ समझने की भूल मत करना बाबा और जो कर रहे हैं, उन्हें भी नहीं करना चाहिए। रिश्ते खंगाले जाते हैं। रिश्ते खंगालना जग की रीत है बाबू। सबका अपना समय आता है, रिश्ते बनते हैं और टूटते हैं। खून के रिश्तों की तरह ये अटूट तो होते नहीं। कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जिन्हें भले ही सामाजिक मान्यता न मिलें तब भी वे रिश्ते रिश्ते ही होते हैं। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आप उस रिश्ते को क्या नाम देते हो!

डॉ. प्रदीप उपाध्याय

बारिश का मौसम और आई फ्लू का खतरा

स्वास्थ्य

डॉ.माजिद अलीम

मानसून के मौसम में हवा में नमी के कारण बैक्टीरिया, वायरस और एलर्जी पैदा करने वाले तत्व तेजी से पनपते हैं। इस मौसम में सबसे ज्यादा खतरा आंखों को ही रहता है। मई-जून की तपती गर्मी और तेज धूप सितंबर के महीने में भी आंखों को प्रभावित करती है। यही वजह है कि इस मौसम में कंजक्टिवाइटिस या आई फ्लू एक ऐसी आम बीमारी है, जिसमें आंखें बहुत लाल हो जाती हैं और आंखों में लगातार जलन होती है। मानसून के दौरान नम मौसम के कारण सौंदर्य प्रसाधनों और कॉन्टैक्ट लैंस पर बैक्टीरिया जब तेजी से पनपते हैं, उसमें धूल और प्रदूषकों से मिला बारिश का पानी, आंखों में जलन पैदा करके संक्रमण फैलाने वाले रोगाणुओं की वजह बन जाता है।

इस मौसम में कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो इससे काफी हद तक बचाव हो सकता है। आंखों का सफेद भाग और पलक के अंदरुनी हिस्से को कंजक्टिवा कहा जाता है। आंखों के इसी भाग में जलन, लाली और सूजन होने पर कंजक्टिवाइटिस होता है। पलकों के आसपास की त्वचा लाल हो जाती है और आंखें सूज जाती हैं, इनमें पस बन जाती है और पस की वजह से ही आंखों में सूजन होती है।

बैक्टीरिया की वजह से आंखों में जमी गंदगी से आंखों में जलन होती है। यह काफी तकलीदेय बीमारी होती है। यदि कंजक्टिवाइटिस होने पर धूप या तेज रोशनी में जाते हैं तो आंखों को खोलने में बहुत कष्ट होता है, उनमें दर्द होता है। कभी-कभी आंखों की पुतलियों पर दाने पड़ जाते हैं। संक्रमण यदि ज्यादा बढ़ जाए तो वातावरण में मौजूद दूसरे बैक्टीरिया भी आंखों को प्रभावित करते हैं, जिसकी वजह से आंखों से गाद निकलती है। आंखों से निकलने वाला यह कीचड़ ज्यादा हो जाए तो पलकें चिपक जाती हैं। घर में यदि किसी को कंजक्टिवाइटिस हो जाए तो यह संक्रमण परिवार के दूसरे सदस्यों में भी तेजी से फैलता है। मानसून में आंखों के संक्रमण से कैसे बचाव करें आइये जानें-

- कंजक्टिवाइटिस होने पर तुरंत डॉक्टर से मिलें। डॉक्टर की सलाह के बगैर आंखों में कोई ड्रॉप न डालें, घरेलू उपचार तो बिल्कुल न करें, समय पर इसका इलाज करें।
- भले ही बारिश का मौसम हो, लेकिन बाहर निकलने से पहले सनग्लासेस लगाएं। धूप के साथ-साथ धुएं और गंदगी के कारण होने वाली एलर्जी से बचाव होता है। सनग्लासेस डार्क कलर के हों। यदि आई फ्लू हो जाए तो घर में भी यह चश्मा लगाकर रखें।
- आंखों को बार-बार गंदे हाथों से न छुएं। यदि आई फ्लू हो जाए, तो किसी के साथ अपना चश्मा, तौलिया या रुमाल शेयर न करें। हाथों को बार-बार धोएं। अगर घर में किसी को आई फ्लू हो जाए तो टीवी और एसी के रिमोट और दरवाजे और फ्रिज के हैंडल छूने के बाद अपने हाथों को अच्छी तरह धोएं। इन तमाम चीजों को डिटॉक्स करें।
- बारिश के मौसम में वाटरप्रूफ आई मेकअप जैसे आइलाइनर या मस्कारा पलकों की रेखाओं पर जमा हो जाते हैं और वहां मौजूद ग्रंथियों को बंद कर देते हैं। उन ग्रंथियों से ऐसे पदार्थ बनते हैं, जो हमारी पलकों और आंखों को रुखेपन और संक्रमण से बचाते हैं। इसलिए आंखों के मेकअप को सोते समय अच्छी तरह से हटाएं।
- मेकअप के पुराने सामान में बैक्टीरिया और वायरस होते हैं, इससे भी कंजक्टिवाइटिस जैसा संक्रमण फैल सकता है। इसलिए आंखों के मेकअप का सामान तीन महीने से ज्यादा पुराना नहीं होना चाहिए। अपने आंखों के मेकअप के ब्रश को किसी के साथ शेयर न करें। उसे इस्तेमाल करने से पहले बार-बार अच्छी तरह साफ करें। अपने आईलाइनर, काजल या मस्कारा किसी के साथ शेयर न करें।
- यदि कंजक्टिवाइटिस के लक्षण दिखें जैसे- आंखें लाल होना, उनमें जलन होना, खुजली होना, तो अपनी मर्जी या कैमिस्ट के कहे अनुसार आंखों में किसी दवाई का इस्तेमाल न करें। किसी भी आंख की समस्या के गंभीर होने का इंतजार न करें। डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

आपकी बात

गरीबों का इलाज

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चाहे जितने दावे किये जायें, लेकिन हकीकत यह है कि प्राथमिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक में लोगों को ठीक से इलाज नहीं मिल पाता है। इसके कारण ही लोगों को लखनऊ तक दौड़ भाग करनी पड़ती है। अगर स्वास्थ्य सेवा के शुरुआती चरण में बेहतर इलाज का इंतजाम हो जाये तो राजधानी में लोग इलाज के लिए भटकते नहीं मिलेंगे। लेकिन जिस तरह से अस्पतालों में भीड़ उमड़ती है उससे स्पष्ट है कि प्राथमिक स्तर पर चिकित्सा सेवा पूरी तरह बदहाल हो चुकी है। सरकारी अस्पतालों की दुर्दश का आलम यह है कि यहां अधिकांश मरीजों को बिना उचित इलाज के ही लौटना पड़ता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के नेटवर्क में जिला स्तर पर जिला अस्पताल, तहसीलों में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं ब्लाक स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संचालित हैं, लेकिन इन प्राथमिक स्तर पर चिकित्सा सेवाओं की बदहाली के कारण प्रायः बड़े अस्पतालों में जहां गंभीर मरीजों का इलाज होना चाहिए वहां छोटी-मोटी बीमारियों का इलाज कराने के लिए मरीजों का रेला उमड़ता रहता है। इससे बड़े अस्पतालों में साधारण मरीजों का ही इतना भार रहता है कि ठीक से इलाज मुश्किल हो जाता है। प्राइवेट चिकित्सा सेवा इतनी महंगी है कि यहां कोई फीस ही तय नहीं है। यहां इलाज कराना आम आदमी के हैसियत की बात नहीं है। प्राइवेट अस्पतालों में अगर वाजिब भुगतान पर इलाज मिलता तो निश्चित रूप से बहुत से मरीज जो इलाज के लिए पूरी तरह सरकारी स्वास्थ्य सेवा पर निर्भर हैं वे प्राइवेट अस्पतालों में भी जाते।

आनन्द कुमार त्रिपाठी, लखनऊ.

एजेंसियों की कार्यप्रणाली

शहरी गरीबों को घर उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना एक ऐसा मिशन बन गयी है जिसे आवास एजेंसियां अगर ईमनदारी से लागू करें तो वास्तव में अगले कुछ वर्षों में सबको आवास का सपना साकार हो सकता है। प्रदेश में इस साल करीब डेढ़ लाख आवास इस योजना के तहत बनाने का फैसला किया गया है। अगर सरकार इस योजना के तहत गरीबों को आवास देने में सफल होती है तो बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। वैसे इस योजना के तहत जो सरकारी एजेंसियां घर बनाती हैं उसमें करीब ढाई लाख रुपये की छूट मिल जाती है और इससे गरीबों को बहुत फायदा होता है। प्रधानमंत्री आवास योजना में शहरी क्षेत्रों में एक करोड़ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दो करोड़ नये घर बनाकर सरकार सबको घर उत्पलब्ध कराना चाहती है, लेकिन आवास विकास करने वाली एजेंसियों की कार्यप्रणाली इतनी सुस्त रही है कि इनके बलपर गरीबों को आवास मिलना बहुत चुनौतीपूर्ण रहा है। पीएम आवास योजना पूरे देश में अपने लक्ष्य से बहुत पीछे चल रही है। उत्तर प्रदेश में आवास विकास, सूडा व विकास प्राधिकरणों की कार्यप्रणाली में इतनी लचरता है कि पात्रों के चयन से लेकर घर बनाने और गरीबों को देने में इतना विलंब होता है कि कई बार बने हुए घर पजीशन देते-देते जर्जर स्थिति में आ जाते हैं। एक-एक प्रोजेक्ट पांच-पांच, छह-छह साल तक निर्माणाधीन स्थिति में पड़े रहते हैं। यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। वह भी तब जब निर्माण गतिविधियों से रोजगार में भारी वृद्धि होती है और अर्थव्यवस्था को भी बल मिलता है तब हाउसिंग प्रोजेक्ट में इतनी देरी समझ से परे है। घरों के निर्माण में इतनी ही देरी होती रही तो लक्ष्य प्राप्त करना असंभव है। अगर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश में हर साल 50 लाख घरों का निर्माण होता रहे तो अगले चार-पांच साल में सभी को घर मिल सकता है। उत्तर प्रदेश में फिलहाल हाल के वर्षों में इस योजना काम तेज हुआ है और लाखों गरीबों को घर मिला है। यह अच्छी बात है लेकिन जिस तरह से सरकारी एजेंसियों की कार्यप्रणाली है उससे लोगों को निराश होना पड़ता है।

विनोद कुमार प्रजापति, लखनऊ.

संक्षेप

जनता दर्शन में सुनी गयीं जन समस्याएं

बहराइच । पुलिस अधीक्षकश्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया । जनसुनवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी उपस्थित रहे है।

ईवीएम वेयर हाउस का डीएम ने किया मासिक निरीक्षण

बहराइच । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार के साथ जिला निर्वाचन कार्यालय परिसर में स्थित इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण कर ईवीएम की सुरक्षा इत्यादि का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सी.सी.टी.वी. कैमरे क्रियाशील पाये गये तथा वेयर हाउस भवन मानक के अनुसार फायर एक्सटिंग्यूशर स्थापित पाये गये। इस अवसर पर प्रभारी इवीएम अधिशासी अभियंता जल निगम सूरज वर्मा, अवर अभि. जल निगम संदीप कुमार जायसवाल तथा निर्वाचन कार्यालय से प्रधान सहायक शैलेन्द्र सिंह व अन्य सम्बन्धित स्टाफ मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन सश्रम कारावास

बहराइच। बहराइचवादिनी मुकदमा द्वारा थाना को0देहात पुलिस को विपक्षी द्वारा बेटी से छेड़छाड़ व दुष्कर्म के प्रयास तथा विरोध करने पर वादिनी से मारपीट के संबंध में सूचना दी गयी जिसके संबंध में थाना को0देहात में दिनांक 25.09.2024 को मु0अ0सं0 528/24 धारा 74, 115(2), 352, 351(3) बीएनएस व 7/8 पॉक्सो एक्ट पंजीकृत किया गया । तत्कालीन विवेचक उ0नि0 रवि कुमार यादव द्वारा साक्ष्य संकलन, पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ* एवं *पुलिस अधीक्षक बहराइचश्री विश्वजीत श्रीवास्तव* के निर्देशन में ₹ऑपरेशन कन्विक्शन" के अन्तर्गत चिन्हित अपराधों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा अधिकतम/त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके क्रम में उक्त अभियोग में माननीय न्यायालय / पीठासीन अधिकारी श्री सुनील कुमार-क्क (अपर सत्र न्यायाधीश, एफ0टी0सी0 द्वितीय/ रेप एण्ड पॉक्सो एक्ट कोर्ट नं0-1 बहराइच) द्वारा प्रभारी थाना को0देहात, मॉनीटरिंग सेल पुलिस कार्यालय बहराइच, अभियोजक श्री सुरेन्द्र कुमार मौर्या (विशेष लोक अभियोजक, पाक्सो), कोर्ट मोहर्रिर म0आ0 बबिता पाण्डेय तथा थाना पैरोकार का0 शाहरुख की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप दिनांक- 25.08.2026 को दोषी अभियुक्त कमल कुमार मिश्रा उपरोक्त को दण्डित किया गया।

नशा उन्मूलन चौपाल का आयोजन

जिला संवाददाता

बहराइच। महामना मालवीय मिशन अवध के तत्वावधान में आज पौराणिक शिवालय बाग शिव मंदिर परिसर में पर्यावरण जल संरक्षण व नशा उन्मूलन चौपाल का आयोजन किया गया तथा परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण जल संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। बहराइचमहामना मालवीय मिशन अवध के तत्वावधान में आयोजित जल पर्यावरण संरक्षण नशा उन्मूलन विषयक चौपाल को संबोधित करते हुए उपजिलाधिकारी नानपारा प्रकाश सिंह ने कहा कि , पर्यावरण संरक्षण मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण व जीवनों उपयोगी विषय है बिना सुध वातावरण व सुध पेय जल के मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है हम सब का दायित्व बनता है कि खाली पड़े निजी व सार्वजनिक स्थलों पर अधिकाधिक संख्या में वृक्षारोपण कर उनका संरक्षण भी करें ताकि पर्यावरण व पेय जल मनवा अनुकूल बना रहे सके।

संजीव श्रीवास्तव एडवोकेट ने बताया कि पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए समूचे तराई इलाकों में विशेषकर सरयू नदी के तटीय इलाकों में पंचवटी प्रजाति के वृक्षों का रोपण कर स्थानीय जन सहयोग से रोपित वृक्षों के संरक्षण का प्रभावी प्रयास किया जा रहा है तथा नशा उन्मूलन विषयक को लेकर जगह जगह चौपाल का आयोजन कर लोगों को नशा से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया जा रहा है। ब्लॉक प्रमुख शिवपुर सुधीर याज्ञसेनी ने बताया कि, पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सहयोग से जगह जगह वृक्षों के रोपण कर पर्यावरण विषयक जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है।

संघ विचारक अशोक कुमार ने बताया कि , समूचे परिक्षेत्र में अवैध नशा क्रय विक्रय उपभोग व उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है इसपर प्रभावी नियंत्रण के लिए जन जागरण अभियान चलाकर लोगो को नशा से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में सचेत किया जा रहा है। आयोजित परिचर्चा का संचालन पर्यावरण विद अनिल पाण्डेय ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन किसान नेता सरदार सुखविंदर सिंह ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीठाधीश्वर शिवालय बाग महंत वीरेंद्र गिरी जी महाराज ने किया। समापन अवसर पर मंदिर परिसर में वन विभाग नानपारा के तत्वावधान में पंचवटी व हरिशंकरी प्रजाति के वृक्षों का रोपण कर पर्यावरण व जल संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया। आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डिप्टी रेंजर नानपारा अमित पाण्डेय , भाजपा नेत्री रेखा पाण्डेय, धर्मेन्द्र गुप्ता एडवोकेट आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

फीस के नाम खेल, अभियुक्त गिरफ्तार

बहराइच। बहराइच पुलिस अधीक्षकश्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा वारण्टी/ वांछित की गिरफ्तारी हेतु दिये गये निर्देशों के अनुपालन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी महसी श्री पवन कुमार के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष रामगांव दिवाकर तिवारी के नेतृत्व में गठित टीम को फीस के नाम पर लाखों रुपये की धनराशि लेकर कूटरचित शैक्षणिक दस्तावेज उपलब्ध कराने के अभियोग में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार करने में मिली सफलता। शिकायतकर्ता रवि प्रताप पुत्र राममति, निवासी ग्राम पुरैना वाजिद, थाना कोतवाली उतरौला, जनपद बलरामपुर द्वारा पुलिस अधीक्षक, बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के समक्ष प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर सूचना दी गई कि नन्दा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस एण्ड टेक्नालॉजी, बहराइच में विद्यार्थियों से फीस के नाम पर लाखों रुपये की धनराशि ली जा रही है तथा कूटरचित शैक्षणिक दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिसके संबंध में थाना रामगांव पर मु0अ0सं0 301/2026, धारा 419/420/467/468 भा0द0सं0 पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। विवेचना के क्रम में समस्त अभिलेखों का निरीक्षण करते हुए विवेचना में प्राप्त तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में नामजद अभियुक्त प्राचार्य सुरेन्द्र कुमार सिंह उर्फ सुरेन्द्र राठौर पुत्र दीप सिंह, नन्दा इंस्टीट्यूट, नानपारा रोड, तैबाजोत, बहराइच, मूल निवासी धनावा, थाना खैरीघाट, जनपद बहराइच को हिरासत में लिया गया तथा अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए रवाना किया गया।

कानपुर के बाद देवीपाटन मंडल में कब होगी आरटीओ कार्यालयों पर कार्रवाई

एस पी मिश्रा

बहराइच। राजधानी से सटे कानपुर के आरटीओ कार्यालय में छापेमारी के दौरान ड्रोन कैमरे से दलालों पर निगरानी और कार्रवाई ने परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। कार्रवाई के दौरान दो बाबुओं समेत 15 लोगों के खिलाफ एफआईआर और 11 गिरफ्तारियां इस बात का संकेत हैं कि कार्यालयों में दलालों के नेटवर्क पर शिकंजा कसने के लिए सख्त कार्रवाई जरूरी है। अब सवाल यह है कि देवीपाटन मंडल के जिलों में ऐसी कार्रवाई कब होगी?

बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा और बलरामपुर के परिवहन कार्यालयों को लेकर समय-समय पर दलालों के सक्रिय होने और आम लोगों को परेशान किए जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। शिकायतें जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचती हैं, लेकिन कार्रवाई की स्थिति आते-आते अचानक सब कुछ ह्लऑल इज वेलह्व कैसे हो जाता है, यह अपने आप में बड़ा सवाल है। आम आदमी को ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, फिटनेस, परमिट और अन्य परिवहन संबंधी कार्यों के लिए कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। ऐसे में यदि कार्यालय परिसर में दलालों की सक्रियता बनी रहती है तो विभागीय व्यवस्था और पारदर्शिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कानपुर में हुई कार्रवाई के बाद अब निगाहें देवीपाटन मंडल पर हैं। क्या यहां भी निष्पक्ष जांच होगी? क्या कार्यालय परिसरों में सक्रिय दलालों की पहचान की जाएगी? और यदि शिकायतें पहले से मौजूद हैं तो उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? जरूरत इस बात की है कि जांच केवल छोटे कर्मचारियों या बाहरी लोगों तक सीमित न रहे, बल्कि यह भी पता लगाया जाए कि दलालों को कार्यालय के भीतर काम करने की सुविधा आखिर किसकी शह पर मिलती है। यदि शिकायतें बार-बार आती हैं और कार्रवाई से पहले ही सब कुछ सामान्य हो जाता है, तो कारण साफ है– जवाबदेही तय किए बिना व्यवस्था में सुधार संभव नहीं।

कानपुर की कार्रवाई को महज एक घटना न मानकर देवीपाटन मंडल के परिवहन कार्यालयों में भी अचानक और निष्पक्ष जांच की जरूरत है।

एसपी के दरबार में मिला पीड़िता को इंसाफ

होटल मालिक व गुंडई दिखाकर मारपीट करने वाली 4 महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शहजाद अंसारी

बिजनौर। होटल पर नकली दूध से मिलावटी मिठाई व घरेलु गैस का प्रयोग करने की शिकायत पर शिकायतकर्ता शगुफ्ता अंजुम के साथ मारपीट के मांमले में एसपी के आदेश पर नगीना पुलिस ने मिलावटखोर होटल मालिक व उसके भाई एंव गुंडई दिखाने वाली साजिया, शमसीदा, शाईस्ता व हीना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाही शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक बिजनौर के समक्ष पेश होकर सोमवार को थाना नगीना क्षेत्र के ग्राम कल्याणपुर निवासी कुमारी शगुफ्ता अंजुम ने एक शिकायती पत्र देते हुए बताया था कि उसने 06 अगस्त 2026 को कांवड यात्रा मार्ग धामपुर रोड कल्याणपुर सेंटर पर युनुस स्वीट्स एण्ड बेकर्स एण्ड कन्फेक्शनरी के नाम से चल रहे होटल पर नकली दूध से मिलावटी मिठाई एंव अन्य खाद्य पदार्थ बनाने एंव होटल में घरेलु गैस प्रयोग करने की शिकायत की थी। दिनांक 18 अगस्त की सुबह उसके मोबाइल नम्बर पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कॉल आया और अन्होने कहा कि तुम्हारी शिकायत की जांच करने में दोपहर को होटल पर आऊंगा जब मैं कॉल करुंगा आप मौके पर मिलना। खाद्य सुरक्षा अधिकारी के कहने पर जब वह दोपहर लगभग 2 बजे होटल पर पहुंचकर अपने बयान देने लगी तो आरोपी होटल स्वामी शहबाज, फैजान पुत्रगण युनुस ने रंजिश के तहत शहबाज ने अपनी पत्नी शाईस्ता व फैजान ने अपनी पत्नी हीना व अपनी मां शमसीदा व बहन साजिया पुत्री युनूस को होटल पर बुला लिया और उसके व उसकी मां के साथ गाली गालौच करते हुए लात व घूसो से मारपीट की। घटना की सूचना मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने डायल 112 को दी लेकिन देर होने के कारण पीडिता अपनी मां के साथ कार्रवाही के लिए नगीना थाना पहुंच गई। पडिता शगुफ्ता अंजुम ने थाने पहुंचकर वहा बैठे एसएसआई सुखरम पाल राणा को अपने साथ घटी पूरी घटना बताई। पीडिता की बात सुनकर घटना की सच्चाई जानने के लिए एसएसआई सुखरम पाल राणा ने मंझेड़ा पुलिस चैकी इंचार्ज प्रवीण कुमार व सिपाही आरिफ को घटना स्थल पर भेजा और होटल में लगे सी0सी0टी0वी केमरे से वीडियो मंगवाई। पीडिता का आरोप है कि लिखित शिकायती पत्र लेने एंव बार बार उसका व उसकी मां का मेडिकल मुआयना कराने लिए कहने के बावजूद एसएसआई ने मेडिकल नही कराया। पीडिता ने थाने से ही डायल 1090 को कॉल कर अपने साथ घटी पूरी घटना बताते हुए मेडिकल मुआयना कराने के लिए मदद मांगी। शिकायत के बाद पीडिता का मेडिकल मुआयना कराया गया। एसएसआई सुखरमपाल राणा ने मेडिकल मुआयना कराने के बाद पीडिता को थाने की पर्ची देकर यह कहते हुए टरका दिया कि जब हम कार्रवाही के लिए तुम्हे बुलायेंगे तुम थाने आ जाना। एसएसआई ने आरोपियों से हमसाज होकर दो दिन बाद 20 अगस्त को आरोपियों की ओर से ही पीडिता व उसकी मां के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कर लिया। पीडिता शगुफ्ता अंजुम ने एसएसआई सुखरमपाल राणा के कारनामें की पूरी कहानी पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई को बताते हुए आरोपीगणों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने एंव आरोपियों से हमसाज होकर पीडितों के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करने वाली नगीना पुलिस की गोपनीय जांच कराकर दोषी पुलिस के खिलाफ कडी कार्रवाही की मांग की।

रक्षाबंधन : बसों के लिए एआरटीओ ने जारी की सख्त गाइडलाइन

महोबा। भाई-बहन के पवित्र त्योहार रक्षाबंधन को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। त्योहार के दौरान बहनों की यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए 25 अगस्त 2026 को एआरटीओ दयाशंकर ने एक विशेष अभियान चलाया। इसके तहत एआरटीओ कार्यालय, स्थानीय रोडवेज बस स्टैंड और परमानंद तिराहे पर बस मालिकों, चालकों और परिचालकों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें की गईं। बैठक में एआरटीओ दयाशंकर ने कड़े तेवर दिखाते हुए वाहन स्टाफ को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान बसों में यात्रियों, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोपरि है। यात्रा के दौरान बसों में किसी भी तरह के अश्लील गाने नहीं बजाए जाएंगे। चालकों को सख्त चेतावनी दी गई कि वे शराब पीकर वाहन न चलाएं। इसके साथ ही परिचालकों को हिदायत दी गई कि वे महिलाओं व अन्य यात्रियों से सभ्य व्यवहार करें। त्योहार की भीड़ का फायदा उठाकर यात्रियों से अधिक किराया न वसूलें। एआरटीओ ने साफ तौर पर कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले बस मालिकों और चालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तांबेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया भंडारे का प्रसाद

फतेहपुर तांबेश्वर मंदिर मे अभिनव सिंह ने अपनी बहन की शादी की मन्नत पूरी होने पर भंडारे का आयोजन किया है। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं ने मंदिर में भगवान शिव के दर्शन-पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा। भंडारे में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। आयोजक की ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। लोगों ने कतारबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन में सहयोग करने वाले लोगों का आभार जताया। अभिनव सिंह ने बताया कि बहन की शादी की मन्नत पूरी होने पर श्रावण मास में भंडारे का आयोजन कराया। इस मौके पर अभिनव सिंह वन विभाग अजीत सिंह गोलू राम जी अनु काजल सिंह दीपशिखा संगीता सिंह सुधा सिंह दक्षता सिंह शांति सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने भंडारे की व्यवस्था में सहयोग किया और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित कराया।

बारिश के बीच निकली भाजपा की समरसता कलश यात्रा

बांदा। संत रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा ने समरसता संकल्प कलश यात्रा निकाली। सदर विधानसभा के शहर जजी चैराहा स्थित डा, भीमराव अम्बेडकर पार्क में यात्रा का समापन किया गया। सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत के नेतृत्व में खुरहंड से निकाली गई कलश यात्रा भारी वर्षा के बीच महुआ होते हुए बांदा पहुंची जहां रामलीला मैदान अलीगंज, जिला परिषद चैराहा, झंडा चैराहा, बलखंडीनाका चैराहा, महेश्वरी देवी मंदिर चैराहा, पीलीकोठी होते हुए जजी चैराहा पहुंची। यहां अम्बेडकर पार्क में समरसता कलश यात्रा का समापन किया गया। सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि संत रविदास के मानवता एवं भाईचारे के संदेश ने पूरे समाज को समानता का मार्ग दिखाया। उनके विचारों से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत ने कहा कि संत रविदास ने सामाजिक भेदभाव समाप्त कर समाज को जोड़ने का काम किया। कार्यक्रम के संयोजक संतोष नायक, जिला उपाध्यक्ष राजभवन उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष महुआ प्रेमस्वरुप द्विवेदी, जिला मीडिया प्रभारी उत्तम सक्सेना, पंकज रैकवार, राजेश गुप्ता रज्जन, चंद्रभूषण सोनी, इंद्रजीत राजपूत आदि मौजूद रहे।

शराब ठेके में मिला सेल्समैन का शव, हत्या की आशंका

बांदा। शराब ठेके पर काम करने वाले सेल्समैन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव ठेके के कमरे में तखत पर पड़ा मिला। घटना की जानकारी होते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। जनपद के बदौसा थाना क्षेत्र में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के पास स्थित देशी और अंग्रेजी शराब के कंपोजिट ठेके में यह घटना हुई। मृतक की पहचान गर्गपुर मौजा चंदौर निवासी दिनेश कुमार प्रजापति (32) पुत्र राममिलन उर्फ लल्लू के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर थानाध्यक्ष बदौसा राधाकृष्ण तिवारी और सीओ अतर्रा प्रतिभा सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। परिजनों के अनुसार, सोमवार सुबह जब लोग ठेके पर पहुंचे तो बाहरी बाउंड्री का दरवाजा अंदर से बंद था, जबकि अंदर कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। कमरे में तखत पर दिनेश का शव पड़ा मिला। शव मिलने की जानकारी से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक के पिता राममिलन ने आरोप लगाया कि शराब ठेके पर लगे सीसीटीवी कैमरे करीब तीन महीने से बंद थे। उनका आरोप है कि पैसों के लेनदेन को लेकर दिनेश पर दबाव बनाया जाता था और उसे धमकियां भी मिलती थीं। परिजनों का यह भी कहना है कि दिनेश को दिन-रात ठेके पर ही रहने के लिए मजबूर किया जाता था। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि कमलेश कुमार यादव के मुताबिक, दिनेश अविवाहित था और शारीरिक रूप से दिव्यांग होने के बावजूद करीब छह-सात वर्षों से शराब ठेके पर सेल्समैन का काम कर रहा था। वह अपने पिता का सबसे बड़ा पुत्र था और परिवार का सहारा था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा। पुलिस ने फॉरेंसिक साक्ष्य भी जुटाए हैं और परिजनों के आरोपों को भी जांच में शामिल किया जा रहा है।

उद्यमियों की समस्याओं का करें त्वरित समाधान: आयुक्त

बांदा। आयुक्त अजीत कुमार की अध्यक्षता में मयूर भवन सभागार में मंडल स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक हुई। बैठक में पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन, औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं की स्थिति, उद्यमियों द्वारा उठाई गई विभिन्न समस्याओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता एवं समयबद्धता के साथ निराकरण किया जाए। लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। भूरागढ़ औद्योगिक क्षेत्र में साफ-सफाई, सड़कों एवं नालियों की मरम्मत, प्रवेश द्वार पर बोर्ड एवं गेट लगाए जाने का कार्य पूर्ण न होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। भूरागढ़ औद्योगिक क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के संबंध में उद्यमियों द्वारा रखी गई समस्या पर अधीक्षण अभियंता विद्युत ने अवगत कराया। इसी प्रकार मटौंध से 33 केवी विद्युत लाइन को औद्योगिक क्षेत्र तक लाए जाने का कार्य अभी तक पूर्ण न होने के प्रकरण की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने तेजी लाने को कहा। आठ नए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के प्रस्ताव की भी समीक्षा की। अधिशासी अभियंता, यूपीसीडा के बैठक में अनुपस्थित रहने के कारण प्रकरण की विस्तृत समीक्षा नहीं हो सकी। पंजीकृत ट्रकों के परिवहन विभाग द्वारा चालान किए जाने के संबंध में उद्यमियों ने समस्या रखी। आयुक्त ने प्रवर्तन की कार्यवाही में अनावश्यक रूप से किसी उद्यमी अथवा वाहन स्वामी को परेशानी न हो और किसी प्रकार की अनुचित क्षति न होने पाए के निर्देश दिए। कताई मिल औद्योगिक क्षेत्र में भूखंड आवंटन, राष्ट्रीय राजमार्ग-34 कबरई-महोबा एवं राष्ट्रीय मार्ग-35 कबरई-बाँदा से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं उद्योग बंधु समिति के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई आत्मा की बैठक

बहराइच। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कृषि तकनीक प्रबंध अभिकरण (आत्मा) की गर्वनिंग बोर्ड एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोषण मिशन योजना की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना की समीक्षा के दौरान उपस्थित सदस्यों के सुझाव पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि योजना अंतर्गत प्रावधानित 70 किसानों का प्रशिक्षण डॉ राजेंद्र प्रसाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय समस्तीपुर बिहार में आयोजित कराया जाय। बैठक में उपस्थित गन्ना कृषक सदस्यों के सुझाव पर जिला गन्ना अधिकारी को निर्देश दिया गया कि जिले के गन्ना कृषकों को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान कोयंबटूर के शैक्षणिक भ्रमण पर भेजा जाय। इसी प्रकार गवर्निंग बोर्ड की बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन योजना भूमि संरक्षण विभाग की जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति/जिला मिशन समिति की बैठक के दौरान जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने सभी योजना अधिकारियों को कार्य योजना में दिए गए प्रावधानों के अनुरूप योजनाओं के क्रियान्वयन के निर्देश दिए। गवर्निंग बोर्ड की बैठक में जिलाधिकारी ने सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना के अंतर्गत रू. 274.80 लाख की योजना भी अनुमोदित की गई।

इस अवसर पर डीडी एग्री विनय कुमार वर्मा, जिला कृषि अधिकारी सूबेदार यादव, जिला गन्ना अधिकारी आनंद शुक्ला ,जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक जितेंद्र नाथ मसंद के साथ-साथ अन्य समस्त विभागों के अधिकारी गण, प्रगतिशील कृषकगण उपस्थित रहें।

डीएम ने नव चयनित प्राविधिक सहायकों को नियुक्ति पत्र बांटे

बिजनौर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मंगलवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के नव चयनित प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। बिजनौर जनपद में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में इसी क्रम में प्रशासक जिला पंचायत साकेन्द्र प्रताप सिंह एवं जिलाधिकारी जसजीत कौर ने 44 नव चयनित प्राविधिक सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। प्रदेशभर में कुल 1,600 नव चयनित प्राविधिक सहायकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया, जिसे उपस्थित अधिकारियों एवं नव चयनित प्राविधिक सहायकों ने देखा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश का युवा अब जापान सहित विदेशों में भी रोजगार प्राप्त कर अपना भविष्य संवार रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार किसानों को पर्याप्त एवं सर्वाधिक बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 122 चीनी मिलें संचालित हैं, जिनके माध्यम से पेराई क्षेत्र में किसानों को 3 लाख 25 हजार करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की कृषि विकास दर 8 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई है और इसे और आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि लखनऊ में चैधरी चरण सिंह के नाम पर सीड पार्क का निर्माण किया जा रहा है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध हो सकेंगे।

लोक अदालत की सफलता के लिए बैठक का आयोजन

बिजनौर। राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निदेशों एंव जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बिजनौर संजय कुमार सप्तम के मार्गदर्शन में 12 सितंबर, 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की भव्य सफलता के लिए जिला जजी परिसर स्थित ए0डी0आर0 भवन, बिजनौर के सभागार में नोडल ऑफिसर (राष्ट्रीय लोक अदालत) लोकश नागर, अपर जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों से नियुक्त राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु नोडल अधिकारीगण एवं विभिन्न बैंकों के प्रबन्धकगण उपस्थित हुए। बैठक में उपस्थित अधिकारीगण से आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर उनका निस्तारण करने एवं राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार अपने अपने स्तर से करने का आग्रह किया गया। जिसके क्रम में उप-जिलाधिकारी बिजनौर द्वारा अवगत कराया गया कि राजस्व विभाग से तद्दिनांक तक कुल 59812 वादों को चिन्हित किया गया है, प्रबन्धक दूरसंचार विभाग द्वारा बताया गया कि दूरसंचार के कुल 800 वादों को चिन्हित किया गया है, प्रबन्धक अग्रणी बैंक द्वारा अवगत कराया गया कि बैंकों से कुल 22000 वादों को चिन्हित किया गया है।

किसानों से संवाद कर विधायक ने किया पौधरोपण

फतेहपुर। श्री सीताराम मंदिर सिद्ध पीठ, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, गोपाल नगर फतेहपुर में किसान गोष्ठी एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अयाह शाह विधानसभा क्षेत्र के विधायक विकास गुप्ता ने उपस्थित होकर किसान भाइयों से संवाद किया तथा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया ।इस अवसर पर विधायक विकास गुप्ता ने कहा कि किसान देश के अन्नदाता हैं और भाजपा सरकार किसानों के सम्मान, समृद्धि एवं उनकी आय बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना सहित अनेक योजनाएं किसानों के हित में संचालित की जा रही हैं ।उन्होंने कहा कि किसानों को सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के साथ-साथ आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती के लिए जागरूक करना भी हमारी प्राथमिकता है। किसान मजबूत होगा तो गांव मजबूत होगा और गांव मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा ।विधायक विकास गुप्ता ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन और पर्यावरण के लिए अमूल्य हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य की जिम्मेदारी है ।कार्यक्रम के दौरान किसानों एवं उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया ।इस अवसर पर क्षेत्र के किसान, जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

संक्षेप

इक्सिगो ट्रेन्स का हॉलीडे पैकेजेस विद इक्सिगो भारत दर्शन लॉन्च

नई दिल्ली। इक्सिगो ट्रेन्स ने आज नए फीचर हॉलीडे पैकेजेस विद इक्सिगो भारत दर्शन के लॉन्च की घोषणा की है, जिससे यूजर सीधे इक्सिगो ट्रेन्स ऐप के जरिए आईआरसीटीसी द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए स्पिरिचुअल एवं फैमिली ट्रैवल पैकेज सर्च करके इन्हें बुक भी कर सकते हैं इक्सिगो भारत दर्शन फीचर के द्वारा यात्री अपनी पूरी यात्रा की योजना आसानी से बना सकते हैं। यह फीचर एक ही पैकेज में रेल यात्रा, अकॉमोडेशन, साइटसीइंग, मील्स एवं लोकल ट्रांसपोर्ट सहित सभी सुविधाएं पेश करता है। इस तरह लोगों के लिए यात्रा की योजना बनाना बेहद आसान हो जाता है, उन्हें अलग-अलग बुकिंग प्लेटफॉर्म्स की जरूरत नहीं पड़ती।

प्रेस्टीज ने लॉन्च किया नया फ्लेक्सी ग्रिल जंबो 180

नई दिल्ली। टीटीके प्रेस्टीज ने नया प्रेस्टीज फ्लेक्सी ग्रिल जंबो 180 लॉन्च किया है। इस बहुउपयोगी इलेक्ट्रिक ग्रिल को रोजमर्रा की ग्रिलिंग को तेज, सुविधाजनक और अपेक्षाकृत हेल्दी बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। बड़े कुकिंग एरिया, अलग-अलग ग्रिलिंग मोड और सुरक्षा सुविधाओं से लैस यह ग्रिल कई तरह के व्यंजन आसानी से तैयार करने में मदद करता है, और हर बार स्वादिष्ट व समान रूप से ग्रिल्ड व्यंजन प्रदान करता है। आज की बदलती रसोई और जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए फ्लेक्सी ग्रिल जंबो 180 में 180-डिग्री ओपनिंग मैकेनिज्म दिया गया है। इससे ग्रिल पूरी तरह खुलकर बड़े ओपन ग्रिल में बदल जाती है और खाना पकाने की जगह लगभग दोगुनी हो जाती है।

इंस्टामार्ट ने प्रीमियम राखियों की मांग में 20 गुना उछाल दर्ज किया

बंगलुरु। रक्षाबंधन के साथ शुरू होने वाले त्योहारी सीजन की तैयारियों के बीच, इंस्टामार्ट पर प्रीमियम और ज्वेलरी से प्रेरित राखियों की मांग में तेज बदलाव देखने को मिल रहा है। उपभोक्ता अब पारंपरिक धागे से आगे बढ़कर अधिक प्रीमियम और मूल्यवान यादगार उपहारों की ओर रुख कर रहे हैं। इंस्टामार्ट पर प्रीमियम राखियों की मांग पिछले साल की तुलना में 20 गुना बढ़ी है। चांदी से बनी राखियों की मांग में मजबूत वृद्धि देखी गई है। इस साल राखी गिफ्टिंग सेगमेंट के कुल कारोबार में लगभग 3 गुना वृद्धि होने का अनुमान है, क्योंकि उपभोक्ता ऐसे उपहारों की तलाश कर रहे हैं।

सिम्बायोसिस नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट 13 दिसम्बर से

पुणे। सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) ने एमबीए करने के इच्छुक छात्रों के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा सिम्बायोसिस नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट 2026 के लिए आवेदन आधिकारिक रूप से शुरू कर दिए हैं। सिम्बायोसिस, मैनेजमेन्ट शिक्षा के लिए छात्रों की पसंदीदा युनिवर्सिटी है, तथा विश्वस्तर पर प्रासंगिक, उद्योग जगत के अनुरूप और सर्वोच्च स्तर की मैनेजमेन्ट शिक्षा प्रदान करती है।सिम्बायोसिस नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन और पेमेंट विंडो 21 अगस्त 2026 (शुक्रवार) को खुल चुकी है और 25 नवम्बर 2026 (बुधवार) को बंद हो जाएगी। कम्प्यूटर-बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) का आयोजन तीन तारीखों पर होगा, छात्र तीन बार परीक्षा दे सकते हैं। इसमें से प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ स्कोर पर विचार किया जाएगा।एसएनएपी टेस्ट 01: 13 दिसम्बर 2026 (रविवार)एसएनएपी टेस्ट 02: 19 दिसम्बर 2026 (शनिवार)एसएनएपी टेस्ट 03: 26 दिसम्बर 2026 (शनिवार), परिणामों की घोषणा: 12 जनवरी 2027 (मंगलवार) एसएनएपी 2026 का संचालन देश के 79 शहरों में होगा।

हैमदर्द लैबोरेटरीज ने मनाया 120 वर्षों की हमदर्दी का जश्न

नई दिल्ली। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हैमदर्द लैबोरेटरीज ने देश के साथ अपने 120 वर्षों के सफर को प्रसिद्ध कहानीकार और लेखक निलेश मिश्रा द्वारा नैरेट की गई एक विशेष शॉर्ट फिल्म के माध्यम से याद किया। स्वतंत्रता दिवस पर जारी यह फिल्म उस रिश्ते को दर्शाती है, जो पीढ़ियों के साथ विकसित हुआ है और भारत के बदलते समय के साथ आकार लेते हुए देखभाल की एक सरल और स्थायी भावना हमदर्दी से जुड़ा रहा है।1906 में स्थापित हैमदर्द भारत के साथ-साथ आगे बढ़ा है। इसने देश के परिवर्तन को करीब से देखा है और शहरों, कस्बों तथा विभिन्न समुदायों में लोगों के रोजमर्रा के जीवन से अपना जुड़ाव बनाए रखा है।

सेंसेक्स में 287 अंकों की उछाल

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट से उबरते हुए अंतिम समय में हुई लिवाली और कच्चे तेल के दाम में तेज गिरावट से बढ़त में रहे। मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 287 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 115 अंक के लाभ में रहा।

तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स कारोबार के दौरान अधिकांश समय गिरावट में रहा। लेकिन आखिरी घंटे में लिवाली से यह 286.98 अंक यानी 0.37 प्रतिशत बढ़कर 77,656.09 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 77,666.39 अंक तक गया और नीचे में 77,125.91 अंक तक आया। सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 लाभ में जबकि छह नुकसान में रहे। इसी तरह, 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी भी कारोबार के आखिरी चरण में हुई लिवाली के कारण 115.50 अंक यानी 0.48 प्रतिशत बढ़कर 24,334.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन, अदाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस, ट्रेंट, टाइटन और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे। वहीं नुकसान में रहने वाले शेयरों में इटर्नल, एचसीएलटेक, पावरग्रिड और बजाज फिनसर्व शामिल हैं। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत तीन प्रतिशत टूटकर 89.32 डॉलर प्रति बैरल पर रही। ईरान पर अमेरिका की बहुप्रतीक्षित पाबंदियां बाजार की उम्मीदों के अनुरूप कड़ी नहीं रहीं। इससे कच्चे तेल की कीमतों और बॉन्ड प्रतिफल में हाल के उच्च स्तर से नरमी आई। उन्होंने कहा कि ऊर्जा लागत में इस राहत से वायदा एवं विकल्प खंड में मासिक सौदों की समाप्ति के दिन बाजार को कुछ हद तक सकारात्मक स्तर पर बंद होने में मदद मिली। भारतीय शेयर बाजार कारोबार के दौरान की गिरावट से उबरते हुए मंगलवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। ऊर्जा कीमतों में तेज गिरावट से धारणा में सुधार हुआ और मासिक वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों की समाप्ति के दिन सौदों को पूरा करने के लिए लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। निफ्टी में कारोबार की शुरुआत में बिकवाली का दबाव रहा और कारोबार के अधिकांश समय यह एक सीमित दायरे में रहा। हालांकि, कारोबार के अंत में इसमें तेजी आई। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से बाजार को समर्थन मिला, जिससे मानक सूचकांक को अपनी शुरुआती गिरावट से उबरने और बढ़त के साथ बंद होने में मदद मिली। मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.64 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप में 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट रही। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को।,181.66 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। सेंसेक्स सोमवार को 171.72 अंक यानी 0.22 प्रतिशत टूटकर 77,369.11 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 32.95 अंक की गिरावट के साथ 24,219.05 अंक पर रहा था।

रुपया 24 पैसे की बढ़त के साथ 95.46 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मंगलवार को शुरुआती नुकसान से उबरकर 24 पैसे की बढ़त के साथ 95.46 रुपये (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में तेजी, अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्याज दर में बढ़ोतरी की संभावना घटने से अमेरिकी डॉलर में बनी समग्र कमजोरी से निचले स्तर पर रुपये को समर्थन मिल सकता है। उन्होंने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर 95.50 से 96.00 के आसपास सीमित दायरे में बनी रही। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का हस्तक्षेप तथा तेल की कीमतों में नरमी का निकट अवधि में इस पर असर दिखता रहेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.74 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.40 के उच्च स्तर तक गया। अंत में 95.46 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 24 पैसे की बढ़त है। रुपया सोमवार को एक पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत टूटकर 98.96 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 286.98 अंक चढ़कर 77,656.09 अंक और निफ्टी 115.50 अंक की बढ़त के साथ 24,334.55 अंक पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल वायदा कारोबार में 2.99 प्रतिशत फिसलकर 89.41 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को शुद्ध रूप से 1181.66 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

इंडेल मनी के 500 करोड़ के एनसीडी इश्यू को मिला 704 फीसद ओवरसब्सक्रिप्शन

मुंबई। इंडेल मनी लिमिटेड के सिक्योर्ड, रेटेड, लिस्टेड और रिडीमेबल नॉन-कनवर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) के पब्लिक इश्यू को निवेशकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली।

18 अगस्त 2026 को इश्यू खुलने के चार घंटे के भीतर ही 250 करोड़ रुपये के ग्रीन शू ऑप्शन समेत 500 करोड़ रुपये तक का पूरा इश्यू पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया।250 करोड़ रुपये के बेस इश्यू साइज और 250 करोड़ रुपये तक के ओवरसब्सक्रिप्शन को बनाए रखने के विकल्प वाले इस इश्यू को निर्धारित क्लोजिंग डेट से पहले ही 20 अगस्त 2026 को प्री-क्लोज कर दिया गया। कंपनी को 1,759 करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं, जो बेस इश्यू साइज का 704% है। 1,000 रुपये अंकित मूल्य वाले इन एनसीडी पर 12.25% सालाना तक की इफेक्टिव यील्ड है और इन्हें बीएसई लिमिटेड पर लिस्ट किए जाने का प्रस्ताव है। इश्यू को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया बताती है कि इंडेल मनी और हमारी ग्रोथ स्ट्रैटेजी में निवेशकों को भरोसा है। महज चार घंटे में पूरे 500 करोड़ रुपये के इश्यू का सब्सक्राइब होना और इसके बाद कुल सब्सक्रिप्शन 1,759 करोड़ रुपये तक पहुंचना खास तौर पर उत्साहजनक है। इस इश्यू से प्राप्त नेट प्रोसिड्स का इस्तेमाल आगे कर्ज देने, मौजूदा डेट की फाइनेंसिंग या रिफाइनेंसिंग और/या डेट सर्विसिंग के लिए किया जाएगा।

सोने की कीमतों में लगातार चौथे दिन तेज़ी, चांदी 3500 रुपये टूटी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतों में लगातार चौथे दिन तेजी जारी रही और यह 2,700 रुपये बढ़कर।,67,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव सोमवार को 164,400 प्रति 10 ग्राम पर रहा था।

हालांकि, व्यापारियों की मुनाफावसूली के कारण तीन दिन की तेजी के बाद चांदी की कीमतों में थोड़ी गिरावट आई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 3,500 रुपये घटकर 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई, जबकि पिछली सत्र में यह 2,53,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। हालांकि, अंतराष्ट्रीय बाजार में सर्राफा की कीमतों में हालिया बढ़त का कुछ हिस्सा कम हो गया। दो दिन की बढ़त के बाद, हाजिर सोने की कीमत 11.87 डॉलर या 0.26 प्रतिशत टूटकर 4,639.51 डॉलर प्रति औंस रह गई। चांदी पर भी दबाव बना रहा और इसकी कीमत 1.04 प्रतिशत टूटकर 67.88 डॉलर प्रति औंस रह गई। यह लगातार दूसरा दिन था जब चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

कनाडा ने अमेरिका के 700 से अधिक उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाया

टोरंटो। कनाडा ने मंगलवार को अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते हुए करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी सामान पर शुल्क लगाने की घोषणा की। इसमें इस्पात, डेयरी उत्पाद, घरेलू उपकरण और कृषि उपकरण शामिल हैं।

इस तनाव से दुनिया के सबसे बड़े व्यापारिक संबंधों में से एक पर असर पड़ने की आशंका है। कनाडा के नए शुल्क औद्योगिक वस्तुओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समुद्री खाद्य, पनीर, कपड़े, सौंदर्य प्रसाधन और टॉयलेट पेपर जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं को भी इसके अंतर्गत लाया गया है। कुछ वस्तुओं पर शुल्क 50 प्रतिशत तक है। कनाडा ने यह कदम डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के सप्ताहांत में कनाडाई वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद उठाया है। व्यापार वार्ता विफल होने के बाद अमेरिका ने यह कदम उठाया था। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका पर कनाडा को अपने अधीन करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विफल वार्ता के दौरान अमेरिका की मांगों से पता चलता है कि वह हमारे प्रमुख उद्योगों को नष्ट करना चाहता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को टकराव और बढ़ाते हुए कनाडाई नेताओं से अमेरिका की बातें मानने को कहा और चेतावनी दी कि ऐसा नहीं करने पर मौजूदा शुल्कों से कहीं अधिक खराब परिणाम भुगतने होंगे।

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत 3.4 लाख करोड़ बढ़ी

नयी दिल्ली। देश में 150 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में लागत में कुल मिलाकर करीब 3,40,504 करोड़ रुपये की लागत बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सरकार की ओर जारी जुलाई, 2026 की मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

कुल 17 केंद्रीय मंत्रालयोंविभागों की 1775 जारी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी की गई। इनमें कुल संशोधित लागत 37,10,642 करोड़ रुपये पाई गई जबकि इनकी मूल लागत 33,70,138 करोड़ रुपये थी। रिपोर्ट में हालांकि यह नहीं बताया गया कि वास्तव में कितनी परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बयान में कहा कि इन परियोजनाओं पर अब तक 19.26 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, जो संशोधित परियोजना लागत का करीब 51.91 प्रतिशत है। यह परियोजनाओं के कार्यान्वयन में लगातार प्रगति को दर्शाता है। काफी संख्या में परियोजनाएं निर्माण के उन्नत चरण में हैं। कुल 675 परियोजनाओं (38 प्रतिशत) में 80 प्रतिशत से अधिक भौतिक प्रगति हुई है, जबकि 305 परियोजनाओं (17 प्रतिशत) में 80 प्रतिशत से अधिक वित्तीय प्रगति दर्ज की गई है। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि परियोजनाएं कार्यान्वयन के शुरुआती और उन्नत दोनों चरणों में हैं। परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र में सबसे अधिक 1246 परियोजनाएं जारी हैं। इनकी संशोधित लागत 19.81 लाख करोड़ रुपये है जो संपर्क आधारित बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दिए जाने को दर्शाता है।

बोल्ट ने ऐस 5जी और इवो के साथ किया स्मार्टफोन सेगमेंट में डेब्यू

नई दिल्ली। बोल्ट ने आज अपने पहले स्मार्टफोन्स – ऐस 5जी और इवो – के लॉन्च की घोषणा की है, जो स्मार्टफोन सेगमेंट में ब्रांड की एंट्री को दर्शाता है। आधुनिक भारतीय उपभोक्ताओं के लिए डिजाइन किए गए ये स्मार्टफोन्स दमदार परफॉर्मेंस, एआई-पावर्ड एक्सपीरियंस, इमर्सिव डिस्प्ले और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी लाइफ के साथ आते हैं, जिसमें रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे ज्यादा मायने रखने वाले फीचर्स पर खास फोकस रखा गया है। ऐस 5जी और इवो में 120एचजेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.79-इंच की बड़ी डिस्प्ले दी गई है। 600 निट्स तक की ब्राइटनेस के साथ, ये डिस्प्ले अलग-अलग परिस्थितियों में भी क्लियर और कम्फर्टेबल व्यूइंग देने के लिए बनाई गई हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत ने अमेरिका से एलपीजी, एलएनजी की खरीद बढ़ायी

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण खाड़ी देशों से आपूर्ति प्रभावित होने के बीच भारत ने अमेरिका से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की खरीद तेजी से बढ़ाई है। समुद्री सूचना कंपनी केप्लर के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। केप्लर के मुताबिक, भारत ने अगस्त में अमेरिका से करीब 6.2 लाख टन एलपीजी का आयात किया है, जबकि जुलाई में यह मात्रा 8.9 लाख टन थी। अगस्त में अमेरिका से हुई आपूर्ति भारत के कुल एलपीजी आयात का 73 प्रतिशत से अधिक रही। इसके मुकाबले खाड़ी देशों से एलपीजी आयात में तेज गिरावट आई है। अगस्त में संयुक्त अरब अमीरात से भारत को करीब 1.4 लाख टन और कतर से करीब 60,000 टन एलपीजी मिली। सऊदी अरब ने जुलाई और अगस्त में भारत को कोई एलपीजी की आपूर्ति नहीं हुई। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावी रूप से बंद होने से खाड़ी देशों से आपूर्ति प्रभावित हुई है।

क्रॉस-बॉर्डर अवैध कारोबार का नेटवर्क तोड़ने के लिए खुफिया कार्रवाई का आह्वान

नई दिल्ली। अवैध व्यापार के खिलाफ लड़ाई में अवैध वस्तुओं को जब्त करना पर्याप्त नहीं है। मुंबई में आयोजित एशिया सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस एंड एग्जिबिशन 2026 में विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और नियामक संस्थाओं को अपना ध्यान केवल शिपमेंट्स को रोकने की बजाय उनके पीछे काम कर रहे संगठित आपराधिक नेटवर्क को पहचानने, पकड़ने और खत्म करने पर केंद्रित करना होगा। इस दो दिवसीय सम्मेलन का विषय, स्ट्रेंथनिंग एन्फोर्समेंट, एम्पॉवरिंग इनोवेशन: इंडियाज नैक्स्ट चैप्टर इन ब्रांड प्रोटेक्शन था। इसमें भारतीय कस्टम्स, राज्य पुलिस, अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा एजेंसियों और ग्लोबल ब्रांड लीडर्स ने हिस्सा लिया। उन्होंने क्रॉस-बॉर्डर स्मग्लिंग, डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन चैनल और रैगुलेटरी आर्बिट्रेज की बढ़ती जटिलता के बारे में बात की।

मेमोरी की बढ़ती कीमत से गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा की बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली। सैमसंग के नए फोल्डेबल स्मार्टफोन गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी जेड फोल्ड8 और गैलेक्सी जेड फ्लिप8 की कीमतें भारत में जल्द बढ़ सकती हैं। इन सैमसंग फोल्डेबल फोन की कीमत 1.25 लाख से 2.6 लाख रुपये के बीच है, इस महीने की शुरूआत में इन डिवाइस की बिक्री तेजी से शुरू हुई थी, लेकिन रिटेलर्स को डर है कि जल्द ही कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है, क्योंकि स्मार्टफोन के लिए एक अहम कंपोनेंट माने जाने वाले मेमोरी चिप की मांग पहले कभी इतनी नहीं रही।सैमसंग ने पिछले महीने कहा था कि वह ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए स्मार्टफोन की बढ़ती लागत के बड़े हिस्से का बोझ खुद उठा रही है। कंपनी ने भारत में गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी जेड फोल्ड8 और गैलेक्सी जेड फ्लिप8 खरीदने वालों के लिए एक लंबी अवधि की जीरो कॉस्ट ईएमआई भी शुरू की।

पेज एक का शेष

डिजिटल भारत

के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के सबसे सफल स्तंभों में से एक बनकर उभरा है। यह एक ऐसा वास्तविक समय का भुगतान मंच है जो एक ही एप्लिकेशन के जरिये व्यक्ति से व्यक्ति और व्यक्ति से कारोबारी के बीच निर्बाध लेनदेन की सुविधा देता है।

छह महीने में

आकाओं को भी जमीन दिखाएंगे। हम लोगों ने माफिया की संपत्ति जब्त कराकर उनसे वसूली कराई। सीएम ने 2017 से पहले यूपी बोर्ड की परीक्षा की दुर्दशा भी बताई और कहा कि तीन महीने परीक्षा और तीन महीने परिणाम आने में लगते थे। फिर अगले तीन महीने त्योहारों के बीच प्रवेश प्रक्रिया चलती थी। बच्चों को पढ़ाई के लिए तीन महीने भी नहीं मिल पाते थे। नौजवानों की दुश्मन सपा सरकार नकल करवाती थी और नौजवानों को किसी लायक नहीं छोड़ती थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2017 में सीएम बनने के बाद मैंने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अधिकारियों से कहा कि परीक्षा व परिणाम एक महीने में दो। जवाब नकारात्मक मिला तो मैंने कहा कि तुम कुर्सी छोड़ो, मैं एक महीने के अंदर यह कराऊंगा। आज यूपी बोर्ड के 56 लाख अभ्यर्थियों की परीक्षा 14 दिन में होती है और अगले 14 दिन में परिणाम आता है। पहले फरवरी से शुरू हुई परीक्षा जून में लू-तपती गर्मी तक चलती थी। अब नकलविहीन परीक्षा और समय से परिणाम आ रहे हैं।

बुजुर्ग

प्रमाणित करनी होगी। वरिष्ठ नागरिकों के हित में कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण नियमावली-2014 में संशोधन को मंजूरी दी। इसके तहत यदि संतान या आश्रित रिश्तेदार बुजुर्गों की देखभाल नहीं करते या उनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं तो वरिष्ठ नागरिक निर्धारित प्रक्रिया के तहत उन्हें अपनी संपत्ति से बेदखल कर सकेंगे। गंगा एक्सप्रेसवे हरिद्वार तक बढ़ेगा। कैबिनेट ने गंगा एक्सप्रेसवे को हरिद्वार तक विस्तारित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। छह लेन के प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे को भविष्य में आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकेगा। परियोजना की अनुमानित लागत 10,761 करोड़ रुपये होगी।

जेपीएनआईसी

होने पर कंसोर्टियम द्वारा प्राधिकरण को 10 करोड़ 11 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। जेपीएनआईसी का संचालन शुरू होने के बाद कंसोर्टियम की ओर से एलडीए को प्रति वर्ष 06 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। इस राशि में प्रत्येक वर्ष 05 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी और निर्धारित लीज अवधि पूर्ण होने तक यह सालाना धनराशि लगभग 35 करोड़ रुपए हो जाएगी। इस प्रकार से जेपीएनआईसी के संचालन से प्राधिकरण को दीर्घकालिक रूप से नियमित राजस्व प्राप्त होगा। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि इसके निर्माण में लगभग 821 करोड़ रुपये की लागत आयी है, जिसे एलडीए अगले 30 वर्षों में शासन को वापस करेगा। दीर्घकालिक लीज व्यवस्था से जेपीएनआईसी के रखरखाव, अवशेष कार्यों को पूर्ण कराने और इसके प्रभावी संचालन के साथ-साथ प्राधिकरण पर वित्तीय भार को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि जेपीएनआईसी में निर्मित होटल, कन्वेंशन सेंटर, ऑडिटोरियम, पार्किंग एवं स्पोर्ट्स फैसिलिटी का संचालन चयनित कंसोर्टियम की ओर से किया जाएगा। वहीं, म्यूजियम ब्लॉक के संचालन का अधिकार लखनऊ विकास प्राधिकरण के पास सुरक्षित रहेगा।

बुजुर्ग माता

संतान या आश्रित रिश्तेदार की ओर से भरण-पोषण नहीं किए जाने अथवा दुर्व्यवहार से पीड़ित है तो वह संबंधित व्यक्ति को अपनी संपत्ति से बेदखल करने की प्रक्रिया शुरू कर सकेगा। सरकार ने बुजुर्गों के लिए बेदखली की प्रक्रिया को स्पष्ट और समयबद्ध बनाने का निर्णय लिया है। ऐसे मामलों में वरिष्ठ नागरिक जिलाधिकारी के समक्ष शिकायत कर सकेंगे। शिकायतों की सुनवाई 30 दिन के भीतर किए जाने का प्रावधान किया गया है। जिलाधिकारियों को इस प्रकार के मामलों की मासिक रिपोर्ट शासन को भेजनी होगी, जिससे शिकायतों के निस्तारण की निगरानी की जा सके।

हरिद्वार तक

मिल सकेगी।इसके साथ ही बिजनौर की कनेक्टिविटी गंगा एक्सप्रेसवे के माध्यम से प्रदेश की राजधानी लखनऊ से भी बेहतर होगी। इससे क्षेत्र में व्यापार, निवेश, उद्योग और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है। गंगा एक्सप्रेसवे के हरिद्वार तक पहुंचने से गंगा के तट पर स्थित दो प्रमुख कुम्भ नगरियों, प्रयागराज और हरिद्वार के बीच प्रवेश नियंत्रित एक्सप्रेसवे नेटवर्क के माध्यम से तेज और सुगम यातायात सुविधा विकसित होगी। इससे धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ ही श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए दोनों धार्मिक नगरियों के बीच आवागमन अधिक सुविधाजनक होने की उम्मीद है। एक्सप्रेसवे के विस्तार से धार्मिक पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। बेहतर कनेक्टिविटी से हरिद्वार, बिजनौर और गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़े अन्य क्षेत्रों में पर्यटन आधारित आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिल सकती है।

हिजाब इस्लामिक

आती है, उस समुदाय की छात्राओं ने भी हिजाब नहीं पहना है। अदालत ने कहा जब भी यह मुद्दा उठा है, उच्च न्यायालयों का मत एक रहा है कि हिजाब पहनना इस्लामिक आस्था का आवश्यक हिस्सा नहीं है। हिजाब नहीं पहनने से आस्था खतरे में नहीं पड़ जाएगी। एआईएमपीएलबी सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने मंगलवार को लखनऊ में बातचीत में कहा, हमें मामले की जानकारी है। कहीं न कहीं कुछ भ्रम है, क्योंकि हिजाब हमेशा से इस्लाम का अहम हिस्सा रहा है। हम निश्चित रूप से अदालत जाएंगे और अपना पक्ष रखेंगे। मौलाना ने कहा कि संविधान व्यक्ति को अपने धर्म के मूल और अभिन्न सिद्धांतों का पालन करने की अनुमति देता है। उन्होंने कहा जहां तक इस मामले का सवाल है, हमें लगता है कि निश्चित रूप से कुछ भ्रम है। हिजाब का उल्लेख कुरान और हदीस दोनों में है और दुनिया भर में मुस्लिम महिलाएं इसे पहनती हैं। हालांकि, रशीद ने कहा कि छात्राओं को स्कूलों के तय ड्रेस कोड (पोशाक संहिता) का पालन करना जरूरी है। उन्होंने कहा ड्रेस कोड मानने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन अगर कोई छात्रा उसी समय अपने धार्मिक कर्तव्यों का भी पालन करना चाहती है तो क्या होगा। हमें लगता है कि अदालत के फैसले पर पुनर्विचार की जरूरत है।अदालत ने 21 अगस्त के अपने फैसले में कहा था कि याचिका में हिजाब को जरूरी धार्मिक प्रथा बताना केवल एक दावा भर है। इसके समर्थन में कोई दलील, धार्मिक किताब या सबूत रिकॉर्ड पर नहीं रखा गया है। पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 25 पर आधारित दावे को बिना जरूरी तथ्य और कानूनी आधार के सिर्फ दावे पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। राज्य सरकार ने याचिका का विरोध करते हुए एडिशनल चीफ स्टैंडिंग काउंसिल गिरिजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा था कि स्कूल एक निजी, बिना सहायता प्राप्त संस्थान है और यूनिफॉर्म तय करना उसकी आंतरिक नीति का मामला है, जिसका मकसद छात्रों में एकरूपता बनाए रखना है। यह धर्म मानने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं करता। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन के वकील आलोक तिवारी ने राज्य की दलीलों का समर्थन किया और तर्क दिया कि याची मांगी गई राहत का हकदार नहीं है। अदालत ने कहा, नतीजे के तौर पर, यह रिट पिटीशन फेल हो जाती है और खारिज की जाती है।

हाईकोर्ट ने

के लिए प्रारंभ में कुछ विशेष विषयों में स्नातक की योग्यता निर्धारित थी। बाद में सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी भी विषय में स्नातक की योग्यता कर दी गई और 22 जुलाई 2015 को संशोधित विज्ञापन जारी किया गया। इसके बाद लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर याचिकाकताओं का चयन हुआ।

चयन को लेकर एक असफल अभ्यर्थी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। उस मामले में अंतरिम आदेश के बाद चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति को अंतिम निर्णय के अधीन रखा गया था। बाद में वह याचिका 1 मार्च 2023 को खारिज हो गई। इसी बीच भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता का आरोप लगाते हुए जांच हुई। शासन के 27 अप्रैल 2019 के पत्र के आधार पर 50 सहायक प्रबंधकों की नियुक्तियां निरस्त करने का निर्देश दिया गया। बैंक की प्रबंध समिति ने 30 मई 2019 को नियुक्तियां समाप्त करने का निर्णय लिया और 7 जून 2019 को सेवा समाप्ति आदेश जारी कर दिए। याचियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव मेहरोत्रा ने तर्क दिया था कि सेवा समाप्ति आदेशों में याचिकाकताओं के किसी व्यक्तिगत अवैध कृत्य का उल्लेख नहीं था। कहा कि नियुक्तियों को सक्षम प्राधिकारी ने मंजूरी दी थी और बाद में चयन प्रक्रिया पूरी हुई थी।

धामी कैबिनेट

कोयला आधारित विद्युत संयंत्र की स्थापना को मंजूरी दी। परियोजना 25 वर्ष की अवधि के लिए अदाणी समूह को दिए जाने का निर्णय हुआ है। परियोजना के लिए छत्तीसगढ़ में कोल ब्लॉक का आवंटन किया जा चुका है। प्रस्तावित संयंत्र की स्थापना अदाणी पावर द्वारा की जाएगी। सरकार के अनुसार परियोजना से भविष्य में राज्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिलेगी।कैबिनेट ने उत्तराखंड सहकारिता नीति-2026 को स्वीकृति प्रदान की। राष्ट्रीय सहकारी नीति-2026 की तर्ज पर तैयार इस नीति का उद्देश्य सहकारी संस्थाओं की क्षमता बढ़ाना और ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारिता के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है। वाहन कर व्यवस्था में संशोधन करते हुए कैबिनेट ने उत्तराखंड मोटरयान कराधान सुधार अधिनियम को मंजूरी दी। सीएनजी वाहनों को ग्रीन सेस में मिल रही छूट जारी रहेगी, जबकि हाइब्रिड वाहनों के लिए उपलब्ध छूट समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार दूसरे राज्यों की ईवी नीतियों का अध्ययन करेगी और इसके आधार पर उत्तराखंड की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति तैयार की जाएगी।

प्रदेश में

नाव एवं मोटरबोट राहत अभियान में लगाई जा चुकी हैं। बाढ़ से अब तक 208 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें से 130 मामलों में सहायता वितरित की जा चुकी है। सरकार का दावा है कि राहत एवं बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सक्रिय हैं और लोगों तक भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य जरूरी सहायता पहुंचाई जा रही है।

लखनऊ के

अवैध निर्माण किया जाए और फिर पद का हवाला देकर उसे बचाने की कोशिश की जाए, यह स्वीकार नहीं किया जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट में वरिष्ठ न्यायाधीश रह चुके जस्टिस विक्रम नाथ ने सुनवाई के दौरान कहा कि उन्होंने स्वयं उस क्षेत्र की स्थिति देखी है। उन्होंने कहा कि सड़कें किस तरह घेर ली गई थीं और किस प्रकार यातायात बाधित हो रहा था, इसकी उन्हें पूरी जानकारी है। दरअसल, 6 अगस्त को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लखनऊ जिला न्यायालय परिसर के आसपास सार्वजनिक रास्तों और उपयोगिता भूमि पर बने कथित अवैध निमार्णों को लेकर आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने लखनऊ नगर निगम को निर्देश दिया था कि करीब 72 कब्जेदारों को नोटिस जारी कर उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए। हाईकोर्ट ने कहा था कि यदि संबंधित लोग जमीन और निर्माण पर वैध अधिकार साबित नहीं कर पाते हैं तो अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई की जाए।

श्रीलंका पर भारत की बढ़त बरकरार

दिनुशा, सूरियाबंडारा की अर्धशतकीय पारियों से श्रीलंका का संघर्ष जारी, श्रीलंका ने आठ विकेट पर 265 रन बना लिए

एजेंसी

कोलंबो। भारतीय गेंदबाज सोनल दिनुशा की अगुवाई में श्रीलंका के पुछल्ले बल्लेबाजों के संघर्ष को खत्म करने में नाकाम रहे जिससे बारिश और खराब रोशनी के कारण मंगलवार को दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल जल्दी खत्म होने तक श्रीलंका ने आठ विकेट पर 265 रन बना लिए थे। दिन के खेल के समापन के समय दिनुशा 85 और लाहिरु कुमारा आठ रन बनाकर क्रीज पर थे। श्रीलंका को फॉलोऑन टालने के लिए अब 39 रन और बनाने हैं। पासिंदु सूरियाबंडारा ने भी 80 रन की शानदार पारी खेली। भारत ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 503 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। इस तरह से श्रीलंका उससे अभी 238 रन पीछे है। चाय के विश्राम के समय सात विकेट पर 216 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए श्रीलंका के जल्दी सिमटने के आसार दिख रहे थे।

दिनुशा ने हालांकि लगातार तीसरी पारी में 50 से अधिक रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों को परेशान किया और दो सत्र तक उन्हें विकेट के लिए तरसाए रखा। छोटे कद के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने शानदार जुझारूपन और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। प्रसिद्ध कृष्णा (47 रन पर तीन विकेट) ने उनके खिलाफ शॉर्ट गेंदों और पैरों को निशाना बनाती गेंदों का इस्तेमाल किया, जबकि मानव सुथार (83 रन पर तीन विकेट), रविंद्र जडेजा (45 रन पर एक विकेट) और सारांश जैन ने स्पिन के जरिए उन्हें परेशान करने की कोशिश की। लेकिन 25 वर्षीय दिनुशा ने हर चुनौती का डटकर सामना किया। दिनुशा ने 84 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्हें केशारा नुवांता (18) और लाहिरु के रूप में दो जुझारू साथी मिले। नुवांता के साथ उन्होंने आठवें विकेट के लिए 57 रन जोड़े। नुवांता ने 74 गेंदों का सामना किया। इसके बाद दिनुशा ने लाहिरु के साथ नौवें विकेट के लिए अब तक 35 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। लाहिरु 65 मिनट में 50 गेंदें खेल चुके हैं। एसएससी मैदान पर भारतीय गेंदबाजों को निचले क्रम के बल्लेबाजों के खिलाफ पुरानी कमजोरी फिर सामने आने से निराशा हुई होगी। श्रीलंका ने सुबह दो विकेट पर आठ रन से आगे खेलना शुरू किया और पहले सत्र में 122 रन जोड़े। बारिश के कारण देर से शुरू हुए दूसरे सत्र में उसने 86 रन जोड़े और इस बीच तीन विकेट गंवाए। मानव सुथार की सटीक गेंदबाजी से भारत ने लंच के बाद श्रीलंका को शुरुआती झटका दिया। सुथार की गेंद धनंजय डी सिल्वा के बल्ले का किनारा लेकर पहली स्लिप में केएल राहुल के सुरक्षित हाथों में चली गई। लेकिन श्रीलंका को सबसे बड़ा झटका सूरियाबंडारा के आउट होने से लगा, जिन्होंने धैर्य के साथ बल्लेबाजी की। रविंद्र जडेजा ने उन्हें चकमा देकर बोल्ड किया। इसके दो रन बाद मोहम्मद सिराज (33 रन पर एक विकेट) ने लेग साइड से डाली गई एक साधारण सी गेंद पर निरोशन डिकवेला (शून्य) को आउट कर दिया।

विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने उनका कैच लिया। पहले सत्र के खेल के दौरान ऋषभ पंत की जगह क्षेत्ररक्षण करने आए सरफराज खान, मोहम्मद सिराज और श्रीलंकाई बल्लेबाजों के बीच हुई जुबानी जंग से यह सत्र और भी रोमांचक हो गया। प्रसिद्ध कृष्णा ने दिन के सातवें ओवर में ही अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे कामिल मिसारा (19) को विकेट के पीछे कैच करा दिया। प्रसिद्ध की तेजी से उठती गेंद को मिसारा नहीं समझ पाए। गेंद उनके बल्ले को चूमकर विकेटकीपर जुरेल के हाथों में चली गई। लेकिन सूरियाबंडारा और कामिंदु मेंडिस (32) ने भारत को लगभग दो घंटे तक विकेट से महरूम रखा। इन दोनों बल्लेबाजों ने मानव सुथार और अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे सारांश जैन को हावी नहीं होने दिया। ऑफ स्पिनर जैन ने कुछ उछाल और टर्न हासिल किया लेकिन श्रीलंका के बल्लेबाजों को परेशानी में नहीं डाल सके। सूरियाबंडारा और मेंडिस ने चौथे विकेट के लिए 87 रन जोड़े। इसमें अपना दूसरा टेस्ट खेल रहे सूरियाबंडारा का योगदान महत्वपूर्ण रहा। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज में 76 गेंद पर अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। दूसरी ओर, मेंडिस ने मानव सुथार की गेंद पर मिड-विकेट के ऊपर से छक्का लगाकर अपने इरादे स्पष्ट किए।

प्रसिद्ध ने लंच से ठीक पहले तेजी से उछाल लेती गेंद पर मेंडिस को मिड विकेट पर खड़े रविंद्र जडेजा के हाथों कैच कराकर यह साझेदारी तोड़ी। वहीं दूसरी ओर भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की जमकर सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने बाहरी आलोचनाओं को नजरअंदाज कर अपने खेल पर मेहनत की और खुद को विश्वस्तरीय गेंदबाज के रूप में विकसित कर लिया है। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मंगलवार को प्रसिद्ध ने 14 ओवर की कड़ी गेंदबाजी में 47 रन देकर तीन विकेट झटके और भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई की। दिन का खेल समाप्त होने के बाद मोर्कल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस स्पेल ने प्रसिद्ध के जज्बे को दिखाया। मीडिया में उनकी आलोचना होती है, कमेंटेटर उनकी आलोचना करते हैं लेकिन इन सबके बावजूद उसने अपना काम जारी रखा। इस समय उनकी गेंदबाजी बेहद प्रभावशाली है।

प्रज्ञानानंदा, वैशाली और एरिगेसी नवंबर में टोटल शतरंज पायलट टूर्नामेंट में लेंगे हिस्सा

बुडापेस्ट (हंगरी)। भारत के तीन खिलाड़ियों आर प्रज्ञानानंदा, आर वैशाली और अर्जुन एरिगेसी को यहां 10 से 21 नवंबर तक होने वाली पहली टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट प्रतियोगिता के लिए घोषित शीर्ष खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है। इस प्रतियोगिता में विश्व नंबर एक मैग्नस कार्लसन और नंबर दो फाबियानो करुआना भी हिस्सा लेंगे। नॉर्वे शतरंज खिताब और सेंट लुई रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट जीतने के बाद शानदार फॉर्म में चल रहे प्रज्ञानानंदा हाल में ग्रैंड चेस टूर के अंतिम चरण के फाइनल में पहुंचे थे।

उनके साथ उनकी बड़ी बहन और महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट की विजेता वैशाली तथा भारत के शीर्ष रेपिड एवं ब्लिट्ज खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी भी प्रतियोगिता में भाग लेंगे। अब तक 18 खिलाड़ियों के नाम घोषित किए गए हैं। बाकी छह खिलाड़ियों के नाम अगले महीने घोषित किए जाएंगे जिसके बाद 24 खिलाड़ियों की सूची पूरी हो जाएगी। इस नई

प्रतियोगिता में खिलाड़ी ब्लिट्ज, रेपिड और तेज क्लासिकल प्रारूप में मुकाबला करेंगे जिससे तीनों प्रारूपों में उनकी प्रतिभा की कड़ी परीक्षा होगी। टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर में पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग वर्ग या चैंपियनशिप नहीं होगी। एक ही संयुक्त ओपन प्रारूप रखा गया है। इसे लेकर कुछ वर्गों ने आलोचना की है और अलग महिला चैंपियनशिप नहीं होने पर चिंता जताई है। अब तक घोषित खिलाड़ियों की सूचीः मैग्नस कार्लसन (नॉर्वे), फाबियानो करुआना (अमेरिका), विन्सेंट कीमर (जर्मनी), वेस्ली सो (अमेरिका), अनीश गिरी (नीदरलैंड), नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव (उज्बेकिस्तान), अर्जुन एरिगेसी (भारत), अलीरेजा फिरोजा (फ्रांस), आर प्रज्ञानानंदा (भारत), जान क्रिस्टोफ डूडा (पोलैंड), रिचर्ड रैपोर्ट (हंगरी), हेन्स मोके नीमन (अमेरिका), इयान नेपोमनियाची (फिडे), मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव (फ्रांस), हाइक एम मार्तिरोस्यान (आर्मेनिया), व्लादिस्लाव आर्तेमिएव (फिडे), बिबिसारा अस्सौबायेवा (कजाखस्तान) और वैशाली रमेशबाबू (भारत)। वहीं दूसरी ओर शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रतीति बोरदोलोई और मयंक चक्रवर्ती मंगलवार को यहां आठवें दौर में जीत हासिल करके एशियाई जूनियर क्लासिकल शतरंज चैंपियनशिप में खिताब के करीब पहुंच गए। प्रतीति ने प्रिशिता गुप्ता को हराकर अपने अंको की संख्या संभावित आठ में से सात पर पहुंचा दी है। वह अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी तुर्कमेनिस्तान की महिला कैंडिडेट मास्टर शोहरादोवा लैला से एक अंक आगे है जिन्होंने दक्षिता कुमावत के साथ बाजी ड्रॉ खेली।

उनके छह अंक हैं। कजाकिस्तान की मारिया खोल्यावको और भारत की श्राव्याश्री भीमरसेट्टी ने भी जीत दर्ज करके अपना स्कोर छह पर पहुंचा दिया है। ओपन चैंपियनशिप में मयंक चक्रवर्ती ने दक्ष गोयल को हराकर खिताब की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। उनके अब सात अंक हैं और वह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रूस के इंटरनेशनल मास्टर आर्टेम पिंगिन से आधा अंक आगे हैं।

संक्षेप

सेरेना-अल्काराज़ की जोड़ी को शुरू में ही मिलेगी कड़ी चुनौती

न्यूयॉर्क। सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्काराज़ यूएस ओपन मिश्रित युगल टूर्नामेंट में उस टीम के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगे जिसमें मौजूदा महिला युगल चैंपियन शामिल हैं। सेरेना और अल्काराज़ चैंपियनशिप के पहले दौर में एरिन राउटलिफ और लॉयड ग्लासपूल का सामना करेंगे। यह सेरेना का 2022 के बाद यूएस ओपन में पहला मैच होगा। एरिना सबालेंका और नोवाक जोकोविच की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को भी पहले दौर में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। वह कैटरीना सिनियाकोवा और हेनरी पैटन की जोड़ी के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। राउटलिफ ने गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ मिलकर पिछले साल यूएस ओपन महिला युगल खिताब के लिए सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड को हराया था। उन्होंने 2023 में भी चैंपियनशिप जीती थी। सबालेंका और जोकोविच का मुकाबला लेयला फर्नांडीज और फ्रांसेस टियाफो से होना था। लेकिन टियाफो ने रविवार को सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में आर्थर फिल्स से हारने के बाद सोमवार को मिश्रित युगल से नाम वापस ले लिया, जिससे क्वालीफाइंग में हारने वाली टीम को यह जगह मिल गई।

इमामी समूह ईस्ट बंगाल में निवेशक की भूमिका से बाहर

कोलकाता। इमामी समूह ने मंगलवार को ईस्ट बंगाल फुटबॉल क्लब में निवेशक और प्रबंधन भागीदार के रूप में अपनी भूमिका आधिकारिक तौर पर समाप्त करते हुए क्लब में अपनी पूरी हिस्सेदारी और उससे जुड़े मतदान अधिकार ईस्ट बंगाल को वापस हस्तांतरित कर दिए हैं। इमामी इस टीम के साथ हालांकि बतौर प्रायोजक बना रहेगा। इमामी ने एक बयान में कहा कि निवेश और प्रबंधन की भूमिका से पीछे हटने के बावजूद वह ईस्ट बंगाल क्लब के साथ प्रायोजक के तौर पर जुड़ा रहेगा और क्लब की खेल संबंधी महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देता रहेगा। समूह ने स्पष्ट किया कि सभी शेयर और उनसे जुड़े मतदान अधिकार क्लब को हस्तांतरित कर दिए गए हैं। इसके साथ ही ईस्ट बंगाल में इमामी की निवेशक और प्रबंधक के रूप में भूमिका समाप्त हो गई है। इमामी और ईस्ट बंगाल के बीच निवेशक के तौर पर अलग होने की बात पहले ही सामने आ चुकी थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब इमामी के स्वामित्व ढांचे के तहत ईस्ट बंगाल ने पिछले सत्र में 22 साल के लंबे इंतजार के बाद पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का खिताब अपने नाम किया था।

भारत के लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाना आसान नहीं : द्रविड़

मुंबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में क्वालीफाई करने की दौड़ में थोड़ा पीछे चल रही है और श्रीलंका में उत्साहजनक प्रदर्शन को न्यूजीलैंड दौरे में दोहराना आसान नहीं होगा। डब्ल्यूटीसी फाइनल में दो बार जगह बनाने वाली भारतीय टीम अभी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। उसे फाइनल में जगह बनाने के लिए अपने बचे हुए अधिकतर मैच जीतने होंगे। अगले साल फाइनल में शीर्ष दो टीमों के बीच मुकाबला होगा। भारतीय टीम जनवरी 2027 से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले न्यूजीलैंड में दो टेस्ट मैच खेलेगी। भारत इस दौरे में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच वनडे और उतने ही टी20 मैच भी खेलेगा। यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में एक टीम के मालिक द्रविड़ ने जियोस्टार से कहा, मुझे उम्मीद है कि भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने में सफल रहेगा। अगर भारत मौजूदा स्थिति के बावजूद फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेता है।

कठिन होगा न्यूजीलैंड दौराः द्रविड़

राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा अहमदाबाद

एजेंसी

बेंगलुरु। भारत अहमदाबाद के सावरकर खेल परिसर में सात से 10 अक्टूबर तक राष्ट्रमंडल क्यू खेलों (बिलियर्ड्स, स्नूकर, हेयबॉल, ब्लैकबॉल) की चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। भारतीय बिलियर्ड्स और स्नूकर महासंघ (बीएसएफआई) ने मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में बताया कि चार दिवसीय प्रतियोगिता में करीब 46 देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। पुरुष और महिला वर्ग में बिलियर्ड्स, स्नूकर, हेयबॉल, 10-बॉल पूल और ब्लैकबॉल की स्पर्धाएं होंगी।

चार स्पर्धाओं में प्रत्येक वर्ग में 16 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जबकि इस साल कार्यक्रम में शामिल किए गए बिलियर्ड्स में दोनों वर्गों में आठ-आठ खिलाड़ियों का ड्रॉ होगा। चैंपियनशिप का आयोजन विश्व बिलियर्ड्स खेल महासंघ (डब्ल्यूसीबीएस) और बीएसएफआई के तत्वावधान में एपेक्स स्पोर्ट्स द्वारा किया जाएगा। विश्व पूल संघ (डब्ल्यूपीए) के अध्यक्ष ईशान सिंह ने कहा, अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर तेजी से महत्वपूर्ण शहर बन

रहा है। यहां राष्ट्रमंडल क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप की मेजबानी भारत और इस खेल के लिए बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा, 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा अहमदाबाद इस प्रतियोगिता के जरिये स्थानीय खेल समुदाय और दर्शकों से मजबूत जुड़ाव कायम कर सकता है। भारत का क्यू स्पोर्ट्स में शानदार इतिहास रहा है।

विश्व कप में पुरूष हॉकी टीम के खराब प्रदर्शन के बाद दिग्गजों ने उठाये सवाल

एजेंसी

एम्सटेलवीन। विश्व कप में 51 साल बाद पदक जीतने का सपना लेकर गई भारतीय पुरूष हॉकी टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने में भी नाकाम रहने के बाद पूर्व दिग्गजों ने युवा खिलाड़ियों को मौका नहीं देने और उसी कोर ग्रुप के साथ लगातार खेलने पर सवाल उठाये हैं।

अर्जेंटीना से 3-5 से हारने के बाद भारत की सेमीफाइनल की उम्मीदें भी खत्म हो गई और इससे वे कमजोरियां भी उजागर हुई जो पेरिस ओलंपिक के बाद से लगातार चली आ रही थी। पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि धीमी शुरूआत, मौके गंवाने और डिफेंस में चूक से आगे यह समस्या और बड़ी है और इसका हल काफी पहले निकाला जाना चाहिये था।

भारतीय टीम विश्व कप से पहले स्विटजरलैंड में मानसिक दृढता बढाने के लिये बूट कैंप में गई लेकिन टूर्नामेंट में दबाव का सामना नहीं कर सकी। ड्रैग फ्लिकर और कप्तान हरमनप्रीत सिंह पर अधिक निर्भरता का खामियाजा भुगतना पड़ा जबकि वह पूरी तरह फिट नहीं थे। मनप्रीत सिंह और मनदीप सिंह जैसे सीनियर अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके।

मुशीर व गायकवाड़ के अर्धशतक से उत्तर क्षेत्र की वापसी

एजेंसी

बेंगलुरु। मुशीर खान और ऋतुराज गायकवाड़ के शानदार अर्धशतकों की बदौलत पश्चिम क्षेत्र मंगलवार को यहां दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में मजबूत स्थिति में पहुंच गया था लेकिन उत्तर क्षेत्र ने लगातार विकेट चटकाकर तीसरे दिन मुकाबले में वापसी कर ली।

जीत के लिए 287 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पश्चिम क्षेत्र की टीम एक समय अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 195 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी। तभी कप्तान गायकवाड़ 70 गेंद पर 66 रन बनाकर रन आउट हो गए। पश्चिम क्षेत्र ने इसके बाद अच्छी बल्लेबाजी कर रहे मुशीर का विकेट भी गंवा दिया जिन्होंने 126 गेंद पर 96 रन बनाए।

दिन का खेल खत्म होने पर पश्चिम क्षेत्र का स्कोर सात विकेट पर 220 रन था। उर्विल पटेल 17 रन बनाकर खेल रहे थे। टीम को जीत के लिए 67 रन और चाहिए। मुशीर ने आठ चौके और दो छक्के लगाए और शतक से केवल चार रन से चूक गए। कप्तान गायकवाड़ ने अपनी पारी में सात चौके लगाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 111 रन की साझेदारी की।

पहली पारी में 64 रन की बढ़त हासिल करने वाला उत्तर क्षेत्र दूसरी पारी में 222 रन पर आउट हो गया। उत्तर क्षेत्र की ओर से आयुष बडोनी (50) और निशांत सिंधु (44) ने बल्ले से अहम योगदान दिया। पश्चिम क्षेत्र के लिए तनुष कोटियान ने 46 रन देकर चार और शम्स मुलानी ने 78 रन देकर चार विकेट लिए।

प्रभात जयसूर्या को एक अंक का दंड दिया गया

दुबई। श्रीलंका के स्पिनर प्रभात जयसूर्या को मंगलवार को कोलंबो में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए फटकार लगाई गई और उनके खाते में एक डिमैरिट अंक जोड़ा गया। आईसीसी ने कहा कि जयसूर्या को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन करते हुए पाया गया है जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या पोशाक को नुकसान पहुंचाने से जुड़ा है। आईसीसी ने कहा कि इस खिलाड़ी का पिछले 24 महीने यह पहला अपराध था। दूसरे दिन के खेल की आखिरी गेंद पर भारतीय स्पिनर मानव सुथार की गेंद पर पगबाधा आउट होने के बाद जयसूर्या ने पवेलियन लौटते समय बाउंड्री पर अपना बल्ला पटका था।

पूर्व क्षेत्र ने पूर्वोत्तर क्षेत्र को 210 रन से हराया

एजेंसी

बेंगलुरु। बाएं हाथ के स्पिनर अनुकूल रॉय ने पांच विकेट चटकाए जबकि वैभव सूर्यवंशी ने भी दो विकेट लिए जिससे पूर्व क्षेत्र ने मंगलवार को यहां पूर्वोत्तर क्षेत्र को पारी और 210 रन से करारी शिकस्त देकर दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मुकाबला ढाई दिन के भीतर ही समाप्त हो गया। पूर्व क्षेत्र ने पहली पारी में 467 रन बनाए थे जिसके जवाब में पूर्वोत्तर क्षेत्र की टीम पहली पारी में महज 111 रन पर सिमट गई। टीम इसके बाद फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में भी 146 रन पर आउट हो गई। तीसरे दिन दूसरी पारी में केवल 50 ओवर में ही मुकाबला समाप्त हो गया। सात रन पर बिना किसी नुकसान से दिन की शुरुआत करने वाली पूर्वोत्तर क्षेत्र की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। फेइरोइजाम जोतिन सिंह (39) और आकाश चौधरी (27) ने नौवें विकेट के लिए 39 रन जोड़कर टीम को 100 रन से पहले सिमटने से बचाया। तीसरे दिन कप्तान इशान किशन की शानदार विकेटकीपिंग भी आकर्षण का केंद्र रही। उन्होंने पांच खिलाड़ियों को आउट करने में भूमिका निभाई जिसमें दो स्टंपिंग और तीन कैच शामिल रहे। भारत ए के खिलाड़ी अनुकूल ने सटीक लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी की। पूर्वोत्तर क्षेत्र के बल्लेबाज यह समझने में नाकाम रहे कि उनकी कौन सी गेंद टर्न लेगी और कौन सी सीधे विकेटों पर आएगी। अनुकूल ने 15 ओवर में 37 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने प्रथम श्रेणी मैच की पारी में सातवीं बार पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए। मैच पर पूरी तरह नियंत्रण होने के कारण किशन ने सूर्यवंशी को भी गेंदबाजी का मौका दिया।

मुथैया मुरलीधरन, डेनियल विटोरी ने मेरी गेंदबाजी को निखारने में मदद की : जीशान

नयी दिल्ली। भारत के युवा लेग स्पिनर जीशान अंसारी ने कहा कि आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलते हुए दिग्गज स्पिनरों मुथैया मुरलीधरन और डेनियल वेटोरी से मिले सबक से उन्हें अपने खेल को निखारने में मदद मिली। ईशान किशन, ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों के साथ भारत की अंडर-19 विश्व कप 2016 टीम का हिस्सा रहे जीशान के करियर में तब नया मोड़ आया जब आईपीएल 2025 के लिए सनराइजर्स ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। अंसारी ने कहा जब मैं सनराइजर्स में था, तब मुझे मुथैया मुरलीधरन और डेनियल वेटोरी से काफी कुछ सीखने को मिला। उन्होंने मुझे गेंदबाजी के बारे में कई ऐसी बातें बताईं जो मुझे पता नहीं थीं। उनसे मैंने जो कुछ भी सीखा है, उससे मुझे बहुत मदद मिली है। अगर मैं उनसे मिली सीख पर अमल करता रहूंगा तो मेरा खेल बेहतर होता जाएगा।

संबंधों को मजबूत करेंगे भारत-चीन

सीमा विवाद पर डोभाल और वांग यी के बीच विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता, संबंधों में सुधार पर भी चर्चा

एजेंसी

बीजिंग। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मंगलवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ भारत-चीन सीमा विवाद और दोनों देशों के संबंधों में सुधार को लेकर विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता की।

इस वार्ता का इसलिए महत्व है, क्योंकि यह 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की भारत की संभावित यात्रा से पहले हुई है। यह वार्ता ऐसे समय हो रही है, जब भारत-चीन के द्विपक्षीय संबंधों में सीमा और अरुणाचल प्रदेश को लेकर मतभेद प्रमुखता से बने हुए हैं। डोभाल और वांग दोनों ही सीमा वार्ता के लिए विशेष प्रतिनिधि हैं। यह व्यवस्था वर्ष 2003 में 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा से जुड़े विवाद के व्यापक समाधान के लिए की गई थी। वार्ता से पहले सोमवार को दो दिवसीय यात्रा पर बीजिंग पहुंचे डोभाल ने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से भी मुलाकात की। भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि डोभाल और चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग के बीच हुई बातचीत में सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति व स्थिरता मजबूत करने तथा दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी सहमति के अनुरूप आर्थिक, राजनीतिक और बहुपक्षीय क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा हुई। डोभाल के साथ मुलाकात के दौरान झेंग ने कहा कि चीन और भारत को अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक नजरिए

से देखना और संभालना चाहिए। साथ ही, दोनों देशों को अपने नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, झेंग ने कहा कि दोनों देशों को रणनीतिक आपसी विश्वास बढ़ाना, सहयोग की संभावनाओं का पूरा लाभ उठाना, बहुपक्षीय मंचों पर करीबी समन्वय बनाए रखना और मतभेदों को सही तरीके से सुलझाना चाहिए, जिससे चीन-भारत संबंधों के निरंतर और स्थिर विकास को बढ़ावा मिलेगा। साल 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प और पूर्वी लद्दाख में लंबे समय तक चले सैन्य गतिरोध के बाद नयी दिल्ली और बीजिंग के संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। इसके बाद दोनों पक्षों ने संबंधों को स्थिर करने के लिए कदम उठाए हैं। विशेष प्रतिनिधि स्तरीय वार्ता की इस व्यवस्था से सीमा विवाद को हल करने में सफलता नहीं मिली, लेकिन दोनों देशों के अधिकारी इसे विभिन्न मुद्दों पर बार-बार उभरने वाले तनाव से निपटने के लिए एक उपयोगी माध्यम मानते हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को यहां प्रेस वार्ता में विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता की घोषणा की। लेकिन जब उनसे शी चिनफिंग की भारत यात्रा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने सीधा जवाब देने से परहेज किया। चिनफिंग की भारत यात्रा के दौरान उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात का अवसर मिल सकता है। इस दौरान दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने से जुड़ी पहलों पर चर्चा कर सकते हैं। मोदी और चिनफिंग की पिछली मुलाकात अगस्त 2025 में तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर हुई थी। विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के बारे में लिन ने कहा कि डोभाल और वांग सीमा विवाद के साथ-साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संबंधों से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी गहन चर्चा करेंगे।

यूपीआई भुगतान का तेज और सुरक्षित माध्यमः शाह

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को तेज और सुरक्षित माध्यम करार देते हुए कहा कि यह नवाचार के जरिए भारत को बदलाव की राह पर आगे बढ़ाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण की एक मिसाल है।

यूपीआई का इस्तेमाल शुरू हुए मंगलवार को 10 साल पूरे हो गए। शाह ने एक्स पर एक संदेश में कहा, "यूपीआई नवाचार के जरिए भारत को बदलाव की राह पर आगे बढ़ाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण की एक मिसाल है। उन्होंने कहा कि यूपीआई के 10 वर्षों में हमारे देश ने दुनिया की सबसे बड़ी वास्तविक समय भुगतान प्रणाली बनाई है और यह साबित किया है कि डिजिटल इंडिया के जरिए लोगों को तेज, आसान व सुरक्षित माध्यम देकर हम क्या हासिल कर सकते हैं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने भारतीय रिजर्व बैंक की निगरानी में मुख्य रूप से मोबाइल के जरिए बिना नकद भुगतान करने के माध्यम के रूप में 25 अगस्त 2016 को यूपीआई की शुरुआत की थी। शुरुआत के बाद से लेनदेन की संख्या में 13,000 गुना बढ़ोतरी हुई है। 2025-26 में यूपीआई के जरिए 314 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ। सरकार के एक बयान में कहा गया है,सालाना लेनदेन की संख्या वित्त वर्ष 2016-17 में केवल 1.78 करोड़ थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 24,162 करोड़ से अधिक हो गई। लेनदेन की संख्या में लगभग 13,000 गुना बढ़ोतरी हुई है। बयान में कहा गया है, इसी तरह, लेनदेन की कुल राशि वित्त वर्ष 2016-17 में 0.07 लाख करोड़ रुपये थी, जो बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 314 लाख करोड़ रुपये हो गई। यानी लेनदेन की राशि में 4,000 गुना से अधिक की बढ़ोतरी हुई।

अमेरिकी खुफिया सेना ने ट्रंप के बेटे को जान की धमकी वाले वीडियो की जानकारी होने की पुष्टि की

वाशिंगटन। अमेरिकी खुफिया सेवा ने मंगलवार को कहा कि उसे इस बात की जानकारी है कि ईरान के सरकारी मीडिया ने एक वीडियो प्रसारित किया है, जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे छोटे बेटे बैरन को जान की धमकी दिए जाने के तौर पर देखा जा सकता है। खुफिया सेवा के प्रवक्ता नेट हेरिंग ने एक बयान में कहा, "अमेरिकी खुफिया सेवा इस वीडियो से अवगत है और ऐसी किसी भी चीज की जांच करती है, जिसे हमारे सुरक्षा घेरे में आने वाले लोगों के खिलाफ खतरे के रूप में देखा जा सकता है। अभियानगत सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हम सुरक्षा संबंधी खुफिया मामलों पर चर्चा नहीं करते हैं। साल की शुरुआत में अमेरिकी बलों की कार्वाई में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामनेई की मौत के बाद से ईरानी मीडिया ने कई मौकों पर अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके परिवार के सदस्यों के लिए धमकी वाली सामग्री प्रसारित की है।

जयशंकर रूसी विदेश मंत्री लावरोव से मिले द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की

मॉस्को। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूस के अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ द्विपक्षीय सहयोग, वैश्विक चुनौतियों और बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।

सरकारी समाचार एजेंसी तास ने रूसी विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया कि दोनों विदेश मंत्रियों ने यूक्रेन, ईरान और अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा की। जयशंकर ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ व्यापक बातचीत हुई। द्विपक्षीय सहयोग, क्षेत्रीय संवदेनशील मुद्दों, वैश्विक चुनौतियों और बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर दो दिवसीय रूस यात्रा के तहत रविवार को मॉस्को पहुंचे थे। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 12-13 सितंबर को नयी दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आने की उम्मीद है। तास की रिपोर्ट में कहा गया, दोनों शीर्ष राजनयिकों के बीच बातचीत अंतरराष्ट्रीय एजेंडे से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर केंद्रित रही। विशेष रूप से, दोनों पक्षों ने अफगानिस्तान, ईरान और यूक्रेन की स्थिति को लेकर अपने दृष्टिकोण में समन्वय किया। दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ), ब्रिक्स और जी20 के भीतर करीबी समन्वय जारी रखने की अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई। रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रियों ने सभी स्तरों पर विश्वास पर आधारित संवाद को मजबूत करने पर सहमति जताई। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि भारत और रूस अपने आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने तथा कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। सोमवार को जयशंकर ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। दोनों पक्षों ने आर्थिक संबंधों पर चर्चा की, जिसमें व्यापार, ऊर्जा और परमाणु सहयोग जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया।

भाजपा का हर कार्यकर्ता लोकतंत्र का पहरेदार

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंगलवार को कहा कि चुनाव लोकतांत्रिक पर्व हैं और पार्टी का हर कार्यकर्ता लोकतंत्र का पहरेदार है। राज्यसभा सदस्य राठौड़ यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में निकाय चुनाव के लिए प्रकाशित मार्गदर्शिका पुस्तक का विमोचन कर रहे थे। राठौड़ ने एक राज्य-एक चुनाव की भावना के तहत राज्य में होने वाले निकाय एवं पंचायती राज चुनावों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव होने से न केवल खर्च बढ़ता है बल्कि प्रशासनिक कामकाज में भी व्यवधान आता है, जिससे लोक कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता प्रभावित होती है। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि बार-बार चुनाव होने से सरकार और प्रशासनिक मशीनरी चुनावी कार्यों में व्यस्त हो जाती है तथा आचार संहिता की आड़ में विकास कार्य रुक जाते हैं, जिसका सीधा नुकसान आम जनता को होता है। राठौड़ ने कहा कि चुनाव लोकतांत्रिक पर्व है और भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतंत्र का पहरेदार है। इसलिए चुनाव चाहे पंचायत का हो या संसद का, भाजपा का कार्यकर्ता सजगता से अपनी भूमिका का निर्वहन करता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता मालिक होता है लेकिन मतदाताओं को सही तथ्यों से अवगत कराने और विपक्ष द्वारा दी जा रही गलत जानकारी से सचेत करने की जिम्मेदारी भी भाजपा कार्यकर्ताओं की है। राठौड़ ने कहा कि युवा राजनीति में आगे आएं, उनकी भागीदारी बढ़े, वे प्रशिक्षित हों और जनप्रतिनिधि बनकर लोकसेवा के मिशन में जुटें।

बीपीएससी परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थियों का प्रदर्शन हिंसक

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की शिक्षक भर्ती परीक्षाओं और परीक्षा प्रणाली में बदलाव की मांग को लेकर मंगलवार को पटना में हजारों विद्यार्थियों का प्रदर्शन हिंसक हो गया। मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के दौरान पुलिस और विद्यार्थियों के बीच कई स्थानों पर झड़प हो गयी। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने लाठीचार्ज और पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। प्रदर्शन में शामिल अधिकांश अभ्यर्थी अगले महीने होने वाली बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई) में शामिल होने वाले हैं। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग थी कि शिक्षक भर्ती की लिखित परीक्षा प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के बजाय एक ही चरण में कराई जाए। कुछ अभ्यर्थियों ने इस वर्ष आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) में कथित अनियमितताओं का हवाला देते हुए उसे रद्द करने की भी मांग की। गांधी मैदान से शुरू हुए मार्च में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) सहित कई वामपंथी छात्र एवं युवा संगठनों के कार्यकर्ता भी शामिल हुए। गांधी मैदान से मुख्यमंत्री आवास तक करीब पांच किलोमीटर लंबे मार्ग पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। जदयू कार्यालय के निकट जेपी गोलंबर पर पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए पानी की बौछार का इस्तेमाल किया लेकिन प्रदर्शनकारी डटे रहे।

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com